@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 14 सितंम्बर 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 305 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मणिपुर मां भारती के मुकुट पर सजा मुकुट रत्न है : पीएम मोदी

इसलिए मणिपुर के विकास को भारत सरकार ने निरंतर प्राथमिकता दी

एजेंसी

इंफाल । प्रधानमंत्री ने मणिपुर को मां भारती के मुकुट पर सजा मुकुट रत्न बताया और कहा कि हमें मणिपुर की विकासवादी छवि को निरंतर मजबूत करना है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि

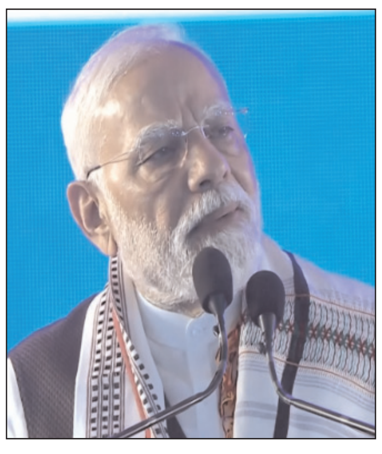

मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। ये हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ भी बहुत बड़ा अन्याय है। इसलिए हमें मणिपुर को लगातार शांति और विकास के रास्ते पर आगे लेकर जाना है। उन्होंने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष ने मणिपुर को भारत की आजादी का द्वार कहा था। इस मिट्टी ने अनेक वीर बलिदानी दिए हैं।

हमारी सरकार, मणिपुर के ऐसे हर महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का ये समय ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट का है। इसलिए मणिपुर के विकास को भारत सरकार ने निरंतर प्राथमिकता दी है। इसी का परिणाम है कि मणिपुर की विकास दर लगातार बढ़ रही है। पीएम मोदी बोले कि 2014 से पहले मणिपुर की विकास दर 1 प्रतिशत से भी कम थी, अब मणिपुर पहले से कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता से आपके जीवन की मुश्किलों को कम करने का पूरा प्रयास कर रही है। मैं जानता हूं कि मणिपुर के कई हिस्सों में बाढ़ से भी बहुत परेशानी होती है। इस समस्या को कम करने के लिए भी सरकार कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने इफाल में 1,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

इम्फाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर की राजधानी इम्फाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की 17 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं में मंत्रिपुखरी स्थित सिविल सचिवालय, आईटी एसईजेड बिल्डिंग, नया पुलिस मुख्यालय, दिल्ली और कोलकाता में मणिपुर भवन तथा चार जिलों में महिलाओं के लिए विशेष इमा मार्केट शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि मणिपुर में हो रहे इन विकास कार्यों से आमजन के जीवन में सुगमता आएगी, राज्य का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। जिन परियोजनाओं का काम शुरू हुआ है, उनमें मणिपुर शहरी सड़क परियोजना (3,600 करोड़ रुपये) और मणिपुर इन्फोटेक विकास परियोजना (500 करोड़ रुपये) अहम हैं।

स्वामी रामभद्राचार्य के बयान पर मायावती ने जताया ऐतराज, चुप रहने की दी सलाह

एजेंसी

लखनऊ । स्वामी रामभद्राचार्य के मनुस्मृति और बाबासाहेब अंबेडकर पर दिए गए बयान पर राजनीति गरमा गई है। इसे लेकर बसपा मुखिया मायावती ने कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने बिना नाम लिए हुए सलाह दी है कि भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में रहे उनके अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं है। इसलिए उनके बारे में कोई भी ग़लत बयानबाज़ी से बचे और चुप रहें तो यह उचित होगा।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आए दिन सुर्ख़ियों में बने रहने हेतु विवादित बयानबाजी करने वाले कुछ साधु-संतों को परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में रहे उनके अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं होने के कारण, इनको इस बारे में कोई भी ग़लत बयानबाजी आदि करने की बजाय, यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी मनुस्मृति का विरोध क्यों करते हैं? उसे भी इनको अपनी जातिवादी द्वेष की भावना को त्याग कर ज़रूर समझना चाहिये। इसके साथ-साथ इन्हें यह भी मालूम

होना चाहिये कि बाबा साहेब महान विद्वान व्यक्तित्व थे। इस मामले में कोई भी टीका-टिप्पणी करने वाले साधु-संत इनकी विद्वता के मामले में कुछ भी नहीं हैं। अतः इस बारे में भी कुछ कहने से पहले इनको ज़रूर बचना चाहिये, यही नेक सलाह है।

● अंबेडकर साहब अगर संस्कृत जानते तो मनुस्मृति को जलाने की गलती नहीं करते :जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य

ज्ञात हो कि एक निजी चैनल के कार्यक्रम में तुलसी पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने अपने वायरल में कहा कि स्मृति देश का पहला संविधान है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि मनु मनुस्मृति में ऐसी एक भी लाइन नहीं है जो कि भारतीय संविधान के खिलाफ हो। अंबेडकर साहब अगर संस्कृत जानते तो मनुस्मृति को जलाने की गलती नहीं करते। उनके इस बयान के बाद देश की राजनीति में उबाल आ गया। राजद, बसपा और अंबेडकर के पोते उन्हें घेरने में जुटे हैं।

बिहार अधिकार यात्रा से लाएंगे बदलाव, भाजपा के पास विजन नहीं : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बेबाक राय व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने 16 सितंबर से शुरू होने वाली बिहार अधिकार यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने भाजपा नेताओं के प्रस्तावित बिहार दौरे पर तल्ख टिप्पणी की। बिहार अधिकार यात्रा को लेकर सवाल किए जाने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछली बार हमारी यात्रा 20 से अधिक जिलों तक हुई थी। अब जो जिले छूट गए थे, वहां जाएंगे और जनता के बीच अपनी बात रखेंगे। यात्रा के नाम में बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनकी पार्टी की अलग यात्रा है और संयुक्त यात्राओं से अलग है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस बार बिहार में निश्चित तौर पर बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध से परेशान हैं। प्रदेश में जिस तरह से भ्रष्टाचार और अपराध बढ़ा है, लोग निराश हैं और मौजूदा सरकार से गुस्सा है।

कानून के सामने सब बराबर, नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : सीएम

● विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय लीगल सेल का दो दिवसीय अधिवेशन शुरु

विश्व हिन्दू परिषद की बैठक शहर के एक गार्डन में आयोजित हुई

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत का बदलता दौर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक पर प्रतिबंध जैसे कई ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी बना है। हमने भी राज्य में लव जिहाद, खुले में मांस के विक्रय और लाउडस्पीकर पर कड़ी कार्रवाई की है। हमारे लिए मानव कल्याण और प्रदेश का विकास सर्वोपरि है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को इंदौर में विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय लीगल सेल के दो दिवसीय अधिवेशन के अवसर पर कहीं। इस आयोजन के शुभारंभ पर उनके साथ स्वामी जितेंद्रानंद महाराज, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व जस्टिस वीएस कोकजे, आलोक कुमार व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां से स्पष्ट संदेश दिया कि मध्यप्रदेश में कानून सबके लिए समान है और नियमों को तोड़ने वालों पर सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, ÷हमारी सरकार ने राज्य में मछली हो या मगर, सबको ठिकाने लगाया है। कानून का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।÷ उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरकार बनने के साथ ही

धार्मिक स्थलों पर ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, मांस विक्रय में फूड सेफ्टी नियमों और धार्मिक आचरण से जुड़े तीनों कानूनों को लागू करने में सबसे तेजी दिखाई है। उन्होंने बताया कि लाउडस्पीकर की ऊंची आवाज पर नियंत्रण की कार्रवाई शुरू की गई। अब तक 60 हजार से ज्यादा माइक हटवाए गए हैं। ÷कोई भी अपने धर्म की इबादत करने से वंचित नहीं है, लेकिन शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करना जरूरी है।÷ मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कानून में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि कानून की आंखों से पट्टी हटा दी गई है, इससे बड़ा सुधार और क्या हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार का पहला बड़ा कदम लाउडस्पीकर नियंत्रण का था, जिसके तहत 60 हजार लाउडस्पीकर हटाए गए। साथ ही मांस-मटन विक्रय पर फूड सेफ्टी नियम लागू किए गए। उन्होंने कहा कि बड़े से बड़े रसूखदारों को भी कानून का पालन करना पड़ा और सरकार ने किसी से समझौता नहीं किया।

स्वामी जितेंद्रानंद महाराज ने कहा कि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था। मुस्लिमों के लिए पाकिस्तान बना और हिंदुओं के लिए हिंदुस्तान। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भी हिंदू राष्ट्र की आत्मा लिए हुए है, लेकिन न्यायिक सक्रियता के चलते कई बार समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। वरिष्ठ अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों का षड्यंत्र का हिस्सा बन जाना हिंदुओं के खिलाफ माहौल बना देता है। स्वामी ने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म में न तो अस्पृश्यता है और न ही जातिगत भेदभाव।

दिल्ली के होटल ताज पैलेस में रखी हैं 16 आईईडी, बम की धमकी निकली अफवाह

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित होटल ताज पैलेस को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे होटल में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और होटल की जांच पड़ताल की, लेकिन कहीं से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

चाणक्यपुरी के ताज पैलेस होटल को बम की धमकी भरा ईमेल आया। ईमेल में लिखा गया था कि होटल ताज पैलेस में 16 बम रखे गए हैं। होटल में कई वीवीआईपी लोग रुके हुए हैं, इसलिए होटल को 11 बजे तक खाली करा लो। एक दिन पहले भी ऐसा ही मेल आया था। शुक्रवार को जिस आईडी से दिल्ली एवं बॉम्बे हाई कोर्ट को धमकी भरा ईमेल आया था, उसी आईडी से शनिवार को भी धमकी भरा ईमेल आया है। रात 2 बजे मेल आया। शनिवार को आए ईमेल में लिखा है कि दिल्ली के ताज पैलेस में दोपहर में विस्फोट के लिए 16 आरडीएक्स आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगाई गई हैं। वीवीआईपी की मौजूदगी की पुष्टि हो गई है। कृपया सुबह 11 बजे तक सभी अन्य निर्दोष मेहमानों को बाहर निकाल दें।

पीएम मोदी और उनकी मां के एआई वीडियो पर बवाल

महाराष्ट्र में कांग्रेस के खिलाफ सड़कों पर उतरी बीजेपी

एजेंसी

महाराष्ट्र । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां से मिलता-जुलता एक एआई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। यह वीडियो बिहार कांग्रेस के आधिकारिक पेज पर पोस्ट किया गया था। इसके बाद बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कल्याण के काटेमानवली इलाके में बीजेपी महिला मोर्चा की ओर से शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में विरोध के पोस्टर लेकर %माताजी का ये अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, शर्म करो-शर्म करो, कांग्रेस पार्टी शर्म करो, महिला के सम्मान में बीजेपी मैदान में% जैसे नारे लगाए।

बीजेपी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस ने दोबारा ऐसा कृत्य किया तो इसे किसी भी हाल में

बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस का यह कृत्य बेहद निंदनीय है। मातृशक्ति का अपमान हिंदुस्तान कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस को तुरंत देश से माफी मांगनी चाहिए।

वहीं छत्रपति संभाजीनगर में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह आंदोलन शहर के क्रांति चौक परिसर में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। प्रदर्शन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर वीडियो बनाया और उनका अपमान किया है।

महिलाओं ने कहा कि यह न केवल प्रधानमंत्री की मां का बल्कि पूरे देश की माताओं का अपमान है, जिसे भाजपा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी। महिला मोर्चा की नेताओं ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा अपनी मां को प्रेरणा का स्रोत मानते आए हैं। उन्होंने देशवासियों से अपील की थी कि हर व्यक्ति अपनी मां की याद में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए और इस तरह पर्यावरण संरक्षण के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत की थी।

दारू सस्ती और दवा महंगी, तो भारत कैसे बनेगा विश्व गुरु - धीरेंद्र शास्त्री

एजेंसी

गयाजी । बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शनिवार को गयाजी पहुंचे। वह दिल्ली से विमान द्वारा गया हवाई अड्डे पर उतरे, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट से उन्हें सीधे बोधगया स्थित संबोधि रिसॉर्ट ले जाया गया। यहां वे कई दिनों तक प्रवास करेंगे और यहीं से पिंडदान व तर्पण जैसे कर्मकांड संपन्न करेंगे। इससे पहले, गया एयरपोर्ट पर आईएएनएस से बात करते हुए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि गया नगरी भगवान बुद्ध और भगवान विष्णु दोनों की तपोभूमि है। सनातन धर्म में गयाजी का विशेष महत्व है, खासकर पितृ कर्म के लिए। उन्होंने कहा, 'हर साल की तरह इस साल भी मैं अपने पितरों के श्राद्ध हेतु गया जी आया हूं।' धीरेंद्र शास्त्री ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का संदेश भी दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही अघोषित रूप से हिंदू राष्ट्र है और अब इसे घोषित रूप से हिंदू

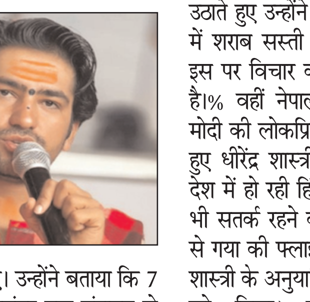

राष्ट्र होना चाहिए। उन्होंने बताया कि 7 नवंबर से 16 नवंबर तक वृंदावन से दिल्ली तक पैदल यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए देश में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं निशुल्क होनी चाहिए। वर्तमान व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'आज इस देश में शराब सस्ती और दवाएं महंगी हैं, इस पर विचार करने की आवश्यकता है।% वहीं नेपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि पड़ोसी देश में हो रही हिंसा को देखते हुए हमें भी सतर्क रहने की जरूरत है। दिल्ली से गया की फ्लाइट में भी पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायियों का उत्साह देखने को मिला। एक महिला यात्री राजकुमारी, जो लंदन में कारोबार करती हैं।

हिमाचल के सोलन में भारी बारिश से 40 स्कूलों को नुकसान, 6 पूरी तरह ध्वस्त

सोलन । हिमाचल प्रदेश में इस साल हुई भारी बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को भी गहरी चोट पहुंचाई है। सोलन जिले में प्राथमिक शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक लगभग 40 स्कूलों को आंशिक या पूर्ण रूप से नुकसान पहुंचा है। इन भवनों को हुए नुकसान का अनुमान करीब 1 करोड़ 90 लाख रुपए लगाया गया है। विभाग के उप निदेशक मोहिंद्र चंद पिरटा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस साल हिमाचल प्रदेश में हुई भारी बारिश से सोलन जिला भी प्रभावित हुआ है। शिक्षा विभाग के अनुसार, जिले में लगभग 40 स्कूलों को आंशिक या पूर्ण नुकसान हुआ है।

उद्धव ठाकरे ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का किया विरोध

बोले- यह देशभति का व्यवसायीकरण

एजेंसी

मुंबई । एशिया कप में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर पूरे देश में सियासी घमासान छिड़ गया है। विपक्ष क्रिकेट मैच को लेकर सरकार का घेराव कर रही है। इसीक्रम में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्?होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभक्ति का व्यवसायीकरण कर दिया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। अगर खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते, तो खेल और खून साथ-साथ कैसे बह सकते हैं? युद्ध और खेल एक साथ कैसे हो सकते हैं? यह बकवास है।

उन्होंने देशभक्ति का व्यापार किया है, उन्होंने देशभक्ति का व्यवसायीकरण कर दिया है। और कल वे एक मैच आयोजित कर रहे हैं क्योंकि उन्हें इससे मिलने वाला पैसा चाहिए; उन्हें दान चाहिए। उन्हें परवाह नहीं कि देश को नुकसान हो या लोग मरें, उन्हें कोई परवाह नहीं। वे बेफिक्री से खेलते रहेंगे और फिर भी हमें देशभक्ति सिखाते रहेंगे। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच के संबंध में दिए गए बयान पर मंत्री नितेश राणे ने पलटवार किया। उन्?होंने कहा कि क्या सामना या उद्धव ठाकरे को भारत-पाकिस्तान मैच के बारे में बोलने का नैतिक अधिकार है? जब उद्धव ठाकरे मुंबई और महाराष्ट्र से सांसद चुने गए थे, तो लोकसभा जीत के बाद उनकी विजय रैली में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगे थे, हरे झंडे लहराए गए थे, हरा गुलाल उड़ाया गया था और नारे लगाए गए थे। उस समय, उनके मन में पाकिस्तान के प्रति कोई गुस्सा नहीं था, लेकिन अब अचानक वे भारत के प्रति प्रेम से भर गए हैं? यही सांसद 'सिर तन से जुदा' के नारे लगा रहे थे। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इनके प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। नितेश राणे ने शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे के भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच के संबंध में दिए गए बयान पर कहा, ÷वही आदित्य ठाकरे बुर्का पहनकर भारत-पाकिस्तान मैच छुपकर देखेंगे। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी (आप) ने क्रिकेट मैच के विरोध में दफ्तर में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का पुतला फूंका। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार शामिल हुए।

इन लोगों ने कहा कि हम इस मैच का विरोध कर रहे हैं और कहना चाहते हैं कि भारत सरकार इस मैच को तुरंत रोके। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज पाकिस्तान क्रिकेट टीम का पुतला जलाया गया क्योंकि ये वही पाकिस्तानी क्रिकेटर हैं जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के समर्थन में बात की थी।

● आप विधायक संजीव झा ने कहा कि मैं बीसीसीआई और आईसीसी में बैठे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या आप यह अपमान बर्दाश्त करेंगे? आपने एक बार कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे चल सकते हैं? क्यों? क्योंकि यह व्यापार और सत्ता का मामला है?

जब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते तो भारत-पाकिस्तान में क्रिकेट कैसे: पवन खेड़ा

● खेड़ा ने प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे पर भी उठाये सवाल?

एजेंसी

नई दिल्ली । एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को मैच खेला जाएगा। इसको लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि जब खून और पानी साथ नहीं बह सकते तो एशिया कप में भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच कैसे खेल सकता है। पवन खेड़ा ने सवाल किया-क्या पीएम मोदी का रोड शो उन्हीं सड़कों पर है, जहां महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था? जब महिलाओं को इन सड़कों पर परेड कराई जा रही थी, उस समय प्रधानमंत्री मोदी कहां थे? जब मणिपुर को हमदर्दी की जरूरत थी, तब प्रधानमंत्री मोदी कहां थे? मणिपुर के दिल में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री भूपेन हजारिका का एक भी गीत समझ लें तो

वे इस देश को समझ जाएंगे। वे सिर्फ मुख्य अतिथि बनकर घूमने वाले प्रधानमंत्री नहीं हैं। हजारिका के गीतों में इस देश का ज्ञान सुनाई देता है। उस ज्ञान को सुनिए। उनके गीत 'गंगा' को ही लीजिए, अगर प्रधानमंत्री इसके एक-एक शब्द को समझ लें तो वे भारत के सार को समझ जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश के गांव गुतराहन में बादल फटा... कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दबे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला के नैना देवी विधानसभा क्षेत्र की उप तहसील के तहत आने वाले गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से भारी तबाही हुई। इस दौरान कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दब गए और सड़कों को भी भारी नुकसान हुआ। लेकिन गनीमत ये रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी तरह की जानहानि का नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करे और पीड़ितों को उचित मुआवजा मिले। वहीं, दूसरी ओर मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई, जिसकी वजह से कई घर मलबे से घिर गए हैं। बता दें कि हिमाचल के कई जिलों में अब मौसम फिर से बिगड़ने लगा है। इसके बाद अब कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना जाहिर की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के द्वारा 13 और 14 सितंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर यूपी में 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करेगी, इसके तहत 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, सेवा पर्व पहल के तहत, 17 से 2 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 15 लाख से ज़्यादा पौधे लगाए जाएँगे। यह पहल 9 अगस्त को राज्य के रिकॉर्ड तोड़ वृक्षारोपण अभियान के बाद की जा रही है, जब सिर्फ 12 घंटों में 37.21 करोड़ पौधे लगाए गए थे। हालांकि, सेवा पर्व के दौरान वृक्षारोपण एक राष्ट्रव्यापी अभियान होगा, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पहल पर चलाया जाएगा, ताकि नागरिकों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके और एक व्यापक सहभागी आंदोलन बनाया जा सके। अभियान के शुभारंभ पर, राज्य में अब तक स्थापित 34 नगर वनों (शहरी वनों) में कम से कम 100 पौधे लगाए जाएँगे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ए.के. सक्सेना ने अभियान के बारे में बताया कि, पारिस्थितिक लचीलेपन के लिए स्थानीय और देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाने चाहिए। अभियान के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक डीएफओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भागा

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में अस्पताल परिसर में एक आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भाग गया। खाग सराय गांव के अजय की पत्नी रेशमा (25) को प्रसव पीड़ा के चलते महिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। शल्य चिकित्सा के बीच प्रसूता ने बच्चे को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार पैदा हुआ नवजात मृत अवस्था में होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उसका शव सौंप दिया। गुरुवार की रात नौ बजे करीब परिजन बच्चे का शव लेकर अस्पताल के बाहर स्थित पार्क की बेंच पर बैठे थे। इस बीच एक आवारा कुत्ता बेंच पर रखे नवजात के शव को मुंह में दबाकर भाग गया। परिजन और उपस्थित लोग कुत्ते का पीछा करने लगे। लगभग 100 मीटर दूर कुत्ता शव को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया। महिला चिकित्सालय अधीक्षक ने घटना की पुष्टि कर बताया घटना के लिए चिकित्सालय कर्मी या अधिकारी दोषी नहीं है। उन्होंने कहा कि नवजात का शव प्रसूता की मां चमेली देवी को विधिवत सौंपा गया था। परिजन शिशु को बाहर पार्क में गए थे। यह घटना उनकी लापरवाही से हुई है। इसके लिए अस्पताल के स्टाफ को दोषी नहीं मान सकते है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य संगीता अनेजा ने घटना पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, भारी संख्या में पुलिस बल रह तैनात

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। आरोपियों के अवैध निर्माण पर प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला कोर्ट से स्टे न मिलने के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। एसडीएम भी वहां पहुंची। प्रशासन का कहना है कि आरोपियों के घर सरकारी ज़मीन पर बने हैं इसलिए बुलडोजर चलाने के पहले मकानों को चारों ओर से पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए हैं। मौके पर 500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात हैं। इस मामले में आरोपी बनाए गए युवक फरहान, साद और साहिल ने गिरोह बनाकर टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से पहले दोस्ती की, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया। छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और धर्म परिवर्तन कर दबाव बनाया। इतना ही नहीं, इन लड़कियों से अन्य छात्राओं को भी गिरोह में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा और आयोग की टीम को भोपाल आना पड़ा। अब जिला प्रशासन की यह कार्रवाई सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी का हिस्सा मानी जा रही है। स्थानीय लोगों की भीड़ प्रशासनिक अमले के साथ घटनास्थल पर मौजूद है। मौके पर मीडिया और फोटोग्राफरों का जमावड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग में भाजपा नेता संग तीन को भेजा जेल

आगरा (एजेंसी)। टीपी नगर (हरीपर्वत) स्थित जैन होटल में युवक का युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के मामले में न्यू आगरा पुलिस ने तीन और को जेल भेजा है। आरोपियों में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा का पूर्व पदाधिकारी भी शामिल है। युवक से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी।

आरएसएस से रिश्ते को मजबूत करने में जुटे पीएम मोदी और अमित शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच रिश्तों को लेकर कई आशंकाएं जताई गई हैं कि इन दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। मतलब साफ है कि तल्खी भरे रिश्तों की चर्चा होती रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव बार-बार टालना। हालांकि अब परिस्थिति बदलती नजर आने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की प्रशंसा की थी। 11 वर्षों में पहली बार लाल किले से संघ की जिक्र हुआ था। प्रधानमंत्री ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जन्मदिन पर देश के विभिन्न अखबारों में लेख में उनकी खुलकर प्रशंसा की। वहीं, हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि आरएसएस से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयान इस बात संकेत देते हैं कि बीजेपी अपने वैचारिक मूल संगठन से सहज रिश्तों को लेकर तस्वीर साफ करना चाहती है और लोगों में एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही है।

15 अगस्त को मोदी ने लाल किले से कहा, 100 वर्षों की राष्ट्र सेवा आरएसएस का गौरवशाली अध्याय है। संघ विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ है, जिसने सेवा, समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की है। इससे पहले अमित शाह ने 30 जुलाई को संसद में कहा, हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता है। वहीं, 22 अगस्त को कोच्चि में मणोरमा कॉन्क्लेव में शाह ने कहा, मैं स्वयंसेवक हूं और जब तक भारत महान नहीं बनता हमें विश्राम का अधिकार नहीं है। इसके बाद 26 अगस्त को शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'RSS से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है। वहीं जानकारों का मानना है कि बीजेपी अब अपने वैचारिक परिवार के साथ दूरी की अटकलों को खत्म करना चाहती है। एक रिपोर्ट में वरिष्ठ बीजेपी नेता के हवाले से कहा, आरएसएस और भाजपा अलग नहीं हैं। दोनों का लक्ष्य एक ही है। हाल की टिप्पणियां यह संदेश कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए हैं। एक संघ नेता ने भी कहा, परिवार में मतभेद होते हैं। सत्ता का स्वभाव कभी-कभी नेताओं को असंवेदनशील बना देता है। ऐसे समय हम उन्हें याद दिलाते हैं कि व्यक्ति सुई है और विचारधारा धागा।

इसकी शुरुआत 2024 में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान से होती है जब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि भाजपा को अब आरएसएस पर पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के इस बयान ने आरएसएस के कान खड़े कर दिए। इसके बाद से दोनों संगठनों के बीच रिश्ते थोड़े से असहज हुए। चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के पीछे आरएसएस की अनिच्छा भी एक कारण है। मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि सच्चा सेवक अहंकार रहित होता है। उनका यह बयान भाजपा के लिए एक संदेश की तरह था। हालांकि बाद में रिश्ते को पटरी पर लाने की कोशिश की गई है। इसके बाद महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की। सियासी पंडितों ने इसे आरएसएस की प्रबंधन नीति का नतीजा बताया। संघ प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने किसी भी तनाव से इनकार करते हुए कहा कि यह परिवार का मामला है।

नई पीढ़ी को फिल्म द बंगाल फाइल्स देखनी चाहिए : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

बेगूसराय (एजेंसी)। (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में द बंगाल फाइल्स फिल्म देखने के बाद कहा कि यह फिल्म आजादी के बाद की पीढ़ी के लिए एक जरूरी दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में भारत के बंटवारे का सच दर्शाया गया है, जिसे नई पीढ़ी को जरूर देखना चाहिए। गिरिराज सिंह ने जोर देकर कहा कि यह फिल्म न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को उजागर करती है, बल्कि वर्तमान बंगाल के हालात को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जो आजादी के बाद की पीढ़ी है, जिसने बंटवारे को नहीं देखा, उनके लिए द बंगाल फाइल्स बंटवारे का सच दिखाती है। यह फिल्म हर किसी को, खासकर युवा वर्ग को देखनी चाहिए। इसमें गांधी जी की भूमिका को भी अपने-अपने नजरिए से देखा जा सकता है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फिल्म देखने के बाद ऐसा लगता है कि बंगाल में मौजूदा हालात को देखते हुए लोगों की जरूरत फिर से महसूस हो रही है, जो समाज को बचाने के लिए खड़े हुए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस फिल्म से कोई भी मुंह नहीं छिपा सकता, क्योंकि यह आधी आजादी के सच को सामने लाती है। विपक्ष द्वारा द बंगाल फाइल्स पर सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर गिरिराज सिंह ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, क्या इतिहास के पन्नों को झुठलाया जा सकता है? क्या सोहराबुद्दीन और पुलिस की घटनाएं इतिहास में दर्ज नहीं हैं? इस फिल्म में एक संदेश भी है कि अगर तुम बांटोगे, तो काटे जाओगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वहीं, मौलवियों द्वारा राजनीतिक फतवे जारी करने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर मस्जिदों से मौलवी राजनीतिक फतवे जारी करेंगे तो हम मंदिरों से अपनी हुंकार भरेंगे। हुंकार का मतलब हुंकार होता है।

मोदी का मणिपुर दौरा जमीनी हकीकत से ज्यादा प्रधानमंत्री की 'छवि' पर केंद्रित: गौरव गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर का दौरा करने में ÷दो साल की देरी÷ के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा राज्य की जमीनी हकीकत के बजाय उनकी छवि पर अधिक केंद्रित है।

गोगोई ने कहा कि मई 2023 में जब मणिपुर में जातीय हिंसा भड़की थी, तब मोदी का दौरा राज्य में शांति बहाली की दिशा में पहला कदम होना चाहिए था। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। विपक्षी दल राज्य का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री की लगातार आलोचना कर रहे थे।

गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का दो साल पहले मणिपुर का दौरा करना राज्य में शांति बहाली और स्थिति सुधारने के सफर में पहला कदम होना चाहिए था।'

उन्होंने लिखा, 'अब दो साल की देरी के बाद, उनकी यात्रा मुख्य रूप से पूर्वोत्तर की भावनाओं का सम्मान करने के लिए होनी चाहिए। लेकिन, रुख बिल्कुल असंवेदनशील है और यात्रा जमीनी हकीकत के बजाय प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित है।'

मोदी ने कुकी-जो बहुल चूड़ाचांदपुर और मेइती समुदाय का गढ़ कहलाने वाले इंफाल की अपनी यात्रा के दौरान दोनों जगहों पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों शहरों में जनसभाओं को भी संबोधित किया और राज्य के लिए 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की।

राजनीतिक ज़मीन खोने के बाद से कुछ भी बोलने लगी हैं महबूबा मुफ्ती, ताजा बयानबाज़ी से बढ़ सकता है विवाद

श्रीनगर(एजेंसी)। महबूबा मुफ्ती एक बार फिर कश्मीर के सवाल पर ऐसी बयानबाज़ी कर रही हैं, जिससे शांति और स्थिरता की कोशिशों को ठेस पहुँच सकती है। उन्होंने डोडा के विधायक मेहराज मलिक की PSA (जन सुरक्षा अधिनियम) के तहत हुई गिरफ्तारी को 'लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला' बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका यह कहना कि 'लोकतंत्र में ऐसे मामलों का समाधान केवल सदन में बहस और प्रस्ताव से होना चाहिए' न केवल आधा सच है बल्कि वास्तविकताओं से भी परे है।

हम आपको बता दें कि जन सुरक्षा अधिनियम (PSA) का उपयोग केवल तभी किया जाता है जब व्यक्ति की गतिविधियाँ कानून-व्यवस्था या शांति-व्यवस्था के लिए ख़तरा मानी जाती हैं। यदि एक निर्वाचित प्रतिनिधि भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई करना पूरी तरह वैधानिक और आवश्यक है। लोकतंत्र का अर्थ अराजकता की छूट नहीं होता, बल्कि कानून के दायरे में रहकर जनता की सेवा करना होता है।

महबूबा मुफ्ती यह भलीभाँति जानती हैं कि कश्मीर में हिंसक राजनीति और अलगाववादी गतिविधियों को हवा देने वाले तत्वों पर समय-समय पर कड़ा रुख अपनाना पड़ा है। जब वह खुद सत्ता में थीं, तब भी PSA के तहत गिरफ्तारियाँ हुई थीं। आज उसी प्रक्रिया को 'लोकतंत्र पर हमला' बताना उनकी राजनीतिक अवसरवादिता को उजागर करता है।

उनका यह कहना कि 'कश्मीरी क़ैदियों को जेलों में कष्ट झेलना पड़ रहा है' एक भावनात्मक अपील तो है, लेकिन इसमें यह स्वीकारोक्ति नहीं है कि इन क़ैदियों का बड़ा हिस्सा आतंकी नेटवर्क से जुड़ा रहा है या हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा है। इन्हें 'निर्दोष पीड़ित' बताना न केवल ग़लतबयानी है बल्कि जनता को गुमराह करने की कोशिश भी है।

देखा जाये तो कश्मीर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है। पर्यटन, निवेश और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लेकिन महबूबा मुफ्ती जैसे नेताओं के ऐसे बयान युवाओं में भ्रम और असंतोष फैलाकर माहौल को अस्थिर कर सकते हैं। यह कहना कि अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन करने वाले अब 'उसका दर्द' झेल रहे हैं, वस्तुतः केंद्र सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा करने और लोगों के मन में असुरक्षा पैदा करने की कोशिश है।

देखा जाये तो महबूबा मुफ्ती का बयान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा से अधिक राजनीतिक ज़मीन तलाशने का प्रयास प्रतीत होता है। सच्चाई यह है कि लोकतंत्र तभी मज़बूत होता है जब कानून का शासन सर्वोपरि हो। यदि कोई भी व्यक्ति—चाहे वह आम नागरिक हो या विधायक, कानून तोड़ेगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई अनिवार्य है। कश्मीर को आगे बढ़ाने के लिए ज़रूरी है कि स्थानीय नेता जिम्मेदारी से बोलें और ऐसे वक्तव्यों से बचें जो शांति-प्रक्रिया को बाधित कर सकते हैं। महबूबा मुफ्ती को समझना होगा कि कश्मीर अब भय और भ्रम की राजनीति से आगे बढ़ चुका है। ऐसे बयान न केवल ग़लतबयानी हैं बल्कि युवाओं को भटकाने वाले भी साबित हो सकते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री का संदेश : पड़ोसी देशों से सीखो, सामाजिक समरसता ही देश को बचाएगी

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और कहा कि देश को बचाना है और अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता का होना ज़रूरी है। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए वे 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करेंगे। अपनी पदयात्रा पर मीडिया से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम सामाजिक समरसता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने आज भगवान विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना की। देश को बचाना होगा। अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता जरूरी है। वैमनस्य दूर करना बहुत जरूरी है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना बहुत जरूरी है। भारत एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है। लोगों के विचारों और दिलों में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना जरूरी है। यहां से हम गया जी जाएंगे। इससे पहले, शुक्रवार को, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना और अनुष्ठान किए। बाद में, उन्होंने अपने आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम के तहत अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखी। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद X पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत किया है।

उद्धव के विरोध के बाद नितेश राणे का पलटवार, आदित्य ठाकरे बुर्का पहनकर देखेंगे भारत-पाक मैच

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एशिया कप 2025 में आगामी भारत बनाम पाकिस्तान मैच का विरोध करने के लिए शनिवार को आदित्य ठाकरे की आलोचना की और कहा कि वह %बुर्का% पहनकर मैच देखेंगे। राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आदित्य ठाकरे भारत-पाकिस्तान मैच बुर्का पहनकर छुपकर देखेंगे। ठाकरे का मज़ाक उड़ाते हुए राणे ने यह भी कहा कि उनकी आवाज़ उनकी पहचान छिपाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अगर वह बुर्का पहनकर उस आवाज़ में बात करें, तो कौन जानेगा कि वह आदित्य ठाकरे हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि क्या सामना या उद्धव ठाकरे को भारत-पाकिस्तान मैच पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार है? उद्धव ठाकरे के एक सांसद की रैली के दौरान %पाकिस्तान ज़िंदाबाद% के नारे लगे, हरे झंडे लहराए गए, हरा गुलाल उड़ाया गया और %सर तन से जुदा% जैसे नारे लगाए गए। तो फिर उन्होंने तब पाकिस्तान के प्रति गुस्सा क्यों नहीं जताया? इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को आगामी एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भारत की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार राजनीति और व्यापार को देशभक्ति के साथ मिला रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बह सकते हैं? युद्ध और क्रिकेट एक साथ कैसे हो सकते हैं?... उन्होंने देशभक्ति का धंधा किया है। देशभक्ति का धंधा सिर्फ़ पैसे के लिए है। वे कल भी मैच खेलने जा रहे हैं क्योंकि उन्हें उस मैच से मिलने वाला सारा पैसा चाहिए। उद्धव ठाकरे ने आगे घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने कहा कि कल, शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की सड़कों पर उतरेंगी और वे हर घर से प्रधानमंत्री मोदी को सिंदूर भेजेंगी। इस बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना देशों के लिए एक बाध्यकारी बात है, लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है और जब तक देश पर आतंकवादी हमले बंद नहीं हो जाते, तब तक वह इनसे बचता रहेगा। यह बात दोनों देशों के बीच आगामी एशिया कप 2025 मैच से पहले कही गई है।

नक्सलियों की मौत से डरी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने किया सरेंडर

–एक करोड़ का था इनाम, दक्षिण बस्तर में कई सालों से थी सक्रिय

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और एंटी नक्सल ऑपरेशन को देखते हुए एक करोड़ की इनामी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने सरेंडर कर दिया है। सुजाता के सरेंडर से बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे मुहिम के बीच माओवादियों संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है। सुजाता दक्षिण बस्तर में कई सालों से सक्रिय थी और नक्सलियों के दक्षिण सब जोन ब्यूरो इंचार्ज रह चुकी है। सुजाता पर एक करोड़ का इनाम घोषित किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुजाता ने तेलंगाना में सरेंडर किया है। उसके सरेंडर से माओवादी संगठन को झटका लगा है। खास बात यह है कि सुजाता कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी है, जो कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल में मुठभेड़ में मारा गया था। सरेंडर करने वाली सुजाता खुद सीसी मेंबर है और कई राज्यों में उस पर लाखों का इनाम घोषित कर रखा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुजाता लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में सक्रिय रहकर बड़े हमलों की साजिश रचने में शामिल रही है। सुजाता के सरेंडर को छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस बार बारिश में भी ऑपरेशन चलाया जा रहा है और एनकाउंटर में शीर्ष माओवादी मारे जा रहे हैं।

बता दें छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठनों को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। दो दिन पहले छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस एनकाउंटर में 10 नक्सली मारे गए थे, जिसमें एक करोड़ का इनामी नक्सली सीसी मेंबर मनोज उर्फ बालकृष्ण भी शामिल था। गरियाबंद में मारे गए सभी 10 नक्सलियों पर 2.40 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। वहीं एक दिन पहले बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया था। नक्सलियों की पहचान हिड़मा पोड़ियाम और मुन्ना मड़कम के रूप में हुई थी। दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। मुठभेड़ स्थल से एक 303 रायफल, एक नग 12 बोर बंदूक समेत विस्फोटक सामान बरामद किया गया है।

जन्म प्रमाण पत्र से नहीं बनेगा बच्चों का आधार कार्ड, अब माता-पिता का दस्तावेज हुआ अनिवार्य

पटना (एजेंसी)। हर भारतीय नागरिक की पहचान का अहम दस्तावेज आधार कार्ड बन चुका है। चाहे बैंक खाता खुलवाना हो या स्कूल में बच्चों का दाखिला करवाना हो या फिर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना हो, सब जगह आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। लेकिन अब बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही पर्याप्त माना जाता था। लेकिन अब भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नियमों में संशोधन किया है। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र पर्याप्त नहीं होगा। अब इसके साथ माता-पिता के पहचान और पते से जुड़े दस्तावेज भी अनिवार्य होंगे। यानी बच्चे का आधार उसके माता या पिता के आधार और पहचान पत्र से लिंक होकर ही बनेगा। इस नियम के तहत बच्चे की उम्र, पहचान और पते की पुष्टि के लिए माता-पिता के दस्तावेज जांचे जाएंगे। इससे आधार प्रक्रिया और भी मजबूत और पारदर्शी बनेगी। साथ ही इससे यह सुनिश्चित होगा कि बच्चे की पहचान सही है और उसका रिकॉर्ड सरकारी डाटाबेस में सुरक्षित है।

* माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज होंगे जरूरी

बच्चे का आधार बनवाने के लिए माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज जरूरी होंगे। माता या पिता का आधार कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट या पैन कार्ड, घर का बिजली बिल, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि। इसके अलावा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जिसमें बच्चे का नाम और जन्म तिथि साफ-साफ अंकित हो। इसके साथ ही 5 साल से कम उम्र के बच्चों का आधार ÷ब्लू आधार÷ के नाम से जाना जाता है। इसमें बच्चे की बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाती, बल्कि फोटो और माता-पिता से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर कार्ड जारी होता है। जैसे ही बच्चा 5 साल का होता है, उसकी बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन) अपडेट करानी होती है। यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार, बच्चे का आधार 15 साल की उम्र में दोबारा अपडेट कराना अनिवार्य है। इस दौरान बच्चे की पूरी बायोमेट्रिक जानकारी दोबारा ली जाती है ताकि उसके रिकॉर्ड भविष्य में भी सही और प्रमाणिक बने रहें।

काठमांडो हिंसा से दिल्लीवालों के अरमान ठंडे

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। हिमालय की गोद में बसे काठमांडू के मंदिरों और ट्रैकिंग रूट की चमक वहां चल रही अशांति के चलते फीकी पड़ गई है। विशेष रूप से पर्यटन व व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। इस सबके बीच सितंबर की छुट्टियों में काठमांडू जाने की योजना बना रहे दिल्लीवासियों के लिए यह आंदोलन किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा है। इसके चलते दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा ठप हो गई है। वहीं, हवाई उड़ानें रद्द हैं। बुकिंग शून्य और सभी प्री-बुकिंग्स रद्द होने से पर्यटन उद्योग संकट में है। दिल्ली से नेपाल जाने वाले पर्यटकों ने यात्रा पूरी तरह बंद कर दी गई है। ट्रैवल एजेंट्स ने बताया कि नई बुकिंग शून्य हो चुकी है और जिन्होंने प्री बुकिंग करवाई थी उन सभी ने स्थिति को देखते हुए इसे रद्द कर दिया है। हालांकि, लोगों का नेपाल से दिल्ली आना लगा हुआ है। यह संकट पर्यटकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कारोबारी भी ग्रस्त है।

दिल्ली के कई कारोबारियों का करोड़ों का सामान नेपाल के रस्ते में फंसा हुआ है, कुछ सामान नेपाल पहुंच गया है, जिसमें उनका पैसा लगा हुआ है और कुछ ऑर्डर यहां तैयार पड़े है। हालांकि, नेपाल के बिगड़ते हालात को देखते हुए व्यापारियों को काफी नुकसान पहुंचा है। सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि सदर बाजार सहित पुरानी दिल्ली से नेपाल में काफी मात्रा में सामान जाता है। उन्होंने बताया कि यह बाजार नेपाल सहित अन्य देशों में भी अपने उत्पादों का निर्यात करता है। उन्होंने बताया कि सदर बाजार में गृहस्थी की विभिन्न वस्तुओं की थोक बिक्री होती है। ऐसे में यहां से बर्तन, क्रॉकरी, आकर्षक ज्वैलरी, खिलौने, स्टेशनरी, टेलरिंग मैटेरियल, गारमेंट्स, क्रोकरी, शूज, चप्पल और अन्य उपहार की वस्तुएं काफी तादाद में नेपाल भेजी जाती हैं। दिल्ली से काठमांडू के लिए यातायात के साधन सीमित हो चुके हैं। नेपाल जाने के लिए फ्लाइट और बस दो मुख्य साधन है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक एयर इंडिया, इंडिगो और अन्य एयरलाइंस की डायरेक्ट फ्लाइट्स चलती हैं, जो 1.5 घंटे में पहुंचा देती हैं। लेकिन आंदोलन से एयरपोर्ट बंद होने के कारण सभी फ्लाइट्स कैंसिल हैं। केवल इमरजेंसी इवैक्यूएशन फ्लाइट्स चालू हैं, जो फंसे भारतीयों को निकाल रही हैं। दूसरी ओर, सड़क मार्ग से दिल्ली से काठमांडू की दूरी करीब 1,100 किमी है, जो 25-28 घंटे में तय होती है। कश्मीरी गेट से रोज 20 बसें (ज्यादातर वॉल्वो एसी स्लीपर) चलती थी, जिसका किराया 2,800-3,100 रुपये होता था। लेकिन अब दिल्ली पंजीकरण वाली बसें पूरी तरह बंद हैं। नेपाली बसें आधी क्षमता से चल रही हैं। इनकी भी बुकिंग महज 20 फीसदी रह गई है। नेपाल टूरिज्म बोर्ड (एनटीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2024 में भारत से 22,984 पर्यटक नेपाल पहुंचे थे, जो कुल आगमन (96,305) का एक बड़ा हिस्सा था। लेकिन 2025 में आंदोलन की वजह से सितंबर के पहले 12 दिनों में ही भारतीय आगमन लगभग शून्य हो चुका है। एयरपोर्ट बंद होने और एडवाइजरी से नई यात्राएं रुक गई हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पूरे महीने में 80-90 फीसदी की गिरावट आएगी। 2024 में ही कुल भारतीय आगमन 3,17,772 रहा, जो मानसून की तबाही और सड़क हादसों की वजह से 2023 के 3,19,936 से 0.68 फीसदी कम था। लेकिन 2025 का यह संकट पर्यटन उद्योग को साल भर पीछे धकेल सकता है, क्योंकि नेपाल का 25 फीसदी पर्यटन भारत पर निर्भर है। ट्रैवल एजेंट संजय सम्राट ने बताया कि नेपाल का हाल देखकर पर्यटक डर रहे हैं। उन्होंने सभी बुकिंग रद्द कर दी है। उन्होंने बताया कि सर्दी शुरू ही होने वाली है, खूब पर्यटक इस दौरान घूमने जाते है लेकिन हालात ऐसे है कि सीजन खराब हो गया, हालांकि सुरक्षा पहले है। उन्होंने यह भी बताया कि गिरावट 100 फीसदी से ज्यादा लग रही है, ऐसे में कोई जोखिम नहीं लेंगे। वहीं, एक अन्य ट्रैवल एजेंट ने बताया कि दिल्ली से दो ग्रुप कैंसल हुए, इनमें 15 लोग थे। उन्होंने बताया कि 2024 में 23 हजार भारतीय सितंबर में गए थे, लेकिन इस साल यह संख्या शून्य पर अटकी है। उन्होंने बताया कि पर्यटक अब गोवा या श्रीलंका चुन रहे हैं।

बदमाशों ने दुकान पर बोला धावा, चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दुकानदार व उसके साथी को किया घायल

नई दिल्ली। बाहरी जिला के मंगोलपुरी इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने लूटपाट का विरोध करने पर एक दुकानदार सचिन कुमार के सिर में चाकू से हमला कर दिया। बचाव में आए दुकानदार के साथी अरुण कुमार के पैर पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। दोनों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों ने एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस हमलावर से पूछताछ कर अन्य बदमाशों की पहचान कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को मार्केट में चाकूबाजी होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दुकानदार सचिन कुमार और उनके दोस्त अरुण को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, एक बदमाश को मौके से हिरासत में लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने हमले के दौरान पकड़ा था। दुकानदार ने बताया कि आधा दर्जन के करीब बदमाश उनकी दुकान पर आकर लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उनके सिर पर चाकू मार दिया। अरुण ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उसके पैर में ताबड़तोड़ चाकू मार दिए। सभी बदमाशों के हाथ में चाकू था। पुलिस भागे हुए बदमाशों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

50 मामलों में शामिल घोषित बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। मंडावली थाना पुलिस ने 50 आपराधिक मामलों में शामिल एक घोषित बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। बदमाश की पहचान शकरपुर निवासी पंकज सिंह के रूप में हुई है। वह शकरपुर थाने का घोषित बदमाश है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 10 सितंबर को पुलिस खेल गांव में रात को गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस को बाइक पर सवार एक संदिग्ध दिखाई दिया।

एमसीडी की सबसे प्रभावशाली स्थायी समिति को किया जा रहा नजरअंदाज

नई दिल्ली। एमसीडी की सबसे अधिक अधिकार संपन्न और प्रभावशाली मानी जाने वाली स्थायी समिति को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एमसीडी की निर्णय प्रक्रिया में स्थायी समिति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वित्तीय और बड़े नीतिगत प्रस्ताव पहले समिति में पेश होते हैं और वहां से स्वीकृत होने के बाद ही सदन तक पहुंचते हैं। इसके बावजूद अधिकारियों ने कई अहम फैसले सीधे महापौर से स्वीकृत करवा लिए या फिर उन्हें सीधे सदन में रख दिया। इस तरह न केवल समिति की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि एमसीडी की कार्यप्रणाली कठघरे में है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान जब स्थायी समिति का गठन नहीं हुआ था, तब अधिकारी योजनाओं के अटकने और कामकाज में रुकावट का ठीकरा इसी पर फोड़ते थे। अब जबकि समिति का गठन हो चुका है, उसका महत्व लगातार घटाया जा रहा है। स्थायी समिति की उपेक्षा का सबसे ताजा उदाहरण दो दिन पहले एक बार फिर देखने को मिला। अधिकारियों ने भलस्वा,

गाजीपुर और ओखला लैंडफिल साइट से कचरा हटाने के तीसरे चरण की योजना के टेंडर करने की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में समिति अध्यक्ष को नजरअंदाज कर सीधे महापौर से स्वीकृति ले ली। यह मामला अधिकारियों को काफी भारी पड़ गया, क्योंकि इस मामले को लेकर एमसीडी में हंगामा मचा हुआ है। इससे पहले अधिकारियों ने संपत्ति कर 10 प्रतिशत छूट योजना 31 जुलाई से एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक करने के मामले में भी स्थाई समिति की उपेक्षा की थी। उन्होंने जुलाई के अंत में इस बारे में प्रस्ताव भी समिति अध्यक्ष की बजाय सीधे महापौर से मंजूर करवा लिया था। यह वित्तीय अधिकारों का मामला था जिसे समिति अध्यक्ष के सामने लाना चाहिए था। 12 जून को गठित स्थायी समिति की अब तक तीन बैठकें (27 जून, 16 जुलाई और 20 अगस्त) हुई हैं, लेकिन कई बड़े प्रस्तावों को समिति की बैठक में प्रस्तुत किए बिना सीधे सदन में पेश कर दिए। सदन की बैठक में 10 जुलाई को दो अहम प्रस्ताव रखे गए, जो फैक्टरी लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने और मनोनीत पार्षदों को विकास निधि देने संबंधी थे। यह प्रस्ताव पूर्णत- नीतिगत और वित्तीय अधिकारों से संबंधित है। लिहाजा दोनों ही प्रस्ताव समिति से होकर गुजरने चाहिए थे। वहीं 21 अगस्त की सदन बैठक में भी यही पैटर्न दोहराया गया। बैठक के एजेंडे में आठ मैकेनिक स्वीपिंग मशीनों की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव शामिल था और पुराने वाहनों की नीलामी से जुड़ा प्रस्ताव पटल पर रखा गया। बताया कि आठ मैकेनिक स्वीपिंग मशीनों से जुड़ा प्रस्ताव समिति के एजेंडे में शामिल होना चाहिए था। वहीं 19 अगस्त को निगम सचिव कार्यालय पहुंचा पुराने वाहनों की नीलामी वाला प्रस्ताव भी अगले ही दिन यानी 20 अगस्त को हुई स्थायी समिति की बैठक में पटल पर रखा जाना चाहिए था। विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा खेमे के कुछ पार्षद भी यह सवाल उठा रहे हैं कि जब समिति गठित हो चुकी है तो उसके अधिकारों का सम्मान क्यों नहीं किया जा रहा। समिति के अस्तित्व को हाशिए पर डालने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

संपत्ति के अधिकारों में गृहणियों की भूमिका को मिले मान्यता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने परिवार में गृहणियों (होममेकर) की भूमिका को पहचान देने की बात कही है। अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि गृहिणियों की भूमिका को, जो अक्सर छिपी और कम आंकी जाती है, संपत्ति के स्वामित्व अधिकारों के संदर्भ में मान्यता दी जाए। कोर्ट ने इस बात पर अफसोस जताया कि वर्तमान में ऐसा कोई वैधानिक तंत्र नहीं है जो गृहिणियों के योगदान को मान्यता दे या उनके मूल्य को निर्धारित करे। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने 11 सितंबर को एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में महिला ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी संपत्ति में 50 प्रतिशत स्वामित्व की मांग को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि्केवल वैवाहिक घर में पत्नी के रहने से उसे पति के नाम पर दर्ज संपत्तियों पर स्वामित्व का अखंडनीय अधिकार नहीं मिल जाता। खंडपीठ ने कहा, वैवाहिक संबंध केवल एक सामाजिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि एक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त साझेदारी है, जो विवाह के सार और फल को समेटे हुए है। यह दोनों पति-पत्नी के सामान्य प्रयासों पर आधारित एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें वित्तीय, भावनात्मक या घरेलू योगदान परिवार की स्थिरता और कल्याण के लिए अभिन्न हैं। महिला ने तर्क दिया था कि एक गृहिणी के रूप में उनकी भूमिका ने उनके पति को नौकरी करने और परिवार की संपत्तियों के अधिग्रहण में योगदान देने में सक्षम बनाया। इसलिए, विवाह के दौरान हासिल की गई किसी भी संपत्ति को, चाहे वह पति या पत्नी के नाम पर हो, उनके संयुक्त प्रयासों का परिणाम माना जाना चाहिए।

29वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन की शुरूआत 13 सितम्बर से दिल्ली में

नई दिल्ली। 29वां विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन 13 सितम्बर, 2025 से कृपाल बाग, दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है, जोकि अध्यात्म, शांति और ध्यान-अभ्यास जैसे महान आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति समर्पित है।

विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु और सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस 8 दिवसीय आध्यात्मिक सम्मेलन में विभिन्न धर्मों के अध्यक्ष और विश्वभर के अनेक देशों से आए प्रतिनिधि एक ही मंच पर बैठकर शांति, मानव एकता और करूणा जैसे आध्यात्म्कि विशयों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा इस सम्मेलन में कई सेमिनार, प्रतिदिन ध्यान-अभ्यास की कार्यशालाएं और मानव-कल्याण गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी। यह सम्मेलन 13 से 18 सितम्बर, 2025 को कृपाल बा ? में तथा 19 और 20 सितम्बर, 2025 को संत दर्शन सिंह जी धाम बुरा ?ी, दिल्ली में किया जाएगा।

प्रत्येक वर्श आयोजित होने वाले इस विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन में भारत और विश्वभर के अनेक देशों से हजारों की संख्या में भाई-बहन भाग लेते हैं, जोकि मनुश्य जीवन के सर्वोच्च उद्देश्य ध्यान-अभ्यास के द्वारा प्रभु-प्राप्ति को समझने और उसे पूरा करने के लिए एकत्रित होते हैं।

13 सितम्बर को कृपाल बाग में सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के पावन संदेश से होगी, जिसके उपरांत एक रूहानी मुशायरा आयोजित किया जाएगा। 14 सितम्बर को संत दर्शन सिंह जी महाराज के 104वें प्रकाश दिवस के अवसर पर 'दर्शन- करूणा और प्रेम के सागर' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दुनिया को रूहानी शायरी का अमूल्य खाना देने वाले महान सू ?ी-संत शायर संत दर्शन सिंह जी महाराज को याद किया जाएगा।

मानव-कल्याण के कार्यों को इस सम्मेलन में प्राथमिकता दी जाएगी। 14 सितंबर को 41वां नि:शुल्क नेत्र जाँच और मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर कृपाल बाग में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अमेरिका से आए डॉक्टर्स नौएडा स्थित आई.केयर हॉस्पिटल के डाक्टर्स के साथ मिलकर हजारों लोगों का नि:शुल्क ऑपरेशन करके उनकी दृश्टि को वापिस लाने में मदद करेंगे। 13 सितम्बर को 65वां रक्तदान शिविर भी कृपाल बाग में आयोजित किया जाएगा।

20 सितंबर को संत दर्शन सिंह जी धाम, बुरा ?ी में आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज हजारों की संख्या में एकत्रित भाई-बहनों को ध्यान-अभ्यास की परिवर्तनकारी शक्ति विशय पर अपना आध्यात्मिक प्रवचन देंगे। यह केवल एक संयोग ही है कि 20 सितंबर को संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का जन्मोत्सव है और यह दिन पूरे विश्वभर में 'अंतर्राष्टीय ध्यान-अभ्यास दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

इस सम्मेलन में विश्व के अनेक देशों जिनमें अमेरिका, स्विट् ?रलैंड और कनाडा आदि के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें वे आंतरिक शांति और मानव एकता को प्राप्त करने के लिए अपने विचार रखेंगे।

डॉक्टर से 6.69 लाख रुपये की ठगी करने वाला जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिले की साइबर थाना पुलिस ने अपोलो अस्पताल के डॉक्टर के साथ ठगी करने वाले साइबर जालसाज जलालुद्दीन उर्फ़ जल्लू (33) को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर ठगी के पैसों से खरीदी गई एक कार, 3 मोबाइल फ़ोन और क्रेडिट कार्ड सेटलमेंट से जुड़ी एक सावधि जमा में जमा 70,000 रुपये ज़ब्त किए गए हैं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अपोलो अस्पताल के एक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ से 30 अगस्त को एक शिकायत मिली थी कि एक व्यक्ति ने खुद को सेना छावनी का अधिकारी बताते हुए उनसे संपर्क किया। उसने 25 सैन्य कर्मियों के लिए 1,500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से चिकित्सा परामर्श का अनुरोध किया। इस पर शिकायतकर्ता ने चार लेन-देन में कुल 6,69,109 रुपये उसे ट्रांसफर कर दिए। उन्होंने 70,525 रुपये अपनी पत्नी के खाते से और 5,98,584 रुपये अपने खाते से भेजे थे। बाद में उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ। साइबर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर हंसा राम व एसआई उदय सिंह टीम को पता चला कि 6,00,000 रुपये का इस्तेमाल कार के लिए ऋण चुकाने के लिए किया गया है और 70,000 रुपये क्रेडिट कार्ड सेटलमेंट के लिए डायवर्ट किए गए थे। टीम ने डिजिटल फुटप्रिंट्स और कॉल रिकॉर्ड के तकनीकी विश्लेषण से आरोपी को खैरथल अलवर, राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पहले से सात मामले दर्ज हैं।

हत्या के मामले में नौ साल से फरार आरोपी दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हत्या के मामले में 9 साल से फरार एक भगोड़े बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान शमशाद आलम (52) के रूप में हुई है। 14 सितंबर 2016 को आरोपी ने गोविंदपुरी इलाके में एक युवक की पीटकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद से वह फरार था। कई बार इसके खिलाफ समन भी जारी किए गए, लेकिन आरोपी कभी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। बाद में अदालत ने इसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि 14 सितंबर 2016 को तुगलकाबाद इलाके के जंगल में खून से लथपथ एक युवक की लाश मिली थी। मृतक की शिनाख्त कुशल उर्फ दीपक (23) के रूप में हुई। उसके सिर व शरीर के बाकी हिस्सों पर पत्थर से वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया था। छानबीन के बाद पता चला कि वारदात में शमशाद का हाथ है। अपराध शाखा की टीम ने उसकी पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान मंगलवार को टीम ने आरोपी को तुगलकाबाद से दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने कुशल की हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि रंजिश की वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया था।

बीएसएफ अधिकारी को 10 लाख मुआवजा देने के आदेश

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने फर्जी पॉश एक्ट के मामले में पीड़ित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। जिला न्यायाधीश गुंजन गुप्ता ने कहा कि एक सहयोगी की ओर से उन पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के झूठे आरोपों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और मानसिक उत्पीड़न हुआ। उनका तीन दशक से अधिक का सेवा रिकॉर्ड बेदाग रहा है। अदालत ने इस सिविल मुकदमे का फैसला आंशिक रूप से अधिकारी के पक्ष में सुनाया। अधिकारी ने 2016 में उनके खिलाफ कई यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज होने के बाद मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधीश ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न एक गंभीर अपराध है, लेकिन झूठे आरोप भी उतने ही गंभीर हैं, क्योंकि वे किसी व्यक्ति के सम्मान के साथ जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि जब ऐसी शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो वे समाज और कार्यस्थल में तेजी से फैलती हैं, जिससे एक आरोपी अधिकारी को कलंक के साथ जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं, बीएसएफ की ओर से की गई एक जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि आरोप प्रथम दृष्टया झूठे और तुच्छ थे।

सार्वजनिक जगहों पर जुआ खेलने वाले 11 धरे

नई दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर जुआ खेलने वाले 11 सट्टेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राज पार्क और सुल्तानपुरी इलाके के अलग-अलग जगहों से आरोपियों को पकड़ा है। इनके कब्जे से नकद और जुए खेलने में इस्तेमाल सामान बरामद हुए हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंगोलपुरी निवासी दीपक, हर्ष, पवन, रामा विहार निवासी मनोज, अमन विहार निवासी तस्लीम, नसीम, सुल्तानपुरी निवासी राजपाल, दीपक, अरुण, सुनील और प्रवीण के रूप में हुई है।

12 वर्षीय बालक की हत्या कर फंदे से लटकाया शव

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में 12 वर्षीय किशन की मौत के मामले में शनिवार को परिजनों ने चौकी का घेराव करके हंगामा किया। बच्चे की गला दबाकर हत्या की गई थी, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई है। मामले में पांच दिन बाद भी पुलिस ने मुकदमा तक दर्ज करना उचित नहीं समझा। घटना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के सरवन गांव की है। बीते सोमवार की सुबह गांव में सहजराम के घर के अंदर उनके बेटे किशन का शव बल्ली के सहारे रस्सी से लटकता मिला था। सहजराम ने कहा कि बेटे की हत्या की गई है। वह रामरति इंटर कॉलेज में कक्षा 7 में प ?ता था। उसकी मां की पहले ही मौत हो चुकी है। बेटी आशा की शादी हो चुकी है। पत्नी की मौत के बाद सहजराम ने नीतू से दूसरी शादी कर ली थी। उसको पहले से एक बेटी है। इसके बाद नीतू को कोई औलाद नहीं हुई। 27 अगस्त को नीतू अपनी बेटी के यहां चली गई थी। पिता सहजराम पड़ोसी गांव महमूदपुर में एक गौशाला का रखरखाव करता था। किशन भी यहीं पिता के साथ रहता था। सोमवार की सुबह किशन स्कूल जाने के लिए निकला था। उसने पिता से कहा कि घर पर मट्ठा रखा है, चावल खाकर मैं स्कूल चला जाऊंगा। यह कहकर वह 6 बजे निकला। 8:30 बजे सहजराम घर पहुंचा तो किशन रस्सी के सहारे बांस में लटका मिला। नीचे चारपाई पर ईंट रखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। मंगलवार को बहन, सौतेली बहन व सौतेली मां के आने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद पुलिस ने सहजराम, नीतू, उसकी बेटी पारो और उसके पति व बहन आशा से एक-एक करके पूछताछ की। सहजराम ने प ?ौसियों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने उनसे भी पूछताछ करके जानकारी ली। लेकिन,नतीजा सिफर रहा। उधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। किशन के गले पर एज मिला है। ऐसे में कहा जा रहा है कि उसे मारकर लटकाया गया है। पांच दिन बाद भी कार्रवाई न होने से आक्रोशित घरवालों ने शनिवार को द्वारिकागंज चौकी का घेराव करके प्रदर्शन किया। बहन आशा देवी ने कहा कि हमको इंसाफ चाहिए। पुलिस पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया। थाना प्रभारी राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि जांच चल रही है। साक्ष्य के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वारदात में इस्तेमाल वाहन के साथ झपटमार पकड़े

पूर्वी दिल्ली। न्यू अशोक नगर थाना पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल वाहन के साथ दो झपटमारों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक बाइक और लूट के दो मोबाइल फोन बरामद किए है। बदमाशों की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी विकास उर्फ पाव और गुलशन के रूप में हुई है। उन पर पहले से ही 39 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया के मुताबिक, 7 सितंबर को मोबाइल लूट की शिकायत मिली थी।

तालाबों पर अतिक्रमण, यूपी सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गाजियाबाद में तालाबों और जलाशयों पर हो रहे अतिक्रमण के मामले में सख्त रुख अपनाया है। ऐसे में अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन को नोटिस जारी किया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य ईश्वर सिंह ने सभी प्रतिवादियों को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, अधिकारियों को बिना वकील के जवाब देने पर वर्चुअल सुनवाई में उपस्थित होने को कहा गया। अगली सुनवाई 7 अक्तूबर को होगी। याचिकाकर्ता सुशील राघव ने शिकायत की थी कि एनजीटी के 17 मार्च, 2021 के आदेश का पालन नहीं हुआ, जिसमें मुख्य सचिव और जिला प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, नियमित बैठकें करने और प्रगति की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा गया था। राघव का कहना है कि प्रशासन ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। ऐसे में गाजियाबाद के जिलाधिकारी के अनुसार, जिले के 1075 तालाबों में से 231 पर अभी भी अवैध कब्जा है।

अयोध्या में पहले से भी दिव्य होगा इस बार का दीपोत्सव

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में इस बार का दीपोत्सव कई मायने पर पहले से भव्य व दिव्य होगा। 19 अक्तूबर को होने वाले दीपोत्सव में पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदूषणमुक्त ग्रीन आतिशबाजी शो आयोजित किया जाएगा। 14 वर्षों के वनवास के उपरांत प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशी में सरयू नदी का आकाश आतिशबाजी से आलोकित होगा। इसी कड़ी में 10 मिनट तक कोरियोग्राफ्ड ग्रीन एरियल आतिशबाजी शो मुख्य आकर्षण होगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि विभाग ने भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की दिव्य अनुभूति कराने के लिए पूरे शहर को भव्य रूप से सजाने-संवारने की योजना बनाई है। इस वर्ष दीपोत्सव में सरयू घाटों पर 26 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्ज्वलित होंगे और नदी तट को विशेष सजावट से संवारकर

आकर्षक बनाया जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ पूरा शहर झिलमिलाती रोशनियों से आलोकित होगा। जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए ग्रीन एरियल फायर क्रैकर्स शो को कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता है। यह आतिशबाजी सरयू नदी की शांत लहरों पर चमकदार परछाइयों के साथ अद्भुत दृश्य उत्पन्न करेगी। यह शो 10 मिनट का होगा। इसे पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड तकनीक से संचालित किया जाएगा। शो का डिजाइन अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों जैसे- रियो डी जेनेरियो (ब्राज़ील) के रेबेलियन आतिशबाजी शो, फ्रांस के बैस्टिल डे और ब्रिटेन की गाई फॉक्स नाइट की तर्ज पर तैयार किया जाएगा। आतिशबाजी में ऊंचाई और विविधता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि अयोध्या के आसमान में निरंतर रंग-बिरंगे नजारे दिखाई दें। ग्रीन एरियल फायर क्रैकर्स शो में संगीत और आधुनिक तकनीकों का अद्भुत मिश्रण होगा। इस शो को पूरी तरह संगीत की धुन पर तैयार किया जाएगा, जो अयोध्या के दीपोत्सव को नया आयाम देगा। दीपोत्सव-2025 की शाम सरयू नदी के तट पर आतिशबाजी और संगीत का भव्य संगम आगंतुकों को देखने को मिलेगा।

न्यायालय से तारीख कर लौट रहे बाइक सवार युवक को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

बुलंदशहर। नगर कोतवाली क्षेत्र में मामन चुंगी से नीमखेड़ा रोड पर जाने वाले मार्ग पर बृहस्पतिवार शाम बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक सोनू ननासी गांव मंसूरपुर अरनिया की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। अरनिया थाना क्षेत्र के गांव मंसूरपुर निवासी हुकम सिंह ने बताया कि वह किसान हैं। उनके बड़े बेटे सोनू (24) की शादी पिछले साल हुई थी। शादी के बाद से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। यह विवाद अब न्यायालय में विचाराधीन है। इसी के चलते बृहस्पतिवार को तारीख होने के चलते सोनू बुलंदशहर न्यायालय गया था, जहां पर सुनवाई कर शाम को वापस अपनी बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। जब वह मामन चुंगी से नीमखेड़ा रोड पर पहुंचा तो एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर शिनाख्त कर परिजनों का सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और शुक्रवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के बाद गांव ले गए। वहीं, आरोपी ट्रक चालक मौके से ट्रक को लेकर भाग निकला। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। जल्द ही आरोपी चालक की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री मेवात छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त एवं एमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल पिलानी ने बताया कि जिला के विद्यार्थियों के लिए एमडीए के माध्यम से मुख्यमंत्री मेवात छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य मेवात क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे एमबीबीसी, तकनीकी, प्रोफेशनल, मेडिकल, टूरिज्म, पैरामेडिकल व पीएच.डी. जैसे पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने में सक्षम बन सकें। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री मेवात छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। छात्रवृति के लिए आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और विद्यार्थी वेबसाइट एमडीए.एनआईसी.इन पर जाकर आवेदन कर सकते हैं तथा इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी भी इसी वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन के साथ में निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र व प्रवेश प्रमाण पत्र व फीस संरचना के दस्तावेज उपलब्ध करवाने होंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत वही विद्यार्थी पात्र होंगे, जो जिला नूंह या फिर जिला पलवल के केवल खंड हथीन के निवासी होंगे और उनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक न हो।

हत्यारोपी की लॉकअप में मौत; मुंशी सस्पेंड, होम गार्ड व एसपीओ बर्खास्त

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी के मॉडल टाउन थाने के लॉकअप में बंद हत्यारोपी विनोद के सुसाइड मामले में पुलिस प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया है। घटना की रात ड्यूटी पर तैनात मुंशी सिपाही वेद प्रकाश को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं लॉकअप सुरक्षा में तैनात होमगार्ड सुरेश और एसपीओ सतीश को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसके अलावा मामले की जांच में लापरवाही बरतने पर जांच अधिकारी सब-इंस्पेक्टर राजेश के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।विनोद को सन्नी यादव के साथ अदालत में पेश करने के बाद रिमांड पर थाने में रखा गया था। दोनों आरोपी पिछले सप्ताह शनिवार रात मॉडल टाउन थाने के लॉकअप में बंद थे। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक रविवार सुबह करीब 4 बजकर 7 मिनट पर विनोद ने कंबल की कतरन निकालकर लोहे के जाल में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय लॉकअप में उसके साथ मौजूद सन्नी चादर ओढ़कर सो रहा था, जिसे घटना की भनक तक नहीं लगी। विनोद परिवार का इकलौता बेटा था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। पत्नी कैंसर से पीड़ित है और इलाज विनोद ही करवा रहा था। उसकी दो छोटी बेटियां हैं, जिनकी जिम्मेदारी अब परिवार पर आ गई है। विनोद के रिश्तेदार शुभम ने कहा कि उसके जाने के बाद पत्नी का इलाज बंद हो गया है।

जुलाना के वार्ड नंबर 13 में मकान में लगी आग, झुलसने से एक युवक और भैंस की मौत

नई दिल्ली। कस्बे के वार्ड 13 में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। वार्ड 13 निवासी दीपक के मकान में सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर अचानक आग लग गई। हादसे में 22 वर्षीय युवक साहिल की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं घर में बंधी एक भैंस भी आग की चपेट में आकर जिंदा जल गई। दीपक के मकान में तुडें के कमरे में आग लगने की सूचना पाकर आस पास के लोग आग बुझाने के लिए दौड़े और फायर ब्रिगेड और पुलिस को इसकी सूचना दी गई। आग इतनी भयंकर थी कि थोड़ी देर में ही धुएं का गुबार उठ गया। पड़ोस के युवक रवि, पंकज, दीपक, साहिल तुड़े के कमरे की छत को उखाड़ने में लगे हुए थे। कमरे की छत लकड़ी की कडियों और फटियों की थी। अचानक छत की कड़ियां जलकर छत धड़ाम से नीचे गिर गई। छत गिरने से साहिल भी नीचे गिर गया और मलबे के नीचे दब गया और बुरी तरह झुलस गया। जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक साहिल की मौत हो चुकी थी। साहिल को जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक साहिल का पिता सुनील दिहाड़ी का काम करता है। सुनील मजदूरी कर अपने दोनों बेटों को पढ़ा रहा था।

रोहतक में छत गिरने से महिला की मौतः बेटा बाल-बाल बचा, घायल के इलाज के लिए भर्ती करवाया

रोहतक। रोहतक के गांव कंसाला में वीरवार देर रात अचानक मकान की छत गिरने से 50 वर्षीय सुनील मलबे के नीचे दब गई जबकि उनका बेटा बाल-बाल बचा गया। आधे घंटे बाद वह मलबे से निकलकर पीजीआई में उपचार के लिए लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। गांव कंसाला निवासी सुनील ने बताया कि वीरवार देर रात उसकी पत्नी नरेश व उसका बेटा सोए हुए थे। अचानक गार्डर टूटने से छत गिर गई और नरेश मलबे के नीचे दब गई। जबकि उनका बेटा कृष्णा बाल-बाल बच गया। छत गिरने के बाद बेटा चिल्लाने लगा तो के लोग आ गया। इसके बाद सुनील को मलबे हटाकर निकल गया। इसके बाद को पीजीआई लाया गया। जहां पर उसने दम तोड़ दिया ।

जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का होगा शुभारंभ : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा, हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज यह नई उड़ान की शुरुआत नहीं, बल्कि हरियाणा के विकास, क्षेत्रीय समावेशन और आधुनिक कनेक्टिविटी की दिशा में एक अहम कदम है। हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और समावेशी भविष्य की नींव का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ अब हरियाणा ने नागरिक उड्डयन का विकास करके एयर कनेक्टिविटी में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार बनने के समय से ही नागरिक उड्डयन का

विकास सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि इसी साल 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या में स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ किया था। उन्होंने उसी दिन इस एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी किया था। गत 9 जून 2025 को हिसार-चंडीगढ़-हिसार हवाई सेवाओं का शुभारंभ भी किया गया। जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार हवाई अड्डे को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह एयरपोर्ट आज क्षेत्रीय संपर्क के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। हिसार हवाई अड्डे पर डॉपलर वीओआर प्रणाली की स्थापना की है। इससे हवाई अड्डे पर उड़ानों के संचालन के लिए न्यूनतम दृश्यता 5,000 मीटर से घटकर 2800 मीटर हो गई है। यह एक अभूतपूर्व तकनीकी उपलब्धि है। इससे अब खराब मौसम में भी उड़ानों का संचालन सुगमता से हो सकेगा। साथ ही, इस हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है। इससे एयरपोर्ट पर रात के समय में भी हवाई जहाज लैंडिंग कर सकेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि भविष्य की दृष्टि से सरकार महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार को एक पूर्ण, आधुनिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में यहां नये टर्मिनल भवन, आधुनिक एटीसी टावर, कार्गो कॉम्प्लेक्स, अग्निशमन केंद्र, प्रशासनिक भवन, पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण बने सीपीए जोन-2 के संयोजक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण को राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारतीय क्षेत्र के जोन-2 का संयोजक (कॉन्विनर) नियुक्त किया गया है। यह घोषणा सीपीए के 11वें भारतीय क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। बिरला सीपीए भारतीय क्षेत्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं। सीपीए के भारतीय क्षेत्र में भारतीय संसद तथा 31 विधान मंडल शामिल हैं। गौरतलब है कि सीपीए भारतीय क्षेत्र के 9 जोन हैं। इनमें से हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण को जिस जोन-2 का संयोजक नियुक्त किया गया है, उसमें हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के विधान मंडल शामिल हैं। कल्याण की यह नियुक्ति सितंबर 2025 से अगस्त 2026 तक की

अवधि के लिए की गई है। बता दें कि बेंगलुरु में आयोजित सम्मेलन में देश भर के विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारी शिरकत कर रहे हैं। हरियाणा का प्रतिनिधित्व विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा कर रहे हैं।

हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट मामलों की जांच के लिए कमेटी गठित होगी: अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने आज कहाकि हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट होने के मामलों की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा और इस कमेटी में तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी को भी शामिल किया जाएगा। विज ने आज सिरसा में हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रेक्टर-ट्रॉली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर कडा संज्ञान लेते हुए यह आदेश परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दिए। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में जांच करने की प्रैक्टिस सेट कर दी जाए ताकि जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सिरसा में हुई दुर्घटना के संबंध में विज ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि ''मैं चाहता हूं कि इस दुर्घटना की एक जांच होनी चाहिए कि हमारी रोडवेज की बस के ड्राइवर की गलती थी या ट्रैक्टर चलाने वाले ड्राईवर की गलती थी क्योंकि इस संबंध में हमें पता होना चाहिए''। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पहल हरियाणा की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में जवाबदेही को मजबूत करेगी और सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग में बसों की दुर्घटनाओं के बारे में अब यह प्रैक्टिस बना ली जाएगी कि जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाएं हरियाणा रोडवेज की बस के साथ होगी तो उसकी जांच जरूर की जाएगी। इन दुर्घटनाओं के बारे में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिनमें तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी भी शामिल किए जाएगें ताकि यह पता चल सकें कि सडक दुर्घटनाओं में गलत कौन था यदि हमारे रोडवेज के ड्राइवर गलत ड्राइविंग करते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि सिरसा के ऐलनाबाद में आज सुबह सड़क हादसा हो गया जिसमें हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया है जहां घायलों का उपचार चल रहा है।

उपायुक्त अखिल पिलानीने की डीएलसीसी की बैठक

एजेंसी

तावडू। जिला उपायुक्त अखिल पिलानी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्श समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न वित्तीय योजनाओं, सरकारी कार्यक्रमों और बैंकिंग सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रणनीतियाँ तय की गई।

प्रधानमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, शिक्षा ऋण, महिला स्वयं सहायता समूहों को सहायता, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधा विस्तार और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए बैंकिंग संस्थानों, प्रशासन तथा अन्य विभागों के बीच समन्वय बढ़ाना आवश्यक है। उपायुक्त ने वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करने, महिलाओं व युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में चल रही योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैंक

किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही, बकाया ऋण वसूली, प्रधानमंत्री जनधन योजना के खातों का उपयोग, तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त अखिल पिलानी अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शाखा विस्तार, मोबाइल बैंकिंग और ई-केवाईसी जैसी सेवाओं को आसान बनाया जाए। सभी ने जिले के समग्र विकास के लिए बेहतर समन्वय और योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोग का भरोसा दिया।

भारत-इंडोनेशिया संबंधों को मजबूती प्रदान करेगी गीतास्थली कुरूक्षेत्र : डॉ अरविंद शर्मा

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का बाली में हुआ आगाज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि भारत-इंडोनेशिया संबंधों को मजबूती प्रदान करने में गीतास्थली कुरूक्षेत्र की अहम भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा भगवान श्रीकृष्ण के गीता संदेश को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में दुनिया भर में चल रहे संघर्षों के समाधान में गीता की अहम भूमिका है। भारत इसके लिए वैश्विक समुदाय को जागरूक करने की हरसंभव कोशिश कर रहा है, जिसमें बाली में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव प्रकाश पुंज की भांति योगदान देगा। कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड, जियो गीता के संयुक्त तत्वावधान में

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का इंडोनेशिया के बाली में आगाज हुआ। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रतिनिधि के तौर पर विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। बाली के ऐतिहासिक क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि परिषद में प्रांतीय विधायिका द्वारा कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेंद्र सिंहल सहित सभी प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत किया और उन्होंने सदन में पवित्र गीता को सदन प्रतिस्थापित किया। सदन में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित करते हुए विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के अमर गीता संदेश को वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की परंपरा को शुरू किया गया था, जिसे आज वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की हरियाणा सरकार गीता ज्ञानानम संस्थानम व गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के मार्गदर्शन में आगे बढा रही है। बाली की प्रांतीय विधायिका द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि ऐतिहासिक कुरूक्षेत्र की धरती पर उन्हें जमीन उपलब्ध करवाई जाए, जिससे इंडोनेशिया मूल के नागरिक इस तपोभूमि से सीधा जुडाव हासिल कर सकें।

नूंह पुलिस की आमजन अपील, मोबिक्किक ऐप के माध्यम से हो रहे साइबर फ्रॉड से बचें

एजेंसी

नूंह । नूंह जिले में मोबिक्किक ऐप के माध्यम से हो रहे साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों को लेकर नूंह पुलिस ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस ऐप के जरिए धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को संदिग्ध सूचना या अलर्ट मिले, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं। नूंह पुलिस का संदेश स्पष्ट है कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। जिला पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में जिले में 'मोबिक्किक' के नाम से सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार और मैसेज का दौर देखने को मिला है। इन पोस्ट्स के जरिए लोगों को लुभाने के लिए झूठे वादे और प्रलोभन दिए जा रहे हैं, जैसे कि मोबिक्किक ऐप से बड़ा लाभ मिलेगा। इसकी जानकारी मिलते ही नूंह पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया। प्रवक्ता ने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर आमजन को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन पुलिस की नजर इन पर लगातार बनी हुई है। प्रवक्ता ने विस्तार से बताया कि नूंह पुलिस की सोशल मीडिया सैल प्रत्येक सोशल मीडिया पोस्ट्स पर निगरानी रख रही है। संदिग्ध पोस्ट्स को चिन्हित कर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलें पहले ही पुलिस के संज्ञान में आ चुके हैं, जिनकी जानकारी मोबिक्किक ऐप कंपनी के नोडल अधिकारियों को दे दी गई है। कंपनी के सहयोग से इन फ्रॉड्स को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से बाजारों में दुकानदारों, व्यापारियों, पेट्रोल पंप आदि स्थानों पर यूपीआई और ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया के दौरान साइबर अपराधी ठगी की फिराक में रहते हैं। ऐसे में आमजन को सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। नूंह पुलिस ने आमजन से अपील की है ।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर चुनावी वादे को पूरा कर रहे हैं : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा 'योगी' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में चार स्तरों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चल रहे सेवा पखवाड़ा, पंच परिवर्तन जैसे विषय प्रमुख रहे। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी अभिनव प्रकाश, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया तथा सेवा पखवाड़ा प्रदेश संयोजक एवं असंध विधायक योगेंद्र राणा उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में युवा मोर्चा की भूमिका निर्णायक रही है। युवा मोर्चा की तारीफ करते हुए बड़ौली ने कहा कि युवा ऊर्जा के केंद्र होते हैं। युवा जोश जिस तरफ चलता है उस तरफ परिणाम निकलते हैं और विजय मिलती है। युवाओं को पार्टी की रीढ़

बताते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत ही आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाने में युवाओं का योगदान सर्वोच्च रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकारिणी में आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा पीएम मोदी के जन्म दिन को सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रही है। उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी युवा केंद्र की मोदी और राज्य की नायब सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संकल्प पत्र में दिए हर चुनावी वादे को पूरा कर रहे हैं। नायब सरकार के कार्यों से प्रदेश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। बड़ौली ने केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए प्रचार प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन की ओर से सेवा के जितने भी कार्यक्रम आए हैं उनमें बढ़चढ़ कर भाग लें। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने संगठन से जुड़े विषयों पर बैठक में चर्चा की। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान हमे प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवा ही संगठन के भाव से लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने में मदद करनी है साथ ही नायब सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना है। युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी अभिनव प्रकाश ने कहा कि भाजपा का युवा मोर्चा की मेहनत का परिणाम है कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में ड्राइवर की मौत, पेड़ से लटका मिला शव

रोहतक। वाड़ी में सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब पटौदी रोड स्थित सनसिटी फाटक के पास एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान बावल क्षेत्र के कालड़ावास गांव निवासी करीब 26 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई है। वह टैक्सी चलाने का काम करता था और आश्चर्य की बात यह रही कि उसका शव जिस स्थान पर मिला, वहीं उसकी टैक्सी भी खड़ी हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही रेवाड़ी सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस टीम ने सबसे पहले शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर जुटी भीड़ के बीच यह सवाल उठता रहा कि आखिर एक युवक ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया या फिर इस मौत के पीछे कोई और वजह छिपी हुई है। थाना प्रभारी गजराज ने बताया कि उन्हें सुबह सूचना मिली थी कि सनसिटी फाटक के पास एक युवक पेड़ से लटका हुआ है। मौके पर पहुंचकर देखा तो वहां एक टैक्सी भी खड़ी थी।

राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी पूरा करने के लिए जल्द भर्ती किए जाएंगे 500 डॉक्टरः आरती सिंह राव

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार द्वारा जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव कुरुक्षेत्र स्थित एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल की फार्मेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फार्मेसी में सभी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में मिलीं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। यहां पर सीएमओ डॉ. भी परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल की फार्मेसी का निरीक्षण किया गया है और यहां पर मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाइयां तो उपलब्ध थी, लेकिन अस्पताल में स्वच्छता को

सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाइयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से जानकारी भी दी। स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को लेकर काफी कमियां पाई गई हैं। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए हैं और सभी शौचालयों को बेहतर करने के आदेश दिए गए हैं। आरती सिंह राव ने एक सवाल के जवाब में बताया कि बाढ़ के कारण हरियाणा के कई जिले प्रभावित हुए हैं, ऐसे समय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे हैं और निशुल्क दवाइयां वितरित कर रहे हैं।

किसानों की धान की फसल हुई बर्बाद, बीमा कंपनियां मुआवज़ा देने से कर रहीं इंकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा सहित प्रदेश के 12 जिलों में धान की फसल बाढ़ और जलभराव से पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, लेकिन बीमा कंपनियां इसे नुकसान मानने से साफ इंकार कर रही हैं। जिन किसानों ने पूरी ईमानदारी से फसल बीमा योजना के तहत प्रीमियम भरा, परंतु जब मुआवजा देने की बारी आई तो कंपनियां और सरकार दोनों ही किसानों से मुंह मोड़ रही हैं। ऐसे में भाजपा सरकार बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाएं और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि यह किसानों के साथ खुला अन्याय है। बीमा कंपनियों को यह अधिकार किसने दिया कि वे डूबी हुई फसल को 'नुकसान' ही न मानें? उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार इन कंपनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है और आखिर इन्हें इस तरह की मनमानी करने की छूट क्यों दी जा रही है। ऐसा लग रहा है कि सरकार और बीमा कंपनियां आपस में मिली हुई है और किसानों को मुआवजे के नाम पर गुमराह कर रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसान इस विश्वास में प्रीमियम भरते हैं कि विपरीत परिस्थिति में उन्हें मुआवजा मिलेगा लेकिन भाजपा सरकार और बीमा कंपनियों की मिलीभगत से किसानों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यह सरकार की किसान विरोधी मानसिकता का जीता-जागता उदाहरण है। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि तुरंत विशेष गिरदावरी करवाई जाए और बर्बाद हुई फसल का उचित मूल्यांकन किया जाए, सभी प्रभावित किसानों को बिना किसी देरी के मुआवजा दिया जाए, बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाएं और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी और जब तक प्रभावित किसानों को उनका हक़ नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही सांसद ने कहा कि अगर सरकार संकट की घड़ी में किसानों की मदद करने से पीछे हट रही है तो उसे स्वयं को किसान हितेषी कहने को कोई हक नहीं है। किसान हितों को लेकर भाजपा सरकार की नीयत में शुरू से ही खोट दिखाई दे रहा है। सांसद कुमारी सैलजा 15 सितंबर को ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

इन्फोसिस के शेयर पुनर्खरीद के बाद दूसरी कंपनियां भी ला सकती है बायबैक ऑफर

नई दिल्ली।

इन्फोसिस ने 18,000 करोड़ रुपए की शेयर फिर खरीदने की घोषणा की है। यह ऐसा फैसला है जिसे उसकी प्रतिस्पर्धी बड़ी कंपनियां भी अपने शेयर भाव में गिरावट के बीच अपना सकती हैं और वे पुनर्खरीद की राह पर बढ़ने प्रोत्साहित हो सकती हैं। इन्फोसिस 1800 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 10 करोड़ शेयरों की पुनर्खरीद करेगी। यह कीमत गुरुवार के उसके 1,509.50 रुपए के बंद भाव की तुलना में 19.3 फीसदी ज्यादा है।

कंपनी ने गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा था कि यह कंपनी की चुकता इक्विटी पूंजी में कुल इक्विटी शेयरों का 2.41 फीसदी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज में संस्थागत शोध विश्लेषक के उपाध्यक्ष अभिषेक पाठक ने कहा कि कंपनी के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद कई दूसरी कंपनियां भी बायबैक ऑफर की राह पर आ सकती हैं। पाठक ने कहा कि यह पेशकश मुख्य रूप से शेयरधारकों को नकदी लौटाने का एक तरीका है, न कि व्यापार चक्र के बारे में कोई संकेत। उन्होंने कहा कि बड़ी आईटी कंपनियां हर 18 से 24 महीने में पुनर्खरीद पेशकश लाती हैं और इसलिए यह नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में इन्फोसिस ने साफ कहा है कि उसका लक्ष्य अर्ध-वार्षिक लाभांश, बायबैक और या विशेष लाभांश के जरिए पांच साल की अवधि में अपने मुक्त नकदी प्रवाह का करीब 85 फीसदी वापस लौटाना है।

बेंगलुरु की इस फर्म ने 2017 में अपने बायबैक के लिए 13,000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया और 1,150 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 11.3 करोड़ शेयर खरीदे। 2019 में इन्फोसिस ने खुले बाजार में 747 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 11.05 करोड़ शेयर खरीदने के लिए 8,260 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसी तरह, 2021 और 2022 में उसने 9,200 करोड़ रुपए यानी 5.58 करोड़ शेयर और 9,300 करोड़ रुपए यानी 6.04 करोड़ शेयर की पुनर्खरीद की है।

मुंबई के एक वरिष्ठ बाजार विश्लेषक के मुताबिक इन्फोसिस का बायबैक 'काफी सकारात्मक' है और इससे दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषक ने कहा कि आईटी क्षेत्र में मौजूदा अस्थिरता और शेयर के बेहतर प्रदर्शन के लिए मजबूत ट्रिगर्स की कमी को देखते हुए इस तरह का घटनाक्रम गिरावट रोकने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इन्फोसिस के लिए इस बायबैक को काफी सकारात्मक माना जा रहा है और प्रतिस्पर्धियों की ओर से भी कुछ और घोषणाएं होने की उम्मीद है।

एसबीआई सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए बैलेंस तो मिलेगा अच्छा रिटर्न

बैंक ने मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट स्कीम में किया नया नियम लागू

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक बड़ा बदलाव किया है। बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए अपनी खास मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट यानी एमओडी स्कीम में नया नियम लागू किया है। अब इस स्कीम का फायदा लेने के लिए आपके सेविंग्स अकाउंट में कम से कम 50,000 रुपए का बैलेंस होना जरूरी है। पहले यह रकम 35,000 रुपए थी यानी अब आपको पहले से ज्यादा पैसे अकाउंट में रखने होंगे, ताकि इस स्कीम का लाभ मिल सके। जिन लोगों के पास छोटा या मध्यम बैलेंस है, उनके लिए यह बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन जिनके पास ज्यादा बैलेंस है, उनके लिए यह स्कीम अब भी अच्छा रिटर्न देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर आपके सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए से ज्यादा रकम है, तो अतिरिक्त पैसा अपने आप फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में बदल जाता है। यह रकम एक हजार रुपए की छोटी-छोटी यूनिट्स में एफडी में जाती है। इस एफडी पर आपको वही ब्याज मिलता है, जो सामान्य टर्म डिपॉजिट पर मिलता है।

यह ब्याज सेविंग्स अकाउंट के ब्याज से कहीं ज्यादा होता है। अगर आपके अकाउंट में बैलेंस कम हो जाता है, तो बैंक अपने आप एमओडी से पैसा निकालकर आपके सेविंग्स अकाउंट में डाल देता है यानी आपको जरूरत पड़ने पर पैसे आसानी से मिल जाते हैं। खास बात यह है कि सीनियर सिटीजन्स को इस स्कीम में अतिरिक्त ब्याज का फायदा भी मिलता है।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद हर महीने सरकार को देनी होगी रिपोर्ट

इससे पता चलेगा घटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 9 सितंबर को जारी सर्कुलर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा कि वे 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मक्खन, पनीर, शैंपू, टूथपेस्ट, बिस्कुट, चॉकलेट, सीमेंट और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों पर नजर रखें और मासिक रिपोर्ट पेश करें।

सर्कुलर में सीबीआईसी ने प्रधान मुख्य आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार संघों और क्षेत्रीय इकाइयों से वस्तुवार कीमत के आंकड़े जमा करें, जिसमें नई दरें लागू होने के पहले और बाद के दाम शामिल हों।

यह कवायद 6 महीने तक जारी रहेगी, जिससे यह जाना जा सके कि कम हुई जीएसटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं। इस सिलसिले में पहली रिपोर्ट 30 सितंबर तक भेजी जानी है। उसके बाद हर महीने की 20 तारीख को मार्च 2026 तक दरों की रिपोर्ट भेजनी होगी।

सूचीबद्ध 54 वस्तुओं की दरों की अद्यतन जानकारी देनी है, उनमें मक्खन, चीज और घी जैसे डेरी उत्पाद, बिस्कुट, चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे पैकेज्ड फूड शामिल हैं। इन वस्तुओं में साबुन, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे प्रसाधनों के साथ-साथ सीमेंट, दवाइयां, साइकिल, खिलौने जैसी महंगी वस्तुएं और टेलीविजन और एयर कंडीशनर जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं भी शामिल हैं। नाम सार्वजनिक न किए जाने को इच्छुक एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र का ध्यान रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान पर है और फील्ड में काम करने वाली यूनिट व्यापार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे कि इसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्र रूप से भी अनुपालन की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय सीधे बाजार की जांच करेंगे और केवल व्यापार संघों या उद्योग निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहेंगे।

केपीएमजी में पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख ने कहा कि यह निर्देश सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होने कहा कि सरकार ने इस पर जोर दिया है कि उद्योग को यह तय करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

अगर वाहन विकास धीमा रहा तो भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा

डिजाइन में बार-बार बदलाव लॉन्च में डाल रहे हैं रुकावट

नई दिल्ली।

भारतीय वाहन विनिर्माताओं द्वारा नए मॉडल पेश करने में 'अंतिम चरण वाले इंजीनियरिंग बदलावों' से देर होती है। यह ऐसी समस्या है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर डालती है।

एक फर्म के अध्ययन से यह जानकारी दी गई कि करीब 80 फीसदी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने बाधाएं बताई गई हैं। बताया जा रहा है कि भारत में यह देर ज्यादा होती है और इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में तो और भी ज्यादा।

अगर हमारा वाहन विकास धीमा है तो आशंका है कि भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा। चीन अपने वाहनों को 18 से 24 महीनों में तैयार कर रहा है जबकि भारत 36 से 60 महीनों में। अध्ययन में बताया गया है कि डिजाइन में बाद वाले चरण के बदलाव लॉन्च में रुकावट डाल रहे हैं, आपूर्तिकर्ताओं की क्षमता कम कर रहे हैं और वैश्विक वाहन बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

अध्ययन में यह भी कहा गया है कि आम धारणा के विपरीत किसी वाहन का शुरुआती प्रोटोटाइप तैयार करने और सत्यापन के बाद भी इंजीनियरिंग बदलाव खत्म नहीं होते। आदर्श बात तो यह है कि प्री-प्रोडक्शन में बदलाव 15 फीसदी से कम, लॉन्च के बाद उत्पादन में 8 फीसदी या उससे कम और उत्पाद में स्थिरता आने के बाद यह बदलाव 3 फीसदी से भी कम रहने चाहिए। अलबत्ता, विकास चक्र के बाद वाले चरणों में भी ऐसे बदलाव ज्यादा होते हैं।

केवल 6 फीसदी ओईएम ही इस आदर्श का पालन करती हैं, 13 फीसदी ओईएम हल्का उतार-चढ़ाव बताती हैं और 81 फीसदी ओईएम इस पैटर्न के मुकाबले खासा बड़ा अंतर दिखाती हैं। ऐसा हरेक बदलाव डिजाइन, टूलिंग, बार-बार के सत्यापन या सॉफ्टवेयर अपडेट में फिर से काम किए जाने की जरूरत बता सकता है।

इससे मॉडल पेश करने के तय समय में देर होती है और लागत बढ़ जाती है। ये बदलाव आपूर्तिकर्ताओं को भी प्रभावित करते हैं। करीब 57 फीसदी पुर्जा विनिर्माताओं ने कहा कि अंतिम चरण में बार-बार बदलाव से उनकी टीमों को लगातार दोबारा काम और समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। इन्हें परियोजनाओं के बीच संसाधनों को बार-बार बदलना पड़ता है।

जीएसटी कटौती से स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : गोयल

नई दिल्ली।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के 65वें वार्षिक सत्र में जीएसटी की दरों में हाल ही में की गई कटौती की सराहना की है। दरअसल जीएसटी 2.0 के तहत ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स पर लगने वाले जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस कटौती को ऐतिहासिक सुधार और ऑटो उद्योग के लिए एक बड़ी राहत बताया है। उनका मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस कदम से रोजगार के अवसर बढ़ने और वैल्यू चेन में मांग पैदा होगी। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी रेट कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख कर कहा कि यह सप्लाई चेन को मजबूत करने, निर्यात बढ़ाने और हाई-क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का सही समय है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान भारत द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसमें अन्य देशों को दवाइयाँ और टीके उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे भारत की छवि एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में मजबूत हुई है।

मोटो मोरिनी ने भारतीय ग्राहकों के लिए किश्स बडे तोहफे का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय ग्राहकों के लिए इटैलियन मोटरसाइकिल ब्रांड मोटो मोरिनी ने बड़ा तोहफा पेश किया है। मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय सेईमेजो रेट्रो स्ट्रीट और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों पर भारी डिस्काउंट और आकर्षक फाइनेंस स्कीमें लॉन्च की हैं। कंपनी ने सेईमेजो सीरीज़ की कीमतों में सीधे 91 हजार रुपये तक की कटौती की है। पहले इनकी कीमत 5.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी, जबकि अब ग्राहक इन्हें केवल 4.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं। इतालवी डिजाइन और हाईटेक इंजीनियरिंग से बनी यह रेंज अब पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई है। यही नहीं, 21 सितंबर से पहले की गई खरीद पर ग्राहकों को 33 हजार रुपये तक का जीएसटी बेनिफिट भी मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने फेस्टिव फाइनेंस ऑफर भी पेश किया है जिसमें लो ईएमआई, आकर्षक ब्याज दरें, 60 महीने तक की अवधि, तुरंत अप्रूवल और 95 प्रतिशत तक डेट कवरेज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहकों को इसके लिए सैलरी सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती कीमतों और महंगाई के दौर में मोटो मोरिनी का यह कदम ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला है।

एसआईपी भारतीय निवेशकों के लिए बना सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प

ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त में निवेश ने नया कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड में एसआईपी आज भारतीय निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प बन चुका है। पिछले एक दशक में इसका क्रेज बढ़ता ही गया। मंथली इन्वेस्टमेंट के इस आसान तरीके ने न सिर्फ छोटे निवेशकों को फाइनेंशियल डिसिप्लिन सिखाया है, बल्कि उन्हें लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न कमाने का मौका भी दिया है। यही वजह है कि बाजार में कभी तेजी रही या फिर गिरावट का माहौल, निवेशक एसआईपी के जरिए लगातार योगदान करते रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि हाल ही में भारी उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त 2025 में एसआईपी निवेश ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। इस महीने कुल एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो पिछले 10 सालों का सबसे ऊंचे स्तर पर है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2016 से अगस्त 2025 तक एसआईपी के जरिए निवेश में जबरदस्त उछाल आया है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक अब शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग की बजाय लॉन्ग टर्म निवेश और व्यवस्थित तरीके से वेल्थ क्रिएशन पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2016 में एसआईपी योगदान केवल 3,497 करोड़ रुपए था, जो हर साल लगातार बढ़ता गया। अगस्त 2017 में यह बढ़कर 5,206 करोड़ रुपए हो गया और अगस्त 2018 में 7,658 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके बाद 2019 और 2020 में यह क्रमशः 8,231 करोड़ रुपए और 7,792 करोड़ रुपए रहा। अगस्त 2021 से इसमें तेजी आई और एसआईपी योगदान 9,923 करोड़ रुपए हो गया। अगस्त 2022 में यह बढ़कर 12,693 करोड़ रुपए, अगस्त 2023 में 15,814 करोड़ रुपए और अगस्त 2024 में 23,547 करोड़ रुपए पहुंच गया। सबसे बड़ा उछाल अगस्त 2025 में देखने को मिला, जब एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए हो गया है।

सेबी ने बदले आईपीओ और एमपीएस के नियम, अब बड़ी कंपनियां भी छोटे आईपीओ ला सकेंगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें आईपीओ नियमों में बदलाव, मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग (एमपीएस) के पालन के लिए ज्यादा समय, विदेशी निवेशकों के लिए आसान रास्ते और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स का दर्जा देना शामिल है। सेबी ने बड़ी कंपनियों के लिए छोटे साइज का आईपीओ लाने का रास्ता साफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब बड़ी कंपनियां अपने आईपीओ में अपने पेड-अप कैपिटल का न्यूनतम 2.5 फीसदी शेयर बेच सकेंगी। अभी लिस्टिंग के बाद पांच लाख करोड़ रुपए वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम अपने पेड-अप कैपिटल का 5 फीसदी शेयर बेचने पड़ते हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि हम मौजूदा चार हजार करोड़ लेवल की कैटेगरी के अलावा चार अतिरिक्त कैटेगरी पेश कर रहे हैं जो इस प्रकार हैं- 4,000 करोड़ से 50,000 करोड़, 50,000 करोड़ से 1 लाख करोड़, 1 लाख करोड़ से 5 लाख करोड़ और 5 लाख करोड़ से ज्यादा। ऐसी कंपनियां जिनका मार्केट कैप 5,500 करोड़ से लेकर 1 लाख करोड़ रुपए तक होगा, उनके लिए न्यूनतम पब्लिक ऑफर एक हजार करोड़ रुपए+इश्यू के बाद 8 फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 1 लाख करोड़ से ऊपर की कंपनियों का मिनिमम पब्लिक ऑफर (एमपीओ) 6,250 करोड़ रुपए + 2.75फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 5 लाख करोड़ एमकैप वाली कंपनियों के लिए एमपीओ 15,000 करोड़ रुपए + 1फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन तय किया गया है, जिन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 50,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए होगा, उन्हें 25 फीसदी के मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियम के पालन के लिए 5 साल का समय मिलेगा। अभी ऐसी कंपनियों को इस नियम के पालन के लिए सिर्फ तीन साल का समय दिया जाता है।

अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ के आईपीओ को मिले 103 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब

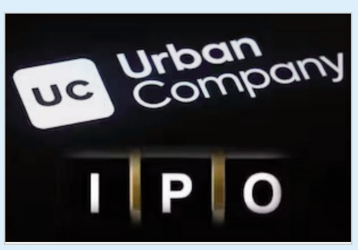

नई दिल्ली। निवेशकों ने अर्बन कंपनी, देव एक्सेलरेटर और श्रंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को हाथो-हाथ लिया। टेक स्टार्टअप अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ रुपए के आईपीओ को कुल मिलाकर 103.63 गुना आवेदन मिले हैं। आईपीओ को संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 140.2 गुना, एचएनआई श्रेणी में 74.04 गुना, खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 39.25 गुना और कर्मचारियों के लिए आरक्षित श्रेणी में 36.8 गुना आवेदन मिले हैं। इस भारी प्रतिक्रिया के कारण अर्बन कंपनी पिछले छह सालों में 100 गुना से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाली 65वीं कंपनी बन गई है। बता दें अर्बन कंपनी एक ऐसे बाजार का संचालन करती है जो ग्राहकों को सौंदर्य, सफाई, प्लंबिंग, बढ़ईगीरी, उपकरण मरम्मत और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों से जोड़ता है। आईपीओ का कीमत दायरा 98 से 103 रुपए तय किया गया है और कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 14,800 करोड़ रुपए है। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के प्रबंध निदेशक ने कहा कि निवेशक समझते हैं कि कई तरह की घरेलू सेवाओं के लिए अर्बन कंपनी एकमात्र मार्केटप्लेस है। समय के साथ इसकी पहुंच न केवल सेवाओं के विस्तार के मामले में बल्कि इसके परिचालन वाले शहरों की संख्या में भी बढ़ी है। उसका कोई प्रतिस्पर्धी नहीं है, जिससे कंपनी के पास मूल्य प्रदान करते रहने की दीर्घकालिक क्षमता है। आईपीओ की कामयाबी सार्वजनिक होने की योजना बना रही अन्य उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों के लिए अच्छा संकेत है।

पांच नए इश्यू और 12 कंपनियां शेयर बाजार में होंगी लिस्टिंग, निवेशकों के लिए मौका

नई दिल्ली।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में बहुत कुछ होने वाला है। कई कंपनियों के नए शेयर बाजार में आएंगी और कई कंपनियां लिस्ट होंगी। कुल मिलाकर पांच नए इश्यू खुलेंगे और 12 कंपनियां बाजार में अपनी जगह बनाएंगी। इसमें मुख्य सेगमेंट से दो इश्यू निवेश के लिए खुलेंगे और तीन कंपनियां लिस्ट होंगी। वहीं, छोटे और मध्यम बिजनेस सेगमेंट में तीन कंपनियों के इश्यू आएंगे और नौ कंपनियां लिस्ट होंगी। ये हफ्ता निवेशकों के लिए काफी व्यस्त और मौके भरा रहेगा।

मेन सेगमेंट में अर्बन कंपनी, देव एकोलेरोटर और शीरीनगर हाउस ऑफ मंगलसूत्र के शेयर 17 सितंबर 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इनके आईपीओ 12 सितंबर को बंद हो चुके हैं। इनके शेयरों का अलॉटमेंट सोमवार को पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। निवेशकों की नजर अब इन कंपनियों के प्रदर्शन पर है। इसके अलावा, मेन सेगमेंट में दो नए आईपीओ भी लॉन्च होंगे। पहला है यूरो प्रतीक सेल्स का आईपीओ, जो 16 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर 2025 तक चलेगा। कंपनी 1.83 करोड़ शेयरों के जरिए 451.31 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश करेगी। इसके लिए शेयर की कीमत 235 से 247 रुपए के बीच रखी गई है।

एक लॉट में 60 शेयर होंगे, यानी निवेश करने के लिए कम से कम 14,820 रुपए चाहिए होंगे। ये शेयर 23 सितंबर 2025 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दूसरा आईपीओ है वीएमएस टीएमटी का, जो 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर 2025 तक खुलेगा। ये पूरी तरह से 1.5 करोड़ शेयरों का नया इश्यू है, जिससे कंपनी 148.50 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके शेयर की कीमत 94 से 99 रुपए के बीच होगी। एक लॉट में 150 शेयर होंगे और इसके लिए कम से कम 14,850 रुपए निवेश करने होंगे।

एसएमई सेगमेंट में भी हलचल रहेगी। सम्पत एल्युमीनियम, टेकडी साइबरसिक्युरिटी और जेडी केबल्स के आईपीओ अगले हफ्ते खुलेंगे। इसके अलावा नो कंपनियां इस सेगमेंट में लिस्ट होंगी। इनमें एलटी एल्वेटर, एयरफ्लोआ रेल टेक्नालॉजी, ग्लेक्सी मेडिकेयर, जय अम्बे सुपरमार्केट्स, ताऊरेन एमपीएस, कारबोनस्टील इंजीनियरिंग, निलांचल कारबो मेटालिक्स और वाशिस्ता लक्झरी फैशन शामिल हैं। ये कंपनियां छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बने प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत करेंगी।

निवेशकों के लिए ये हफ्ता अच्छा रहेगा, लेकिन सावधानी भी जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है, इसलिए निवेश पहले अच्छे से सोच-विचार करें। कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। ये समय निवेश के लिए रोमांचक है, लेकिन सही जानकारी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 698.26 अरब डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में सालाना आधार पर 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त हो रही है। बीते महीने विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) का मूल्य 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गया है।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है। समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 3.53 अरब से बढ़कर 90.29 अरब डॉलर हो गया। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं। आरबीआई द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से करीब दोगुना किया है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक, समीक्षा अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) की वैल्यू 18.74 अरब डॉलर रह गई है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतीय रिजर्व पोजीशन भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गई है।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपए को तेजी से गिरने से रोकने और उसकी अस्थिरता को कम करने के लिए ज्यादा डॉलर जारी करके हाजिर और अग्रिम मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है।

टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली ।

जीएसटी दरें कम होने के बाद रॉयल एनफील्ड कंपनी ने घोषणा की है कि वह टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350 और मेट्योर 350 के खरीदारों को इसका फायदा मिलेगा। इन बाइक्स की कीमतों में 22,000 रुपये तक की कमी की जाएगी। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर टैक्स दर को 28प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इस बदलाव के बाद रॉयल एनफील्ड की 350 सीसी सेगमेंट की बाइक्स और भी किफायती हो जाएंगी। कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह सुधार न केवल ग्राहकों को राहत देगा, बल्कि पहली बार बाइक खरीदने वालों का उत्साह भी बढ़ाएगा और इस सेगमेंट को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जीएसडी कट का असर सिर्फ मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहेगा। एक्सेसरीज, राइडिंग गियर और सर्विस पर भी कीमतें घटेंगी। नवरात्रि और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के ठीक पहले आया यह फैसला कंपनी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

भारत की आत्मा, संस्कृति और जनमानस की पहचान है हिन्दी

श्वेता गोयल

भारत बहुत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। यही कारण रहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था।

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझतें हों परन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जिसे आज दुनिया के अनेक देशों में भी सम्मानजनक दर्जा मिल रहा है और हमारी राजभाषा हिन्दी प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिला रही है। हिन्दी विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली जाती है। हिन्दी भाषा को और ज्यादा समृद्ध बनाने के लिए ही प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है और अगले 15 दिनों तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। अब प्रश्न यह है कि हिन्दी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को ही क्यों मनाया जाता है और इसे मनाए जाने की शुरूआत कब हुई?

दरअसल भारत बहुत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। यही कारण रहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। जब देश आजाद हुआ तो सर्वप्रथम 12 सितम्बर 1947 को संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने के प्रावधान का प्रस्ताव गोपालस्वामी आयंगर ने रखा था, जो स्वयं एक अहिन्दीभाषी दूरदर्शी नेता थे। सभा की 12 से 14 सितम्बर तक चली तीनदिवसीय बहस में कुल 71 लोगों ने हिस्सा लिया था। लंबे विचार-विमर्श के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। उसके बाद भारतीय संविधान के भाग 17 के अध्याय की धारा 343 (1) में हिन्दी को राजभाषा बनाए जाने के संदर्भ में अंकित कर दिया गया, 'संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा।' इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के अनुरोध पर 1953 से देशभर में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को ही मनाए जाने के लिए इसी दिन का चयन इसीलिए किया गया क्योंकि हिन्दी को भारत की राजभाषा का दर्जा देने के लिए पहली बार 14 सितम्बर 1949 को ही संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया था, इसलिए इस दिवस के आयोजन के लिए इसी तारीख को श्रेष्ठ माना गया। 14 सितम्बर 1953 को जब हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में लागू कर दिया गया तो गैर-हिन्दी भाषी राज्यों के लोगों ने इसका पुरजोर विरोध शुरू कर दिया और ब्रिटिश शासनकाल के दौरान मनोमस्तिष्क में रच-बस गई अंग्रेजी भाषा की वकालत करने लगे। उस विरोध को देखते हुए तब अंग्रेजी को भी राजभाषा का दर्जा देना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। वर्ष 1917 का ऐसा एक किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंधी कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है।

हिन्दी भाषा की चुनौतियों के बारे में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार मृदुला गर्ग कहती हैं कि हिन्दी के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अब बड़ा युवा वर्ग अंग्रेजी की ओर जा रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि अंग्रेजी में ही रोजगार के अवसर हैं और इसलिए वही इस समय की भाषा बन गई है। इसी प्रकार महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अशोक वाजपेयी कहते हैं कि संख्याबल के आधार पर हिन्दी अवश्य विश्वभाषा बन सकती है किन्तु हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी भाषा बिना साहित्य, विचार, आर्थिकी के ऐसा दर्जा हासिल नहीं कर सकती और हिन्दी में इस तरह की तमाम आवाजाही बीते वर्षों में लगातार घटती गई है। देखा जाए तो हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का विशाल समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का भी धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं। भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। ऐसे में प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि इसके माध्यम से लोगों को हिन्दी भाषा के विकास, हिन्दी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जा सके। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि हिन्दी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्त्तव्य है और जब तक सभी लोग इसका उपयोग नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं और डेढ़ दशक से भी अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं)

संपादकीय

मॉरीशस के साथ सहयोग

भारत और मॉरीशस ने फैसला किया है कि अब दोनों देश स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने की दिशा में संजीदगी से बढ़ेंगे। वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत और मॉरीशस महज पार्टनर नहीं, बल्कि परिवार हैं। पिछले साल मॉरीशस में यूपीआई और रूप कार्ड की शुरूआत हुई थी और अब दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने का मन बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हमेशा मॉरीशस की संप्रभुता के पक्ष में रहा है, और मुक्त, खुला, सुरक्षित, स्थिर तथा समृद्ध हिन्द महासागर हमारी साझी प्राथमिकता में रहा है। मॉरीशस, भारत की पड़ोसी प्रथम और विजन महासागर का एक अहम स्तंभ है। इस हिन्द महासागरीय देश के साथ सात करार हुए हैं। करीब छह हजार करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की भी घोषणा की गई है ताकि मॉरीशस अपने बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर कर सके। माना जा रहा है कि पैकेज से मॉरीशस में रोजगार की स्थिति बेहतर होगी। भारत की इच्छा है कि मॉरीशस इतना समृद्ध हो ताकि हिन्द महासागर में अपनी समुद्री स्थिति को खासी मजबूत कर सके। भारत और मॉरीशस के बीच उनके नागरिकों के बीच सहोदर भाव से खास मजबूती मिलती है। भारतीय संस्कृति का यह देश विस्तार सरीखा दिखलाई पड़ता है। वहां की आबादी का बड़ा हिस्सा उन लोगों का है, जिनके पूर्वज उन्नीसवीं शताब्दी में बिहार और उत्तर प्रदेश से ह्यगिरमिटियाह्न श्रमिक के रूप में इस पूर्वी अफ्रीकी देश पहुंचे थे। वहां उन्हें कृषि खासकर ईख की खेती में लगाया गया। मॉरीशस की प्रगति में भारतीय मूल के इन लोगों ने उल्लेखनीय योगदान दिया। बाद के कालखंड में इनके वंशज मॉरीशस में नीति-नियंता की भूमिका में उभरे। देश की बागडोर उन्होंने संभाली। मौजूदा प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के पूर्वज भी भारत से वहां पहुंचे थे। आज भारतीय मूल के मॉरीशस के नागरिक दोनों देशों को खास आयाम दे रहे हैं। भारत ने शुरू से ही मॉरीशस के प्रति सहयोगी भाव रखा है। उसे आर्थिक सहयोग के मामले में प्राथमिकता पर रखा है। भारत तकनीकी लिहाज से मजबूत आधार रखता है, और मॉरीशस को सहयोग में तकनीकी पहलू को अच्छे से जोड़ सकता है। स्वास्थ्य भी ऐसा ही एक क्षेत्र है, जिसमें भारत की प्रगति और उपलब्धियों से मॉरीशस लाभान्वित हो सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है। कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती। राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

पाकिस्तान के साथ मैच: देश की गरिमा या पैसे का खेल?

दिलीप कुमार पाठक

भारत - पाकिस्तान का मैच पूरी दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा होती है, जिसमें पूरी दुनिया का इंट्रेस्ट होता है. जिस दिन भारत - पाकिस्तान का मैच होता है उस दिन टीआरपी के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हो जाते हैं ' हमेशा यही देखा गया है कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच के टिकट ओपन होते हमेशा कुछ ही घंटों में बिक जाते हैं परंतु पहलगाम हमले के बाद स्थिति कुछ अलग ही दिखाई दे रही है' एशिया कप 2025 में होने वाले इस महामुकाबले के टिकट अभी भी अनसोल्डा हैं। वहीं, अब इस मुकाबले पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंहकि इस मैच को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज हो गई है। वहीं, एक सेवानिवृत्तओ वरिष्ठी सैन्यक अधिकारी ने मैच के बहिष्कातर की घोषणा कर दी है। इस तरह पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तानन के खिलाफ लोग एक फिर से एकजुट होते नजर आ रहे हैं। बता दें कि चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच एशिया कप ये अहम मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाने वाला है।

यह मामला गुरुवार को जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस विजय विष्णोई की बेंच के सामने उठाया गया। याचिका का उल्लेख करते हुए जब वकील ने इसे शुक्रवार को लिस्ट करने की गुहार लगाई तब जस्टिस महेश्वरी ने कहा कि क्या जल्दी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया, जिसमें भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। यह मैच एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में 14 सितंबर को होने वाला है। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा मैच इस रविवार है? हम उसमें क्या कर सकते हैं? होने दीजिए, मैच होना चाहिए ' जब वकील ने बताया कि मैच रविवार (14 सितम्बर) को है और अगर शुक्रवार को यह लिस्ट नहीं किया गया तो याचिका निरर्थक हो जाएगी। तब जस्टिस माहेश्वरी ने कहा मैच इस रविवार है? हम उसमें क्या कर सकते हैं? होने दीजिए, मैच होना चाहिए। इसके बाद वकील ने निवेदन किया कि चाहे उसका केस मजबूत हो या कमजोर, लेकिन कम से कम मामले को लिस्ट किया जाना चाहिए। अदालत ने गुहार को सुनवाई को ठुकरा दिया। कहा कि मैच होना चाहिए। यह (पीआईएल) चार याचिकाकताओं ने दायर की है जो वर्तमान में कानून की पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि याचिकाकर्ताओ का कहना है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है ' पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है। यह सशस्त्र बलों एवं उन नागरिकों के बलिदानों को कमतर करता है, जिन्होंने हमले में अपने प्राण गंवाए। याचिका में कहा गया है कि पाकिस्तान के साथ खेलना उल्टा संदेश देता है कि जब हमारे सैनिक जान की बाजी लगा रहे हैं। हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं, जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। यह उन पीड़ित परिवारों की भावनाओं को भी ठेस पहुँचा सकता है, जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपने प्रियजनों को खोया है। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से ऊपर है।

एक बात समझ नहीं आती कि भारत सरकार का रुख क्या है? क्योंकि सरकार ने इस मुद्दे पर अपना कोई पक्ष नहीं रखा' हालांकि पहलगाम हमले के बाद अभी कुछ महीने पहले लीजेण्ड क्रिकेट लीग के में भारत चाहता तो फाइनल खेलता परंतु भारत ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था चूंकि देश में उस मैच का जबरदस्त विरोध हुआ था' हालांकि एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच को लेकर देश में एक आवाज उठ रही है कि मैच नहीं होना चाहिए, क्योंकि लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं, सीधी बात बीसीसीआई को अपना पक्ष रखना चाहिए कि उन्होंने इस श्रृंखला में भाग क्यों लिया? साथ ही सरकार को भी अपना पक्ष रखना चाहिए जिससे लोगों को पता चले कि सरकार क्या चाहती है' अन्यथा ऐसे ही असमंजस की स्थिति बनी रहेगी' चूंकि लीजेण्ड क्रिकेट लीग में कोई खास फायदा नहीं था तो मैच न खेलने का ढोंग कर लिया गया, और जब अच्छी कमाई की बात आई तो मैच खेलने के लिए बीसीसीआई ने खिलाडी उतार दिए? आखिर क्यों? क्या बीसीसीआई की देश के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं बनती?

बीसीसीआई एवं भारत सरकार को पहले से ही तय कर लेना चाहिए था कि पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार का मैच खेला जाएगा, या नहीं खेला जाएगा' इसे हमेशा के लिए प्रतिबन्धित कर दीजिए पूरा देश सरकार के साथ होगा' या तो फिर यह ड्रामा बंद होना चाहिए कि भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलेगा' हॉकी, कबड्डी, आदि खेल भी होते तब दोनों देश एक दूसरे के साथ खेलते हैं तब विरोध क्यों नहीं होता? देश में क्या क्रिकेट ही खेल है? या फिर लोकप्रियता या पैसे का खेल है जिसमें राजनीति सिद्ध होती है' जब कभी कोई हमला होता है तब-तब ये दोहरे नारे लगते हैं, जब मामले ठन्डे हो जाते हैं तब लोग भूल जाते हैं' अतः ये नूरा कुश्ती का खेल बंद होना चाहिए, देश तय करे कि क्रिकेट खेलना है या नहीं '

मणिपुर : शांति की पहल कितनी कारगर

प्रमोद भार्गव

फरवरी, 2023 में मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच दंगों की शुरू आत हुई थी। अब जाकर यहां स्थायी शांति की दिशा में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से कुकी समुदायों के संगठनों के बीच समझौते पर सहमति बन पाई है।

कुकी नेशनल ऑगेर्नाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) ने एक साल के लिए सभी ऑपरेशन निलंबित करने का फैसला लिया है। इससे राज्य में शांति की उम्मीद जगी है।

इससे पहले मणिपुर में खूनी संघर्ष के चलते संबंधित पक्ष अपनी शत्रे मनवाने पर अडिग थे। लेकिन अब कुकी-जो के दोनों प्रमुख संगठनों और केंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बावजूद कहना मुश्किल है कि स्थायी शांति बनी रहेगी? कुकी गुटों ने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति जताई है, जो मैतेई समुदाय की प्रमुख मांग थी। वरना इसके पहले कुकी संगठन अलग पहाड़ी राज्य की मांग कर रहे थे। यह चुनौती बड़ी थी, जिसे स्वीकारा जाना कठिन था।

उम्मीद है कि टकराव और हिंसक संघर्ष की स्थिति समाप्त होगी। हालांकि इस समझौते के सामानांतर मणिपुर में नगाओं की संस्था ने मुक्त आवागमन के साथ भारत-म्यामार सीमा पर बाड़बंदी का विरोध करते हुए कारोबारी प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। इस वक्तव्य के बाद कुकी-जो परिषद ने कहा है कि समझौते को मैतेई बस्तियों और कुकी-जो के क्षेत्रों के बीच के बफरजोन में किसी तरह की आवाजाही के रूप में नहीं समझा जाए। अब लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना सरकार का काम है। 13 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मिजोरम पहुंच रहे हैं। उम्मीद है कि उसके एक दिन पहले मोदी मणिपुर जा सकते हैं। प्रधानमंत्री यकीनन दोनों समुदायों को साधने की कोशिश करेंगे। मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद उनका यह पहला दौरा होगा। विपक्ष प्रधानमंत्री के मणिपुर नहीं जाने पर तल्ख टिप्पणी करता रहा है। 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। उसके बाद से गृह मंत्रालय के साथ केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों से बातचीत चल रही थी। फलतः सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओएस) त्रिपक्षीय समझौता संभव हुआ। समझौता एक साल के लिए लागू रहेगा।

याद रहे कि कुकी गुटों के साथ 2008 में ही एसओएस पर समझौता हुआ था, जिसे हर साल बढ़ाया जाता था। लेकिन हिंसा के चलते 2024 में इसे बढ़ाया नहीं गया और अब नई शतरे के साथ एसओएस पर समझौता हुआ है। समझौते के तहत मैतेई समुदाय की प्रमुख आपत्तियों के सामाधान भी तलाशे गए हैं। इसके तहत कुकी गुटों को अपने शिविर ऐसे स्थलों से हटाने होंगे जो मैतेई समुदाय से सटे हुए हैं। दरअसल, मैतेई समुदाय आरोप लगाता रहा है कि कुकी अपने शिविरों से मैतेइयों पर हमले करते रहते हैं। इन गुटों को यह भी सत्यापित करना होगा कि उनके गुटों में कोई विदेशी नागरिक तो शामिल नहीं है। इन गुटों के पास जो भी मारक हथियार हैं, उन्हें बीएसएफ और सीआरआरपीएफ के नजदीकी शिविरों में जमा करना होगा। इन शतरे पर पालन के लिए संयुक्त निगरानी समिति बनाई जाएगी।

फरवरी, 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की शुरूआत की थी। इन क्षेत्रों की नगा और कुकी समुदाय की 34 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित हैं। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना रही कि जिन लोगों को प्रवासी बता कर विस्थापन का सिलसिला शुरू हुआ तो उन्हें इस इलाके के मूल निवासी कुकी समुदाय ने अपना बताया। किंतु सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान न देते हुए कुकियों की बेदखली का सिलसिला तो बनाए ही रखा, साथ ही मैतेई समुदाय को जब जनजाति का दर्जा मिल गया, तब उन्हें बलपूर्वक नगा और कुकी समुदाय के लोगों को आरक्षित भूखंडों पर भी काबिज होने से नहीं रोका। विवाद की असली जड़ यही विरोधाभास है।

यह जातीय हिंसा इस हद तक भड़की कि अनेक निर्दोष महिलाओं पर बर्बर अत्याचार के साथ जघन्य रेप के मामले भी सामने आते रहे। करीब 250 लोग इस हिंसा में अपने प्राण गंवा चुके हैं। ज्यादातर मैतेई हिन्दू होने के साथ वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हैं। इनमें से कुछ मतांतरित मुसलमान भी हैं जबकि नगा और कुकियों में से 90 फीसद धर्मातरित ईसाई हैं। इस लिहाज से विवाद धार्मिक रंग में बदल कर हिंसक हो गया था। इसे धार्मिक रंग देने में ड्रग माफिया ने भी आग में घी डालने का काम किया। समूचे पूर्वोत्तर भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यातित नशे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। यहां प्रत्येक माह हेरोइन बड़ी मात्रा में पकड़ी जाती है। यहां अफीम की खेती भी खूब होती है। बहरहाल, पूर्वोत्तर के एक बड़े भूभाग में विकास का वातावरण बना है। (लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

सबसे अच्छे दोस्तों में से एक, अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताई भारत की अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत के संबंधों में उतार-चढ़ाव के बीच यूएस के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ दुनिया के शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस समय दोनों देशों के बीच संबंध असाधारण बदलाव से गुजर रहे हैं। रुबियो ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर के नाम की पुष्टि के लिए सुनवाई के दौरान उनका परिचय दिया। रुबियो ने कहा कि वह गोर को काफी लंबे समय से जानते हैं और उन्हें जिस देश के लिए नामित किया गया है ''मैं कहूंगा कि वह आज अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है।'' पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह राष्ट्रपति कार्यालय के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत तथा दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत नियुक्त कर रहे हैं। नियुक्ति की पुष्टि होने पर गोर (38) भारत में सबसे कम उम्र के अमेरिकी राजदूत होंगे। रुबियो ने कहा कि 21वीं सदी में कहानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लिखी जाएगी। वास्तव में, यह इतना महत्वपूर्ण है कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की कॉम्बेटैंट कमान का नाम बदल दिया है। भारत इसके केंद्र में है। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में एक असाधारण बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। हमारे सामने कुछ बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे आ रहे हैं जिन पर हमें उनके साथ मिलकर काम करना होगा। हमें उन पर भी काम करना होगा, जो यूक्रेन में, साथ ही इस क्षेत्र में हो रही घटनाओं को भी प्रभावित करते हैं। रुबियो ने राजदूत पद के लिए गोर के चयन को बिल्कुल उपयुक्त बताते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि इस पद पर अमेरिका का प्रतिनिधित्व किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाए, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का विश्वास प्राप्त हो, जो उनका करीबी हो।

यूक्रेन ने रूस पर कर दी ड्रोन्स की बौछार, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 221 को रातोंरात मार गिराया

कीव/मास्को, एजेंसी। रूस ने 221 यूक्रेनी ड्रोन्स मार गिराए हैं। मॉस्को के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने रातोंरात इन ड्रोन्स को नष्ट कर दिया। इनमें से आधे से ज्यादा ड्रोन ब्रायंस्क और स्मोलेंस्क इलाकों में उड़ रहे थे। 28 ड्रोन लेनिनग्राद क्षेत्र में और 9 मॉस्को क्षेत्र में मार गिराए गए। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्सांद्र द्रोजदेंको ने बताया कि बाल्टिक सागर के प्रिमोर्स्क बंदरगाह पर एक जहाज में आग लग गई, लेकिन उस पर काबू पा लिया गया और तेल रिसाव का कोई खतरा नहीं है। ये हमले ऐसे समय हुए जब पोलैंड ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने इस हफ्ते उनके इलाके में ड्रोन हमला किया। मॉस्को ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि इसके कोई सबूत नहीं हैं कि ड्रोन रूसी थे। हालांकि, फ्रांस और जर्मनी ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इन आरोपों पर चर्चा के लिए आपात बैठक भी बुलाई। रूस यूक्रेन पर अक्सर ड्रोन हमले करता रहा है, जो उसकी वहां चल रही सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है। इस बीच, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपने देश की सेना के लिए आधुनिकीकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। यूरोपीय अधिकारियों ने बुधवार को पोलैंड में ड्रोन की घुसपैठ को जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया है। इसने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि पोलैंड के पड़ोसी देशों के बीच तीन साल से जारी युद्ध व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है।

यूएस में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या, सिर धड़ से अलग कर दिया; वॉशिंग मशीन के लिए हुआ था झगड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, 50 वर्षीय भारतीय मूल के चंद्रमौली नागमल्लैया की एक मोटल में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने उन्हें पत्नी और बेटे के सामने ही सिर काटकर मौत के घाट उतार दिया। यह वारदात 10 सितंबर को डाउनटाउन सुइट्स मोटल पर हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौके पर खून से सनी जमीन, क्राइम सीन टेप और शव के पास खड़ा पुलिस बल देखकर लोग सहम गए। पुलिस ने योरडानिस कोबोस-मार्टिनेज को हत्या का आरोपी बताया है। घटना की शुरुआत तब हुई जब नागमल्लैया ने कोबोस-मार्टिनेज और उसकी महिला सहयोगी को कहा कि खराब वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल न करें। यह बात महिला सहयोगी ने अनुवाद करके आरोपी तक पहुंचाई। आरोपी को गुस्सा इस बात पर आया कि नागमल्लैया ने सीधे उससे बात करने के बजाय महिला के जरिए संदेश दिया। तभी उसने अपने पास छुपाई मशेटे (तेज धार वाली बड़ी छुरी) निकाली और हमला बोल दिया। नागमल्लैया भागकर मोटल की पार्किंग में पहुंचे और मदद के लिए चिल्लाने लगे।

डिजाइनर हैंडबैग, शानो-शौकत भरी जिंदगी; नेपाल के नेपो किड जिनको देख भड़के युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पिछले एक सप्ताह से भीषण विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। सरकारी अक्षमता और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन अब राष्ट्रव्यापी विद्रोह का रूप ले चुका है। युवा पीढ़ी, खासकर जनरेशन ʻ, इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है। प्रदर्शनकारियों के दबाव और हिंसा के बढ़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,000 से अधिक घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी भवनों, नेताओं के निजी घरों और यहां तक कि पर्यटन केंद्रों के होटलों को आग के हवाले कर दिया। नेपाल की संसद भी लपटों में घिर गई। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि सेना को सड़कों पर उतरकर कर्फ्यू लागू करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की कोशिश करनी पड़ रही है। इस गुस्से के पीछे लोगों की नेताओं के बच्चों की आलीशान जिंदगी भी एक वजह है।

नेपो किड्स बने गुस्से का कारण : इस उथल-पुथल के केंद्र में पीढ़ीगत असंतोष है, जहां साधारण नेपाली बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और गहरी गरीबी से जूझ रहे हैं, वहीं राजनीतिक नेताओं के बच्चे (नेपो किड्स) सोशल मीडिया पर लग्जरी कारें, डिजाइनर बैग और विदेशी छुट्टियां दिखाकर अपनी ऐशोआराम की जिंदगी

का प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकटॉक, इंस्टाग्राम, रेडिट और एक्स पर राजनेताओं के बच्चों की शानदार लाइफस्टाइल को उजागर करने वाले पोस्ट और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो और पोस्ट्स में नेताओं के बच्चों की शानो-शौकत की तुलना आम जनता की बाढ़, बिजली कटौती और महंगे खाने जैसी परेशानियों से की गई।

ये नेपो किड आए निशाने पर : शृंखला खतिवाड़ा- पूर्व मिस नेपाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बिरोध खतिवाड़ा की बेटी शृंखला खतिवाड़ा लक्जरी लाइफस्टाइल के कारण निशाने पर आईं। उनका घर प्रदर्शनकारियों ने जला दिया। अब उनके इंस्टाग्राम पर से एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स घट गए। शिवाना श्रेष्ठा- शिवानी एक सिंगर और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की बहू हैं। वे भी निशाने पर रहीं। उनके वीडियो में लग्जरी मकानों और महंगे कपड़ों का प्रदर्शन दिखाया गया। वह और उनके पति जयवीर सिंह देउबा को ऑनलाइन निशाना बनाया गया, जहां उन्हें करोड़ों की संपत्ति वाले राजनीतिक परिवारों का उदाहरण बताया गया। रेडिट पर उन्हें नेपो बेबी ऑफ फॉरेन अफेयर्स कहा गया। स्मिता दाहाल- स्मिता पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की पोती हैं। उन्हें लाखों रुपये के महंगे हैंडबैग्स के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा क्योंकि आम नेपाली नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रचंडा का घर भी प्रदर्शनकारियों द्वारा निशाना बनाया गया। सौगत थापा- सौगत कानून मंत्री बिंदु कुमार थापा के बेटे हैं। उनकी ऐशो-आराम की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुईं। उनके फोटो प्रदर्शनों के दौरान खूब प्रसारित हुए। एक वायरल तस्वीर में उन्होंने लुई विटॉन, कार्टियर और गुच्ची के बॉक्स से क्रिसमस ट्री बनाया था, जो आक्रोश का कारण बना। वह आंसुवारा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जो उनके पिता द्वारा स्थापित है।

इंस्टाग्राम हैंडल डिएक्टिवेट : इनमें से अधिकतर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को डिएक्टिवेट कर लिया है। वहीं काठमांडू और उसके बाहर, प्रदर्शनकारियों ने इन परिवारों के घरों को आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सामान्य जनता गरीबी में मर रही है, जबकि ये नेपो किड्स लाखों के कपड़े पहनते हैं। नेपाल लंबे समय से एशिया के सबसे भ्रष्ट देशों में गिना जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्टों में लगातार भ्रष्टाचार की उच्च स्तर पर पुष्टि हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में कम से कम 71 मिलियन डॉलर की हेराफेरी हुई थी। एक अन्य मामले में, भूटान से विस्थापित शरणार्थियों के कोटे को बेचने में नेताओं की संलिप्तता पाई गई थी। लेकिन ऐसे मामलों में सजा बेहद दुर्लभ है। यही धारणा जनता में बनी कि नेताओं को जवाबदेही से बचाया जाता है। लगातार हिंसा और दबाव के बीच 73 वर्षीय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने चौथे कार्यकाल के दौरान ही इस्तीफा दे दिया। अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने भी पद छोड़ दिए।

मोदी और ट्रंप की लड़ाई कराने की कोशिश में थे नवारो; टैरिफ तनाव पर पूर्व अमेरिकी एनएसए का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में एनएसए का पद संभालने वाले जॉन बोल्टन ने दावा किया है कि पीटर नवारो ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच में लड़ाई करवाने की कोशिश की थी। वर्तमान में ट्रंप के व्यापारिक सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलते नजर आते हैं। बोल्टन ने पीटर की बयान बाजी को नजर अंदाज करने की सलाह देते हुए कहा कि भारत को सोशल मीडिया की धमकियों और शोरगुल से दूर रहकर कड़ी मेहतन करते हुए व्यापारिक वार्ता के जरिए यह देख सकता है कि दोनों देश किस समझौते पर पहुंच सकते हैं।

एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में पूर्व अमेरिकी एनएसए ने वाइट हाउस के वर्तमान ट्रेड एडवायजर पीटर नवारो को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा, पीटर को अगर एक कमरे में बंद कर दिया जाए और एक घंटे बाद देखा जाए, तो वह अपने आप से ही बहस कर रहे होंगे। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई एक बैठक को लेकर बात करते हुए बोल्टन ने कहा कि नवारो भी वहां पर मौजूद थे। उस समय पर भी वह व्यापारिक मुद्दों को लेकर दोनों नेताओं के बीच में बहस करवाना चाहते थे। बोल्टन से जब इस मीटिंग के बारे में और पूछा गया, तो उन्होंने

कहा, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप वहां के साथ वहां पर मैं और नवारो भी मौजूद थे। मैं चाहता था कि असली मुद्दों जैसे की चीन, वैश्विक रूप से बड़े खतरों और नीति पर चर्चा हो....लेकिन नवारो व्यापारिक नीतियों पर ही बात करना और करवाना चाहते थे, जो कि उन्हें लगता था कि निष्पक्ष नहीं थी। बोल्टन ने कहा,देखो, मैंने हमेशा ही ऐसा देखा है कि व्यापारी नीतियों को लेकर शिकायत करते ही हैं, क्योंकि यह काम ही ऐसा है। अमेरिका और भारत के बीच में व्यापार बिना किसी संदेह के बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं व्यापार को कम करके नहीं आंक रहा हूं। यह दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में बहुत बड़ा अंतर लाता है, लेकिन इस सदी की बाकी समस्याएं जो कि अमेरिका और भारत के अस्तित्व से जुड़ीं है वह भी बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। अमेरिका के पूर्व एनएसए ने कहा, दोनों देशों को और उनके लोगों को यह समझना होगा।

भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं। गोर ने कहा, अगर आपने गौर किया होगा तो जब राष्ट्रपति ट्रंप दूसरे देशों के ऊपर हमला (वाक् युद्ध) करते हैं, तो वह उस समय उनके नेताओं पर भी हमला बोलते हैं। लेकिन जब राष्ट्रपति भारत की आलोचना करते हैं तो वह प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के लिए अपनी सीमा से आगे निकल जाते हैं। उन दोनों के बीच में एक अविश्वनीय संबंध है। आपको बता दें सर्जियो गोर को ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त कर दिया गया है।

रूस से भिड़ने की तैयारी में यूरोप? फ्रांस ने पोलैंड में तैनात किए राफेल; नाटो का अनुच्छेद 4 लागू

वारसॉ, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पोलैंड में तीन राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती की घोषणा की। यह तैनाती रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के जवाब में नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने और यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के बाद, मैंने हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर पोलिश हवाई क्षेत्र और नाटो के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा में योगदान देने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात करने का फैसला किया है। फ्रांसीसी नेता ने बताया कि उन्होंने बुधवार को इस फैसले के बारे में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से सीधे बात की थी। उन्होंने नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के

साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा की। मैक्रों ने कहा कि ये देश भी पूर्वी मोर्चे की रक्षा में समान रूप से सक्रिय हैं। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि रूस के बढ़ते खतरे के खिलाफ यूरोप की रक्षा फ्रांस और नाटो की रणनीति का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा, यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम रूस की बढ़ती धमकियों के सामने नहीं झुकेंगे।

अनुच्छेद 4 को लागू किया : यह घोषणा तब आई जब पोलैंड की सेना ने कहा कि उसने इस सप्ताह की शुरुआत में रूसी ड्रोनों को मार गिराया, जो पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। इसके बाद, पोलैंड ने नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू किया, जिसमें सहयोगी देशों के बीच खतरे पर विचार-विमर्श के लिए परामर्श की मांग की गई है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फ्रांस ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर नाटो वायु रक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में विमान तैनात किए हैं। पोलैंड के उपप्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि इस घटना का पैमाना यह दर्शाता है कि यह रूस द्वारा जानबूझकर किया गया कार्य था। सीएनएन के अनुसार, उन्होंने कहा कि पोलैंड के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोनों की संख्या इसे एक सुनियोजित कृत्य बनाती है। पोलैंड के आंतरिक मंत्री ने बाद में कहा कि देश भर में 16 ड्रोन देखे गए थे, जिनके मलबे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए थे। पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन..पोलिश संसद को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने चेतावनी दी कि भले ही पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, यह कहने का कोई कारण नहीं था कि पोलैंड युद्ध की स्थिति में है, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक संघर्ष के करीब है। टस्क ने कहा कि पोलैंड एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो अपनी शत्रुतापूर्ण मंशा को छिपाता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड ने नाटो संधि के अनुच्छेद 4 को लागू किया है, जो गठबंधन को सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए खतरे पर चर्चा करने और परामर्श करने की अनुमति देता है।

सेना के साथ मिलकर राजा को वापस लाने की साजिश? नेपाल के जेन-ʻ आंदोलन पर उठने लगे सवाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के एक प्रमुख नागरिक समाज संगठन, बृहत नागरिक आंदोलन (बीएनए) ने गुरुवार को एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि देश में सेना की मध्यस्थता के तहत राजतंत्र की बहाली हो सकती है। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, संघवाद, और समावेशी व्यवस्था को खत्म करने की गंभीर साजिश की आशंका जताई है। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद अंतरिम सरकार को लेकर गहन राजनीतिक बातचीत जारी है। बीएनए में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा कि नेपाल सेना का हाल के दिनों में राष्ट्रीय मामलों में बढ़ता हस्तक्षेप चिंताजनक है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार से देशव्यापी सुरक्षा अभियानों की कमान सेना ने अपने हाथों में ले ली है।

'साजिश रची जा रही है' : संगठन ने आरोप लगाया कि, जन-ʻ आंदोलन के शहीदों की लाशों के ऊपर एक गंभीर प्रतिक्रियावादी साजिश रची जा रही है- जो सेना की मध्यस्थता में राजतंत्र बहाल करने और धर्मनिरपेक्षता, संघीयता तथा अनुपातिक समावेशी प्रणाली को समाप्त करने की दिशा में बढ़ रही है। माई रिपब्लिका पोर्टल के अनुसार, बीएनए ने कहा कि इस तरह की कोशिशें पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। बयान में कहा गया, हमारे आंदोलन का उद्देश्य कभी भी गणतंत्र और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को पलटना नहीं था और न ही सेना की असंवैधानिक सक्रियता को बढ़ावा देना। जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रपति, संवैधानिक संरक्षक की भूमिका में, जेन-जेड क्रांति को सफलता की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करें। बीएनए ने यह भी स्पष्ट किया कि बनने वाली किसी भी नई नागरिक सरकार को संविधान की जड़ों में दृढ़ रहना होगा, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का प्रतिरोध करना होगा तथा उसमें किसी भी प्रकार के प्रतिक्रियावादियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। नेपाल ने 2008 में राजतंत्र को समाप्त कर गणतंत्र की स्थापना की थी। हालांकि, इस वर्ष आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच कई बार राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन भी देखे गए। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को उस समय इस्तीफा दे दिया जब सैकड़ों प्रदर्शनकारी उनके कार्यालय में घुस गए और उनसे पद छोड़ने की मांग की। यह प्रदर्शन सोमवार को भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ भड़के थे। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया। अपने भविष्य को लेकर चिंतित नेपाल जहां नई शुरुआत की प्रतीक्षा कर रहा है, वहीं बांग्लादेश और श्रीलंका में सरकारों को हिंसक तरीके से उखाड़ फेंकने की घटनाओं से इसकी समानताएं सामने आई हैं। इसके बाद पर्यवेक्षक इस अराजकता के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका पर विचार कर रहे हैं।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप, क्वाड को मजबूत करने के लिए जल्द आएंगे भारत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के कारण भारत के साथ खराब हुए रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। दोनों ही देशों के नेतृत्व ने इसकी पहल की है। इस सबके बीच भारत के लिए नॉमिनेट किए गए नए राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड देशों की बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप भारत आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल तारीख तय नहीं हुई है। गोर ने कहा, क्वाड बैठक को लेकर बातचीत हो चुकी है। बिना सटीक तारीख बताए मैं कह सकता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप क्वाड की निरंतरता और उसके सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। पिछले साल यह रिपोर्ट आई थी कि क्वाड में शामिल भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया इस साल भारत में शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर विचार कर रहे थे। 2024 का क्वाड शिखर सम्मेलन भारत में होने वाला था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश यात्रा में असमर्थ रहने और चुनावी व्यस्तताओं के चलते इसे अमेरिका शिफ्ट किया गया था। इस साल की बैठक पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित बैठक से अलग होगी, क्योंकि अमेरिका और जापान में नए नेतृत्व हैं। सर्जियो गोर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस साल जापान की यात्रा कर चुके हैं और वहां के प्रधानमंत्री से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, वे भी क्वाड का हिस्सा हैं और उन्होंने भी इस रिश्ते की अहमियत पर जोर दिया है, जिस पर हमें आगे काम करना है।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप : गोर ने बताया कि हाल ही में अलास्का में दोनों देशों के 500 सैनिकों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, टैरिफ पर कुछ मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन भारत-अमेरिका संबंध कहीं ज्यादा गहरे और लंबे समय के भरोसे पर टिके हैं। गोर ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका भारत के साथ अपने रिश्तों को इतना मजबूत करना चाहता है कि भारत चीन से दूरी बनाए। उनके अनुसार, भारत का रिश्ता अमेरिका के साथ कहीं ज्यादा गर्मजोशी भरा है, न कि बीजिंग के साथ।

न रिश्वत, न पक्षपात; भ्रष्टाचार से निपटने को इस देश ने एआई बॉट को नियुक्त किया मंत्री

प्रीस्टीनिया , एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश अल्बानिया ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनूठा कदम उठाया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बॉट को मंत्री नियुक्त किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा, जो अपना चौथा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं, ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने नई सरकार में एक नए मंत्री को नियुक्त किया है, जो सार्वजनिक खरीद विभाग का कार्यभार संभालेगा। प्रधानमंत्री रामा ने बताया कि नया मंत्री एक एआई बॉट होगा, जिसे डिएला नाम दिया गया है। डिएला पर धमकियों और रिश्वत का असर नहीं पड़ेगा और न ही वह पक्षपात कर सकेगा। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकेगा।

अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि डिएला, जिसका अर्थ सूर्य होता है, उन सभी सार्वजनिक निविदाओं का प्रबंधन और आवंटन करेगा, जिनमें सरकार विभिन्न

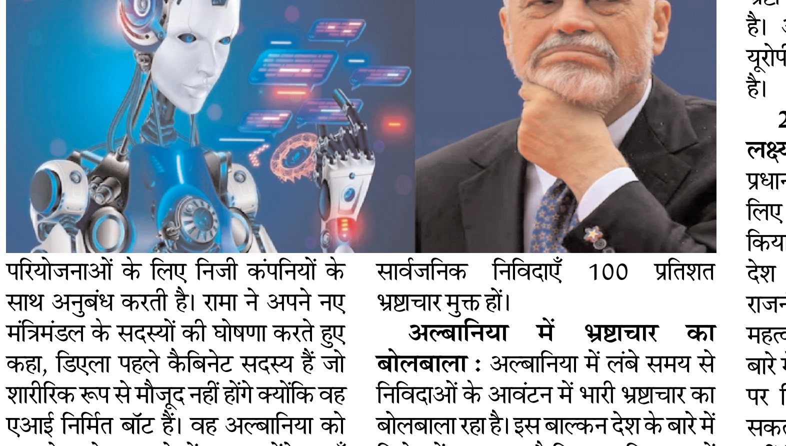

परियोजनाओं के लिए निजी कंपनियों के साथ अनुबंध करती है। रामा ने अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा करते हुए कहा, डिएला पहले कैबिनेट सदस्य हैं जो शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे क्योंकि वह एआई निर्मित बॉट हैं। वह अल्बानिया को एक ऐसा देश बनाने में मदद करेंगे, जहाँ सार्वजनिक निविदाएँ 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त हों।

अल्बानिया में भ्रष्टाचार का बोलबाला : अल्बानिया में लंबे समय से निविदाओं के आवंटन में भारी भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। इस बाल्कन देश के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुनिया भर में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी से कमाई गई ब्लैक मनी को व्हाइट करने की कोशिश करने वाले गिरोहों का बड़ा केंद्र है, और जहाँ भ्रष्टाचार सत्ता के गलियारों तक पहुँच गया है। अल्बानिया की इस छवि ने उसके यूरोपीय संघ में एंट्री को मुश्किल कर दिया है।

2030 तक भ्रष्टाचार मुक्त होने का लक्ष्य : यही कारण है कि अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एआई बॉट का सहारा लेने का फैसला किया है। वह चाहते हैं कि 2030 तक उनका देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जाए। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी है। दूसरी तरफ, सरकार ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया है कि डिएला पर किस तरह की मानवीय निगरानी हो सकती है, या उस जोखिम का भी कोई ज़िक्र नहीं किया गया है कि कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले बॉट में हेरफेर कर सकता है या नहीं। नया मंत्री कैसे करेगा काम डिएला को मूल रूप से इस साल की शुरुआत में ई-अल्बानिया प्लेटफ़ॉर्म पर एक एआई-संचालित आभासी सहायक के रूप में लॉन्च किया गया था, जो नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी दस्तावेज़ प्राप्त करने में मदद करता है। पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक पहने, वह आवाज़ के ज़रिए सहायता प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक स्टाम्प के साथ दस्तावेज़ जारी करता है, जिससे नौकरशाही में होने वाली देरी कम होती है।

हालांकि, सरकार की नई मुहिम पर लोगों ने अभी से ही सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। एक फ़ेसबुक उपयोगकर्ता ने कहा- अल्बानिया में डिएला व्यवस्था भी भ्रष्ट हो जाएगी। एक अन्य ने कहा- चोरी जारी रहेगी और डिएला को दोषी ठहराया जाएगा।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 2586

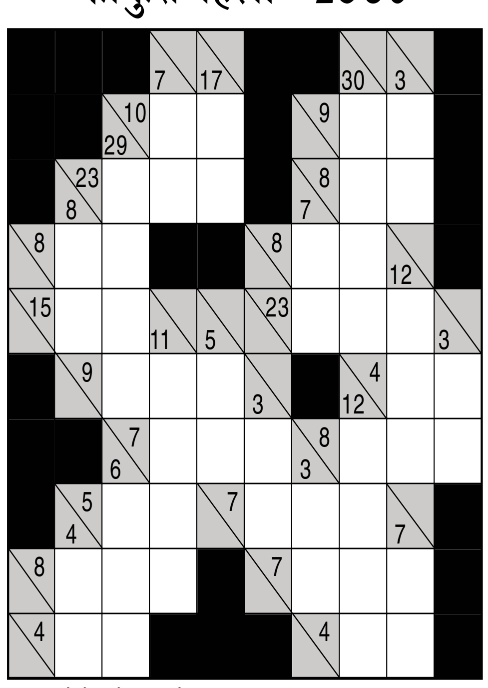

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

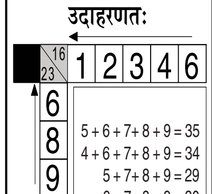

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2585 का हल

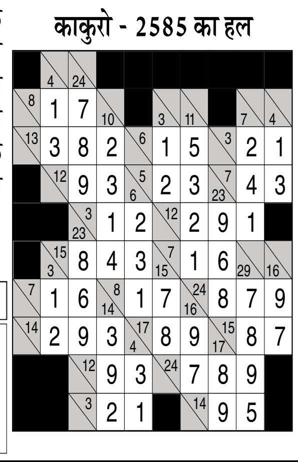

लॉफिंग ज़ोन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है. लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मै उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर यही आदत बन जाती है, तो मै समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब मे धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पत्नी को मगरमगछ खा गया.

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

☺ ☺ ☺

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे सारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मै जो तुम्हारी हालत करुंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2586

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2585

सूडोकु -2586

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2585 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 2586

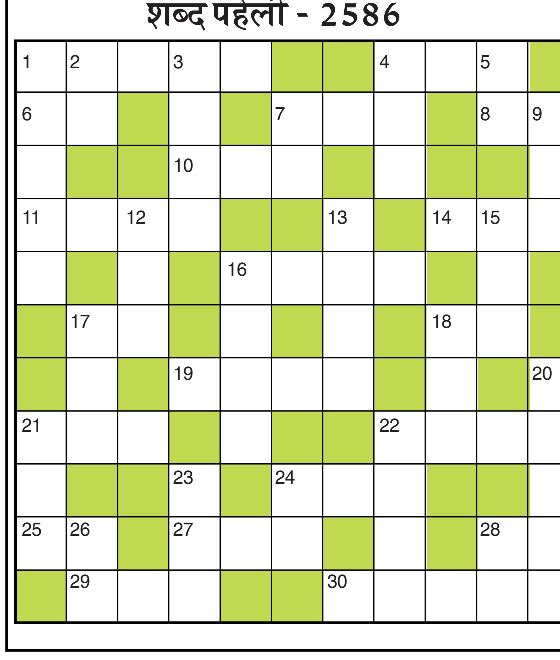

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -2585 का हल

तकनीकी श्रेष्ठता और औद्योगिक शक्ति अक्सर युद्ध का परिणाम निर्धारित करती है : रक्षा सचिव

एजेंसी

मुंबई। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पुणे में कहा कि आज के बदलते दौर में तकनीकी श्रेष्ठता और औद्योगिक शक्ति अक्सर युद्ध का परिणाम निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि निरंतर बदलते दौर में सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक एवं निजी उद्योग, डीआरडीओ जैसे अनुसंधान संस्थानों और अकादमिक जगत के बीच सहयोग बढ़ाया जाना आवश्यक है। रक्षा सचिव सिंह आज महाराष्ट्र के पुणे में दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित 'प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का तालमेल' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी व्यवधान न केवल युद्ध की प्रकृति, बल्कि उद्योग के व्यवसाय को भी तेज़ी से बदल रहा है, उन्होंने सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकी रुझानों से अवगत रहने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। रक्षा सचिव ने कहा कि हमारे देश में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.66 फीसदी ही अनुसंधान एवं विकास में उपयोग किया जाता है। इसमें से 2/3 सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान जैसे डीआरडीओ, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, चिकित्सा अनुसंधान द्वारा खर्च किया जाता है।

भारत-यूरोपीय संघ ने सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी और सूचना सुरक्षा समझौते पर जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी और सूचना सुरक्षा समझौते को शीघ्र संपन्न करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और यूरोपीय संघ परिषद की राजनीतिक एवं सुरक्षा समिति (पीएससी) के सदस्यों के बीच यहां हुई बैठक में दोनों पक्षों ने सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पवन कपूर, सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। एशिया की अपनी पहली यात्रा पर आए 30 सदस्यीय पीएससी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समिति की अध्यक्ष डेल्फिन प्रोंक ने किया। प्रतिनिधिमंडल में यूरोपीय आयोग और यूरोपियन एक्सटर्नल एक्शन सर्विस के अधिकारियों के साथ-साथ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूत भी शामिल रहे। दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी और सूचना सुरक्षा समझौते को शीघ्र संपन्न करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके साथ ही, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को वर्ष के अंत तक पूरा करने के लिए नेताओं द्वारा वार्ता टीमों को दिए गए निर्देशों पर भी चर्चा की गई।

पटना में ओयोजित जिलों के समग्र विकास सम्मेलन में देश भर के विशेषज्ञों ने योजनाओं के क्रियान्वयन पर किया मंथन

पटना। पटना में जिलों के समग्र विकास पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन देशभर से आए वरिष्ठ प्रशासकों, नीतिनिर्माताओं और विशेषज्ञों ने सहभागी शासन और सतत् विकास के सफल अनुभव साझा किए। चर्चाओं का फोकस पारदर्शिता बढ़ाने, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की प्रभावशीलता, समग्र शासन दृष्टिकोण और प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के व्यापक क्रियान्वयन पर रहा। दूसरे दिन के चौथे सत्र की अध्यक्षता भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक एस. एन. त्रिपाठी ने की। उन्होंने योजनाओं की समयबद्ध उपलब्धता के लिए पारदर्शिता और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी सुधारात्मक पहलों की महत्ता पर बल दिया। जिलास्तरीय अनुभवों के अंतर्गत, पटना के जिलाधिकारी त्यागराजन एस. एम. ने बच्चों में श्रवण क्षमता ह्रास की समस्या के समाधान के लिए विकसित अभिनव मॉडल प्रस्तुत किया। आंगनबाड़ी ढांचे और विभागीय समन्वय का उपयोग करते हुए बिना अतिरिक्त बजट व्यय के यह पहल अनेक बच्चों के लिए जीवन बदलने वाला साबित हुई। पूर्वोत्तर भारत से अनुभव साझा करते हुए जनजातीय कार्य मंत्रालय, केंद्र सरकार की निदेशक डॉ. वर्णाली डेका ने असम के नलबाड़ी जिले की 'कोई पीछे न छूटे' (नो वन लेफ्ट बिहाइंड) पहल पर प्रकाश डाला।

म्यांमार सेना का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा पूर्वी कमान मुख्यालय, उपहार में दी आईटी लैब उपकरण

कोलकाता। म्यांमार सेना का एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग पहुंचा। म्यांमार से इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल को को ऊ, कमांडर बीएसओ-1 ने किया। वहीं, भारत की ओर से पूर्वी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्गा के अनुसार द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वहीं, भारतीय सेना ने म्यांमार सेना के प्रतिनिधिमंडल को डिजिटल प्रशिक्षण क्षमताओं को मज़बूत करने और सूचना प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए उन्नत आईटी लैब उपकरण भेंट किए। साथ ही म्यांमार ने सेना में डिजिटल ट्रेनिंग क्षमताओं को बढ़ाना और सूचना प्रबंधन को सुदृढ़ करने को लेकर बुनियादी रक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी-संचालित सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को रेखांकित किया। भारतीय सेना द्वारा किया गया समर्थन म्यांमार के रक्षा ढांचे को आधुनिक बनाने और प्रौद्योगिकी आधारित सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच गहरे होते रणनीतिक और रक्षा संबंधों का प्रतीक है।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 14 सितंबर को इंदौर में 'परिक्रमा कृपा सार' पुस्तक का करेंगे विमोचन

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रविवार, 14 सितंबर को मध्य प्रदेश के प्रवास इंदौर आएंगे। इस दिन इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'परिक्रमा कृपा सार' पुस्तक का विमोचन होगा। यह विमोचन सरसंघचालक डॉ. भागवत के करकमलों से किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन नर्मदा खंड सेवा संस्थान, मगरौन जिला दमोह द्वारा किया जा रहा है। यह पुस्तक नर्मदा परिक्रमा कर चुके मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा लिखी गई है। यह जानकारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने देर शाम इंदौर में पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि उन्हें नर्मदा नदी से विशेष लगाव है। यह पुस्तक उनके जीवन की दो

महत्वपूर्ण नर्मदा परिक्रमा यात्राओं से प्रेरित है। मंत्री पटेल ने कहा कि उन्होंने पहली परिक्रमा 1994 से 1996 के दौरान अपने गुरुदेव बाबा श्रीजी की सेवा करते हुए की थी। इसके बाद दूसरी परिक्रमा 2005 में सपत्नीक और सहयोगियों के साथ पूर्ण की। इन यात्राओं के अनुभवों और भावनाओं का संग्रह ही इस पुस्तक के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक 30 वर्ष पूर्व प्रथम नर्मदा परिक्रमा और जबलपुर में परम पूज्य बाबा श्रीजी के चातुर्मास के दौरान लिखे गए समसामयिक लेखों का संकलन है। सहयोगियों के अनुरोध पर उन्होंने इस पुस्तक को प्रकाशन के लिए तैयार किया। हिंदी दिवस के अवसर पर इंदौर की धरती पर इस पुस्तक का विमोचन होना उनके लिए सौभाग्य और मां नर्मदा की कृपा का प्रतीक है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंत्री पटेल ने राज्य में चल रहे जल संरक्षण अभियानों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले साल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू करने की बात कही थी। तब उन्होंने यह सोचा कि वे इस अभियान में अपनी क्या भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे भारत सरकार में जल शक्ति मंत्री रह चुके हैं।

अवैध खनन, अवैध कटाई और बांधों के नाम पर हुई लूट की सीबीआई जांच ज़रूरीः चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि पंजाब में आई बाढ़ के लिए अवैध खनन, अवैध कटाई और बांधों के निर्माण के नाम पर हुई लूट जिम्मेदार है, जिसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। मीडिया से बातचीत में तरुण चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने जनता द्वारा मांगे गए ज्वलंत जवाबों से अधिक सवाल पैदा किए हैं। चुग ने कहा कि आपदा प्रबंधन, घोषणाओं और कैमरे के सामने दिए वादों से नहीं चलता। बाढ़ की मार झेल रहे लोगों को हेडलाइन नहीं, राहत चाहिए। मुख्यमंत्री मान कहते हैं कि पंजाब को केवल 1,500 करोड़ रुपये मिले। दूसरी ओर, पंजाब प्रशासन खुद एसडीआरएफ-एनडीआरएफ खातों में बड़े पैमाने पर एंट्री मान रहा है। सच कौन सा है? अगर पैसा कागज पर है तो किसानों, मज़दूरों और घर-घर तक क्यों नहीं पहुंचा? चुग ने वादों और डिलीवरी की खाई पर भी सवाल किया। उन्होंने पूछा कि 2023 में मान सरकार ने 15,000 रूपये प्रति एकड़ मुआवज़ा घोषित किया था। ये पैसा कितनों को मिला? अब 20,000 रूपये प्रति एकड़ की बात हो रही है। घोषणा से नहीं, समयबद्ध भुगतान से ज़ख्म भरते हैं। गिरदावरी कराएं, लाभार्थी सूची ऑनलाइन डालें और दिवाली से पहले भुगतान करे। आम आदमी पार्टी नेताओं और खुद मुख्यमंत्री मान के बाढ़ के शुरुआती दिनों में अनुपस्थिति पर चुग ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपदा पार्टी के राज में पंजाब में सरकार है, लेकिन शासन नहीं। चुग ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की भूमिका पर भी सवाल उठाया।

कर्नाटक में गणेश विसर्जन जुलूस में ट्रक घुसने से 8 लोगों की मौत

एजेंसी

हासन। कर्नाटक के हासन जिले में शाम एक माल से लदे ट्रक ने गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों को कुचल दिया, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना हसन जिले के हसन तलुका में मोसाले होसाहल्ली रेलवे फाटक के पास हुई। पुलिस के अनुसार, मोसाले होसाहल्ली में गणेश विसर्जन के दौरान ट्रक चालक ने तेज गति से वाहन चलाकर गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल भीड़ को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि जुलूस में मोसाले होसाहल्ली, हिरेहल्ली और आसपास के गांवों के लोग शामिल थे। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। ड्राइवर भुवनेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों ने उसे गाड़ी से बाहर खींचकर पीटा। ट्रक ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी, फिर एक डिवाइडर से टकराया और अंततः गणेश विसर्जन के लिए आई भीड़ को कुचल दिया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य ने अलग-अलग अस्पतालों में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि आठ मृतकों में से पांच इंजीनियरिंग के छात्र थे। मृतकों के शवों को सामुदायिक

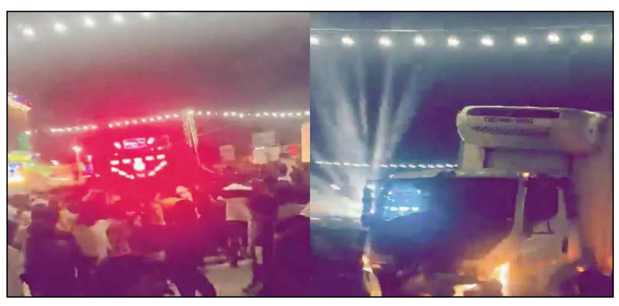

स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में भेज दिया गया है। गंभीर रूप से घायलों को हासन शहर और होलेनरसीपुर कस्बे के सरकारी और विभिन्न निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक्स पर लिखा, ÷हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान हुई भीषण दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है, जहां कई लोगों की जान चली गई और 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बेहद दुखद है कि गणपति जुलूस के दौरान एक ट्रक की चपेट में आने से श्रद्धालुओं की जान चली गई। कुमारस्वामी ने कहा, यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग को मिला FSAI का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी

लखनऊ। नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन हॉल में FSAI (Fire and Security Association of India) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में महाकुंभ-2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को 'ब्रेवरी एवं सुपर हीरो ऑफ फायर सर्विसेज अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान (IPS) के नेतृत्व में टीम को प्रदान किया गया।

महाकुंभ-2025 की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरुआत से ही 'सुरक्षित महाकुंभ' का संकल्प लिया था। उनकी दूरदृष्टि और निरंतर निगरानी के चलते न सिर्फ फायर एवं इमरजेंसी सर्विसेज को अत्याधुनिक तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराए गए, बल्कि बड़े स्तर पर संसाधनों और जनशक्ति की भी तैनाती की गई। यही कारण रहा कि इतने विशाल आयोजन में आगजनी की किसी भी घटना से जनहानि नहीं हुई और महाकुंभ का समापन सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक हुआ। एडीजी

पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विभाग ने गंभीर से गंभीर अग्निकांड पर भी त्वरित काबू पाया और पूरे 45 दिन के आयोजन में शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। इस दौरान 185 अग्निकांड और 24 बड़ी आग की घटनाओं पर काबू पाते हुए लगभग 16.5 करोड़ रुपये की संपत्ति को सुरक्षित बचाया गया। सम्मान पाने वालों में प्रमुख रूप से प्रमोद शर्मा (नोडल ऑफिसर महाकुंभ मेला), अंकुश मित्तल (सीएफओ), रमेश तिवारी (सीएफओ), संजीव कुमार (फायर ऑफिसर) और अमित कुमार (सेकंड फायर ऑफिसर) शामिल रहे। प्रमोद शर्मा ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट ने आयोजन से पहले जो युद्धस्तर की तैयारियां की थीं, ये उसी का नतीजा है कि आयोजन के दौरान हमारी टीम ने दिन रात अग्निजनित घटनाओं का पूरी बहादुरी से सामना किया और शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया।

राजस्थान को पर्यटन में बनायेंगे नंबर वन डेस्टिनेशन, पर्यटन विभाग जल्दी ही शुरू करेगा पर्यटन ऐप : दिया कुमारी

एजेंसी

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2025 की भव्य शुरुआत हुई। तीन दिवसीय इस महत्त्वपूर्ण आयोजन का पहला दिन राजस्थान की परंपरा और आधुनिकता के संगम का सजीव उदाहरण बना। सिटी पैलेस में हुए उद्घाटन सत्र में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान पर्यटन विभाग की कमिश्नर रुक्मणि रियाड़, एफएचटीआर प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला, एफएचटीआर महासचिव सीए वीरेंद्र एस. शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र एस. शाहपुरा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की परंपरा, संस्कृति

और मेहमाननवाज़ी हमारी असली ताक़त है। आरडीटीएम 2025 इसी पहचान को और सशक्त बनायेगा और राज्य को पर्यटन जगत की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि हमें पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान को दुनिया का नंबर वन डेस्टिनेशन बनाना है। हम जल्दी ही राजस्थान में पर्यटन ऐप शुरू करेंगे जिसकी सहायता से पर्यटकों को राजस्थान घूमना आसान हो जाएगा खासकर महिला पर्यटकों को यह पर्यटक ऐप राजस्थान घूमने के अनुभव को अच्छा और सुरक्षित बनाएगा। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में पर्यटक सुविधाओं का विकास कर रहें हैं। हम शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण का कार्य भी कर रहें हैं। राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर,कला, संस्कृति के संरक्षण पर हमारा विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ़ पर्यटन को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह निवेश, रोज़गार और स्थानीय समुदायों के विकास का भी सेतु है। आरडीटीएम के ज़रिए राजस्थान वैश्विक मानचित्र पर और भी मज़बूती से उभरेगा। राजस्थान पर्यटन विभाग की कमिश्नर रुक्मणि रियार ने कहा कि आरडीटीएम 2025 सिर्फ़ एक आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की बदलती हुई पर्यटन दृष्टि और संभावनाओं का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प के चलते रेल से जुड़ेगा मिजोरम : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

आइजोल। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बइरबी-सायरंग रेलवे लाइन शुरुआत से एक दिन पहले इस रेल खंड का दौरा किया और दो स्टेशनों के बीच यात्रा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के कारण आज पूर्वोत्तर का एक और राज्य बाकी देश से जुड़ने जा रहा है। रेल मंत्री ने यहां सायरंग में पत्रकारों से कहा कि कल प्रधानमंत्री मिजोरम की रेल कनेक्टिविटी का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि परियोजना काफी कठिन थी और प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ संकल्प के कारण हम इसे पूरा कर पाए। परियोजना के बारे में मंत्री ने कहा कि इस रेलवे लाइन में 45 सुरंगे और 55 बड़े एवं 88 छोटे पुल हैं। एक पुल की ऊंचाई कुतुब मीनार से भी ज्यादा यानी 114 मीटर है। कल प्रधानमंत्री रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे। तीन ट्रेनों का परिचालन शुरु होगा और ये ट्रेन राजधानी आइजोल को देश के अन्य राज्यों से जोड़ेगी। रेल मंत्री ने कहा कि इस रेल कनेक्टिविटी से सबसे बड़ा लाभ माल ढुलाई का सस्ता होना है। जल्द ही माल ढुलाई भी शुरू होगी। इससे सीमेंट, स्टील और अन्य सामग्री को यहां तक पहुंचना आसान होगा। जीएसटी में हालिया कटौती के साथ माल ढुलाई सस्ती होने से मिजोरम के लोगों को दोहरा लाभ होगा। प्रधानमंत्री कल तीन नई एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें सायरंग (आइजोल)-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) राजधानी एक्सप्रेस, सायरंग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस शामिल हैं।

वोट की डकैती होगी, तो नेपाल की तरह जनता यहां भी सड़क पर दिखाई देगी : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नेपाल में हिंसक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वोट की डकैती होगी, तो पड़ोसी देश की तरह जनता यहां भी सड़क पर दिखाई दे सकती है।

सपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया और कहा कि चुनाव आयोग को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि वोट चोरी कहीं ना हो, नहीं तो जो पड़ोस में जनता करती दिख रही है, हो सकता है कि वह यहां भी सड़कों पर करती दिखाई देगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर पर चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर काम करेगा। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि देश की पहली प्राथमिकता पड़ोसी देशों और हमारे बॉर्डर पर शांति होनी चाहिए। भारत सरकार अपनी विदेश नीति में फेल हुई है। वहां की आंतरिक राजनीति में क्या हुआ, उस पर बहुत सारी स्टोरीज आ रही हैं क्योंकि सोशल मीडिया के समय में कोई सीमा नहीं है। नेपाल के संदर्भ में सिर्फ एक पहलू को देखकर हम

कोई निर्णय नहीं ले सकते हैं।

सपा मुखिया ने कहा कि वहां और भी कई सवाल थे, जैसे- गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि। साथ ही, जिस पीढ़ी के बारे में बात कर रहे हैं, वो लोग भी सोशल मीडिया पर कुछ चीजें बता रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि करप्शन, किडनैप और डिजिटल अरेस्ट में यूपी सबसे आगे है। सबसे ज्यादा लोग सीएम आवास के बाहर जहर खाकर मर रहे हैं। पंचायती राज में 60 प्रतिशत कमीशन चल रहा है। भाजपा के नेताओं के पास कोई काम नहीं है, वे खोखले हैं। इस दौरान अखिलेश ने यह भी कहा कि सिख समाज की बहादुरी के चर्चे बहुत पुराने हैं। अपनी मेहनत से उन्होंने अपना स्थान बनाया है।

कोल इंडिया के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अनिवार्य होगा यूनिफॉर्म : रेड्डी

एजेंसी

रांची। कोल इंडिया के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए जल्द ही वर्दी (यूनिफॉर्म) अनिवार्य होगा। इसकी शुरुआत 17 सितंबर 2025 श्रमिक दिवस, विश्वकर्मा पूजा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से होगी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने झारखंड की राजधानी रांची में इसकी जानकारी दी।केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आजादी के बाद पहली बार कोयला खदानों में काम करने वाले कर्मचारियों के सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए यूनिफॉर्म लागू किया जा रहा है। यह यूनिफॉर्म कोल इंडिया की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कोल माइंस में कार्यरत कर्मचारियों के लिए अनुग्रह राशि (एक्सग्रेशिया) राशि को 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों को मौजूदा जीवन बीमा के अलावा एक करोड़ रुपये का अतिरिक्त बीमा प्रदान किया जाएगा।

गांधीसागर गिद्धों के लिए तो मशहूर है ही, अब यहां चीता भी दौड़ रहा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल/मंदसौर। जल ही जीवन है और जल से ही जीवन का यौवन है। जल से जुड़ी पर्यटन गतिविधियों का विकास हमारा लक्ष्य है। वॉटर स्पोर्ट्स का इनार्मस एडवेंचर (असाधारण रोमांच) अब गांधीसागर बांध की एक नई पहचान बनेगा। गांधीसागर बांध क्षेत्र का पूरा कैचमेंट एरिया और बैकवॉटर का प्राकृतिक सौंदर्य स्विट्जरलैंड की वादियों से भी ज्यादा आनंदित करने वाला है। गांधीसागर पहले से ही गिद्धों के लिए मशहूर है, लेकिन अब यहां चीता भी दौड़ रहा है। जल और वन्यजीव पर्यटन के मामले में गांधीसागर अब देश-दुनिया में मशहूर हो रहा है। यह कहना रहा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का। वे मंदसौर जिले के गांधीसागर बांध क्षेत्र में फॉरेस्ट रिट्रीट के चौथे संस्करण के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा बांध के बैकवॉटर एरिया में विकसित टेंट सिटी का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ के प्रभाव क्षेत्र में चंबल मैया के किनारे गांधीसागर का संबंध गंगाजी से जुड़ रहा है। शिप्रा नदी चंबल में आकर मिलती है और यही धारा आगे जाकर यमुना नदी में

मिलती है। चंबल नदी के बगैर यमुना की धारा अधूरी है। हजारों साल से मंदसौर, नीमच और बरसों से बीहड़ रहे क्षेत्र को चंबल मैया का आशीर्वाद मिल रहा है। चंबल नदी में घड़ियाल और डॉलफिन का भी बसेरा है। चंबल का पानी स्वच्छता में सर्वोत्तम है। गंगा मैया देवभूमि उत्तराखंड से निकलती है। कोलकाता में गंगा नदी में मालवांचल की मिठास भी घुली हुई है।डॉ. यादव ने कहा कि जल ही जीवन की धुरी है। पृथ्वी पर जीव की उत्पत्ति जल से हुई है। जल से स्नान करने पर शरीर की थकावट दूर हो जाती है। सनातन धर्म की सभी परम्पराओं और संस्कारों में जल का बड़ा महत्व है। गांधीसागर बांध क्षेत्र में वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी की शुरुआत हो गई है। अब यह सम्पूर्ण क्षेत्र वॉटर स्पोर्ट्स में रूचि रखने वाले देश-दुनिया के सभी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में जलमार्गों से ही आवागमन होता था। उज्जैन से मां शिप्रा के माध्यम से गंगा नदी से देशभर के अन्य स्थानों तक पहुंचा जा सकता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास और जल संस्कृति के संरक्षण का नारा दिया है। गांधीसागर बांध क्षेत्र में पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मंदसौर सिर्फ गांधीसागर के लिए नहीं, अफीम उत्पाद जिले के लिए भी फेमस है। अफीम की भाजी का स्वाद लेने का एक अलग ही आनंद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में किसानों की हितैषी और संवदेनशील सरकार है। प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को प्राकृतिक आपदा या कीट प्रकोप से किसानों की फसल को हुए नुकसान का जल्द से जल्द सर्वे पूरा करने और राहत राशि देने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

जीवंत लोकतंत्र वही, जिसमें विधायी मंचों पर होने वाला संवाद सार्थक और समाज की आवाज बने: नरेन्द्र सिंह तोमर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा संवाद में निहित होती है। विधायी संस्थाएँ वह मंच हैं, जहाँ विविध विचारों का टकराव नहीं बल्कि उनका समन्वय होता है। यहीं पर नीतियों की दिशा तय होती है और शासन व्यवस्था को जनहित की कसौटी पर कसा जाता है। एक जीवंत लोकतंत्र वही है, जिसमें विधायी मंचों पर होने वाला संवाद सतत, सार्थक और समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज़ को प्रतिबिंबित करने वाला हो। विधायिका में संवाद और चर्चाएं औपचारिक प्रक्रियाएं है जहां निर्वाचित प्रतिनिधि प्रस्तावित विधेयकों, नीतियों और राष्ट्र एवं प्रदेश को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर विचार विमर्श करते हैं। मप्र विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने यह विचार कर्नाटक के बेंगलुरू शहर में आयोजित तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के दूसरे दिन व्यक्त किए। उन्होंने सम्मेलन के प्रथम वक्ता के रूप में उद्बोधन देते हुए विषय का प्रवर्तन किया। सम्मेलन का विषय विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चाः जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम है। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरवंश, राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, विधानमंडलों के सभापति एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि विधायिका केवल सत्ता परिवर्तन का उपकरण न बने, बल्कि वह सामाजिक परिवर्तन का संवाहक बने। जब सदन में किसानों की समस्या, महिला सुरक्षा, युवाओं की शिक्षा, आदिवासी कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी विकास जैसे विषयों पर गंभीर और तथ्यपरक चर्चा होती है, तभी जनता के मन में यह विश्वास जागृत होता है कि उनकी आवाज़ें सुनी जा रही हैं और लोकतंत्र उनके लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा सदन में सार्थक चर्चा एवं संवाद के लिए किए गए प्रयासों को भी अपने उद्बोधन में रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि आज के समय में जब तकनीक और सूचना का युग है। मध्य प्रदेश विधानसभा ने भी अपनी कार्यप्रणाली में नवाचारों को अपनाते हुए संवाद को और अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाया है। ई-विधान प्रणाली की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सदन की कार्यवाही को डिजिटल माध्यम से लाइव प्रसारित करना, दस्तावेजों की ऑनलाइन उपलब्धता, प्रश्नों और विधेयकों की ट्रैकिंग, ये सभी पहल जनता को विधान प्रक्रिया से सीधे जोड़ने का कार्य कर रही हैं।

एशिया कप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत हासिल करने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम हालांकि इस मैच में जीत की प्रबल दावेवारी है क्योंकि उसकी बल्लेबाज और गेंदबाजी पाकिस्तान से बेहतर है। अभी तक दोनो ही टीमों ने अपनी शुरुआती मैच जीत लिए है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की जबकि पाक का ओमान से जीत में जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंक तालिका में अभी भारतीय टीम पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम के सुपर 4 में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने आठ बार खिताब जीता है, वहीं पाकिस्तान ने केवल दो बार ही जीत हासिल की है।

भारत और पाक टीमों ने दुबई मैदान में पहले भी खेला है। इस मैदान पर स्पिनरों को अधिक सहायता मिलती है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर है जिसका लाभ वे उठाना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों की जीत उनकी अंतिम ग्यारह पर भी निर्भर करेगी।

पाक के खिलाफ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ही करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खासकर अर्शदीप सिंह को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये देखना होगा। वहीं मध्य क्रम की .कमान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे पर रहेगी। .ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को अवसर मिलेगा सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, पंड्या, दुबे, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के पास रहेगी।

पाकिस्तान की टीम में सैम अयूब, शाहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस, फखर जमां और सलमान आगा पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रही। वहीं गेंदबाजी की कमान स्पिनर मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम और अबरार अहमद पर रहेगी। .

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह।

पाकिस्तान = सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उन्हें 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना आम बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि एजीएम में बीसीसीआई पांच प्रमुख पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सौरव गांगुली को अपना नियुक्त किया है। ऐसे में गांगुली को भी बोर्ड के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। वह पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष रहे हैं।

बीसीसीआई एजीएम के मुख्य एजेंडे में बीसीसीआई बोर्ड अध्यक्ष सहित शीर्ष पदाधिकारियों के चुनाव और नियुक्ति भी शामिल है। जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल है। बैठक में शीर्ष परिषद के लिए एक आम सभा प्रतिनिधि और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए दो सदस्यों के नाम पर भी फैसला होगा। हरभजन भारत की 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सलाहकार रहे हैं। इस बार वह अपने राज्य संघ के प्रतिनिधि के रूप में पहली बार उपस्थित रहेंगे।

वहीं इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम भी बीसीसीआई अध्यक्ष के लिए सामने आया था पर सचिन ने इससे इंकार कर दिया था। वहीं हभजन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों एजीएम को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया सचिव, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष और रोहन देसाई संयुक्त सचिव जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

हांगकांग ओपन: सात्विक-चिराग सत्र के पहले फाइनल में पहुंचे

हांगकांग (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उनके पास इस साल खिताब जीतने का लंबा इंतजार खत्म करने का मौका है। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई।

आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियां 3-3 और 6-6 से बराबरी पर थीं। लेकिन सात्विक के स्मैश और चिराग के तेज 'इंटरसेप्शन' की बदौलत भारतीय जोड़ी 11-8 से आगे हो गई। हालांकि ताइवानी जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर लिया लेकिन भारतीय जोड़ी ने 15-12 से बढ़त बना ली।

चिराग के तेज रिटर्न के साथ दूसरे गेम प्वाइंट पर गेम अपने नाम कर लिया। अगले गेम में चेन और लिन मजबूत शुरुआत कर 4-2 से आगे थे, लेकिन भारत ने 6-6 से बराबरी हासिल कर ली। चिराग की कुछ गलतियों के कारण ताइवानी जोड़ी 10-8 से आगे हो ली। लेकिन सात्विक ने एक और तेज स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। फिर भारतीय जोड़ी ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए स्कोर 17-15 कर दिया। जल्द स्कोर 19-15 हो गया। लेकिन चेन की एक नेट गलती ने सात्विक और चिराग को पांच मैच प्वाइंट दिला दिए।

एशिया कप में पाकिस्तान पर हमेशा भारी पड़ी है भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर रविवार को एशिया कप में टकरायेंगी। इस मैच को लेकर भारी रोमांच रहता है। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के लिए सभी तैयारियों हो गयी हैं और दोनो ही टीमें आपस में टकराने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम ने अपने अपने पहले ही मैच में मेजबान यूएई को एकतरफा मुकाबले में हराकर अपने इरादे जता दिये हैं। वहीं पाकिस्तान ने पहले मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद ओमान को हराया है। दोनों टीमें एक ही ग्रुप में है। भारतीय टीम अंक तालिक में पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो एशिया कप में अब तक दोनों ही टीमों के बीच 18 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को 10 बार जबकि पाकिस्तान को 6 बार जीत मिली है। भारतीय टीम रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का फाइनल कभी नहीं हुआ है। एशिया कप की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें तब से अभी तक 18 बार आमने-सामने आई हैं। दोनों टीमों के बीच 1997 और 2023 में एक एक मुकाबला परिणाम रहित रहा। 15 बार एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में हुआ। फॉर्मेट में इसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि पाकिस्तान ने 5 बार जीत हासिल की है। दो मुकाबलों का परिणाम नहीं मिला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए एशिया कप मुकाबलों में विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 मैचों में 476 रन बनाए हैं।

बटलर ने दक्षिण अफीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 30 गेंदों पर ही 83 रन बनाये

–रोहित और जोनाथन का रिकार्ड तोड़ा

ओल्ड ट्रैफर्ड (एजेंसी)। इंग्लैंड के जोस बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दो अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में अपनी बल्लेबाजी से बटलर ने रोहित शर्मा और जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बटलर ने केवल 30 गेंदों में 83 रन बनाये। वहीं 65 रन पावरप्ले में बने। बटलर ने फिल साल्ट के साथ 126 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पावर प्ले में 100 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पावरप्ले में यह किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के पहले छह ओवरों में 65 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

बटलर का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पॉवरप्ले में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 73, पॉल स्टर्लिंग ने 67 और कॉलिन मुनरो ने 66 रन बनाये थे। वहीं चौथे स्थान रहे हैं हेड ने 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि स्टर्लिंग और मुनरो ने क्रमशः 2020 और 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

बटलर ने 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

बटलर ने इस दौरान 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो किसी भी पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा 80 से अधिक रनों की सबसे तेज पारी है। उन्होंने भारत के रोहित द्वारा 2017 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, रोहित ने तब 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 260 से अधिक की स्कोरिंग रेट से 80 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के लिए जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड 46 में से 118 रन को तोड़ दिया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने

सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

चहल की तरफ बनना चाहते हैं आर्यवीर कोहली

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली ने इस बार दिल्ली प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आर्यवीर विराट की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि लेग स्पिनर हैं। वह युजवेंद्र चहल जैसा गेंदबाज बना चाहते हैं और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। आर्यवीर ने चहल ओर वार्न दोनों के वीडियो देखकर स्पिन की बारीकियां सीखीं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में आर्यवीर ने यह खुलासा किया है। चहल अच्छे प्रदर्शन के बाद भी करीब दो साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2023 में खेला था। वो अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में मैदान में उतरे थे। इससे पहले जनवरी 2023 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच खेला था। चहल हालांकि आईपीएल में सक्रिय हैं। वो पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। वहीं विराट टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद अब केवल एकदिवसीय में ही खेलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्यों जरूरी है भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और भारत सरकार को वर्तमान में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के अपने फैसले के लिए प्रशंसकों की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सभी आलोचनाओं के बीच पूर्व भारतीय खेल मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि जब एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट की बात आती है तो ऐसी प्रतियोगिताएं अपरिहार्य हैं।

एशियाई दिग्गज भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012 13 में द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना किया था। तब से दोनों टीमें एशिया कप या वनडे और टी20 विश्व कप जैसी वैश्विक या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे से भिड़ती रही हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जब एसीसी या आईसीसी द्वारा बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और आवश्यकता बन जाती है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाएगा, उन्हें मैच छोड़ना होगा और दूसरी टीम को अंक मिलेंगे। लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है। हमने वर्षो से यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान भारत पर आतंकवादी हमले बंद नहीं कर देता तब तक भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा।' गौर है कि एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी, भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी: पूर्व क्रिकेटर भारत

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, 'भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है।'

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है।इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं। ओनाना ने अपने दूसरे सीजन में 50 मैच खेले, जिसके बाद त्राब्जोंसपोर के साथ जुड़ने के लिए राजी हो गए। उन्होंने इस सीजन में अब तक यूनाइटेड के लिए केवल एक मैच खेला है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ओनाना प्री-सीजन के दौरान टीम के साथ नहीं खेल पाए थे। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में एक गलती की, जिसके चलते यूनाइटेड को काराबाओ कप में हार झेलनी पड़ गई।

विश्व तीरंदाजी : रिकर्व स्पर्धा में गाथा की हार से भारत की उम्मीदें समाप्त हुईं

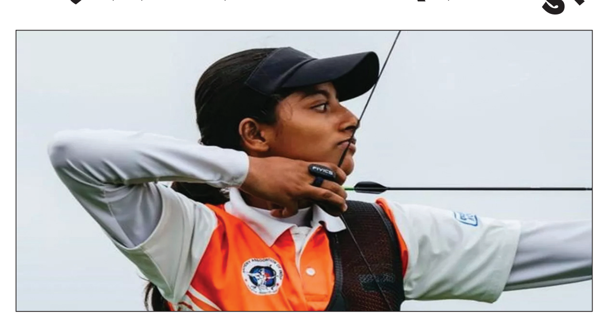

सियोल । दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जारी विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी रिकर्व में फिर असफल रहे हैं। इस चैंपियनशिप में 15 साल की युवा तीरंदाज गाथा खड़के के हारते ही इस वर्ग में भारत की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयीं। प्री-क्वार्टर फाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में गाथा को कोरिया की लिम सी-ह्योन से 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही रिकर्व वर्ग में भारतीय टीम का अभियान समाप्त बिना किसी पदके के ही समाप्त हो गया। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों ने एक ऐतिहासिक स्वर्ण सहित दो पदक जीते। यह लगातार तीसरा मौका है जब भारतीय रिकर्व तीरंदाज विश्व चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटे हैं। भारत ने आखिरी बार 2019 में रिकर्व में पदक जीता था, जब तरूणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने रजत पदक हासिल किया था। इस बार टूर्नामेंट में अनुभवी तीरंदाजों ने भी निराश किया। अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी पहले ही दौर में बाहर हो गईं।इसी प्रकार शीर्ष क्रम के पुरुष रिकर्व तीरंदाज और धीरज बोम्मदेवरा भी असफल रहे।

अर्शदीप को टीम से बाहर रखने पर भारतीय कोच ने तोड़ी चुप्पी, कहा- यह कोई एजेंडा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप 2025 के मुकाबले के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम की प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह को न चुनने के फैसले पर खुलकर बात की। ज्यादातर प्रशंसकों और विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि पंजाब के इस तेज गेंदबाज को टीम में टूर्नामेंट के पहले मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खेलते हुए देखा जाएगा।

यूएई के खिलाफ भारत ने एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह को चुना, जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को अंशकालिक विकल्प के रूप में तीन स्पिन विकल्पों के साथ उतारा गया। अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के बारे में पूछे जाने पर कोटक ने कहा कि ऐसे फैसलों के पीछे कोई एजेंडा नहीं होता।

सीतांशु कोटक ने कहा, 'क्योंकि मुख्य कोच और कप्तान के साथ हमारी पहली बातचीत यही होती है कि जाहिर है ये 15 खिलाड़ी ऐसे ही हैं। हर कोई खेलने का हकदार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी नहीं खेल रहा है तो उसके लिए मुश्किल होगी क्योंकि उसे लगेगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। लेकिन आखिरकार यह एक टीम खेल है। इसलिए सभी जानते हैं कि इसमें कोई एजेंडा नहीं है कोई व्यक्तिगत पसंद-नापसंद नहीं है। टीम के लिए जो भी सबसे अच्छा होगा कप्तान और मुख्य कोच वही तय करेंगे और मुझे नहीं लगता कि किसी के मन में कोई संदेह है। इसलिए जो भी नहीं खेल रहा है वे हमेशा उन खिलाड़ियों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं जो खेल रहे हैं।'

गौर है कि अर्शदीप सिंह ने 63 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 5/37 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 99 विकेट लिए हैं। पंजाब के अर्शदीप भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 17 साल बाद टीम को अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वह 8 मैचों में 17 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

मैंने अपमान का जवाब अपमान से नहीं दिया

कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शो राइज एंड फॉल को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में पूर्व पति युजवेंद्र चहल के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी मैरिज लाइफ में बुरा व्यवहार झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने सोच-समझकर बदला नहीं लेने का फैसला किया। धनश्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा से ही रिश्ते में सम्मान को प्राथमिकता दी, भले ही उन्हें अपमान का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, शादी में दोनों की इज्जत एक-दूसरे के हाथ में होती है। चाहती तो मैं भी गलत बोल सकती थी। आप सोचते हैं कि मेरे पास कुछ कहने के लिए नहीं है क्योंकि मैं औरत हूं? लेकिन वो मेरे पति थे। मैंने शादी के वक्त भी उनकी इज्जत की, और अब भी करना जरूरी है क्योंकि मैं कभी उनसे शादीशुदा थी। बता दें कि धनश्री और चहल ने 2020 में सगाई की और उसी साल दिसंबर में गुरुग्राम में शादी कर ली थी, जिसमें उनके परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के पांच साल बाद फरवरी 2025 को दोनों का तलाक हो गया। धनश्री की बात करें तो वह अपने फ्यूजन डांस परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, जिसमें वह पारंपरिक भारतीय नृत्य शैलियों को समकालीन शैलियों के साथ मिलाती हैं। धनश्री वर्मा अब रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रही हैं। यह शो मशहूर बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। वह खुद राइज एंड फॉल शो की कास्टिंग और उसके रिजेक्शन पर नजर रख रहे हैं। शो का कॉन्सेप्ट कुछ बिग बॉस के जैसा ही है। इसमें कंटेस्टेंट को अलग-अलग टास्क में खुद को साबित करना होगा। बताया जा रहा है कि इस शो में कुछ कंटेस्टेंट राजा के रूप में एक आलीशान पेंटहाउस के अंदर दिखेंगे, जबकि कुछ मजदूरों की तरह एक साधारण बेसमेंट में रहकर पेंटहाउस तक पहुंचने के लिए खूब संघर्ष करते दिखाई देंगे। शो 6 सितंबर से प्रतिदिन दोपहर 12 बजे अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है।

मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नही

वाणी कपूर ने करियर की शुरुआत से अब तक हमेशा अपने किरदारों में विविधता और चुनौती को प्राथमिकता दी है। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसवुमन का किरदार हो या 'शुद्ध देसी रोमांस' की आजाद लड़की, वाणी ने कभी आसान राह नहीं चुनी। इस बार उन्होंने ओटीटी डेब्यू में एक यंग लेकिन मजबूत इमोशनल ग्राउंड वाली पुलिस अफसर रिया थॉमस का किरदार निभाया है। इस बातचीत में वाणी बताती हैं कि कैसे कैमरे के सामने वो फीलिंग्स भी असली हो गईं, जो सिर्फ स्क्रिप्ट में लिखी थीं। कैसे 'कपूर' सरनेम के साथ नेपोटिज़्म के आरोपों से लड़ते हुए उन्होंने खुद को साबित किया और क्यों उन्होंने कभी पैसा या फेम नहीं बल्कि सिर्फ सही काम को चुना।

रिपिटेशन से बचना चाहती थी

वाणी कपूर ने कहा, इससे पहले कभी किसी वेब सीरीज में काम नहीं किया था। यह ऑफर जब आया तो मन में पहली बात यही आई कि अब ओटीटी पर आ रही हूं तो कुछ बिल्कुल अलग और नया करना चाहिए। हर बार खुद से यही उम्मीद करती हूं कि कुछ नया लेकर आ सकूं, अपने लिए और दर्शकों के लिए भी। रिपिटेशन से बचना चाहती हूं। मेरी हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश रही है। फिर चाहे रेड 2 में हाउसवाइफ का किरदार हो, चंडीगढ़ करे आशिकी में एक ट्रांसवुमन का या शुद्ध देसी रोमांस में जयपुर की एक आजाद ख्याल लड़की का।

कपूर हूं लेकिन नेपो प्रोडक्ट नहीं

लोग सोचते हैं कि मैंने शुद्ध देसी रोमांस के लिए ऑडिशन दिया और आसानी से फिल्म मिल गई। ऊपर से मेरा सरनेम कपूर है तो लोग सोचते हैं मैं नेपोटिज्म प्रोडक्ट हूं। मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नहीं। मैं दिल्ली से बहुत सकुचा-सकुचा के अकेले मुंबई आई थी। किसी ने गारंटी दी नहीं थी कि मुझे काम मिलेगा। मेरे साथ मेरी एक दोस्त आई थी क्योंकि मैं शहर में अकेले रहने से डरती थी। फैमिली बहुत ओवरप्रोटेक्टिव थी। उस वक्त तो दिल्ली लड़कियों के लिए बहुत अनसेफ लगती थी। मेरी दिल्ली में ही अकेले रहने की हिम्मत नहीं थी। हमें हमेशा डराया जाता है कि इंडस्ट्री में सब बुरे लोग होते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। अच्छी फिल्में, अच्छे बैनर और अच्छे लोग भी होते हैं।

फेम और पैसों ने मुझे कभी अट्रैक्ट नहीं किया

वाणी ने कहा, पैसा सर्वाइव करने के लिए जरूरी है। फेम के पीछे मैं भागी नहीं क्योंकि वो बाई प्रोडक्ट है। मेरे काम को देखकर लोग प्यार देते हैं तो दिल बस उसी में खुश हो जाता है। मैं कभी पैसों के पीछे भागी नहीं, नहीं तो बहुत सारे प्रोजेक्ट कर लिए होते। यही है कि मैं जितनी भी जिंदगी जिऊं पर जब पीछे मुड़कर देखूं तो खुद पर गर्व हो कि यार मैंने कुछ ऐसा किया, जिस पर मुझे भरोसा था या मैं करना चाहती थी। इसी को सेल्फ बिलीव कहते हैं, जिसको मैंने जाने नहीं दिया। ऐसा नहीं कि पैसों या फेम का प्रेशर नहीं था। हालांकि, इन सबने ने मुझे कभी अट्रैक्ट नहीं किया। अच्छे काम ने अट्रैक्ट किया और अच्छा काम बहुत मुश्किल से मिलता है। वो कहते हैं ना कि भगवान के करीब जाने के लिए ध्यान करो, धैर्य रखो। मतलब उनको पाने के लिए आपको इंतजार करना पड़ेगा। ऐसे में धैर्य ही वो चाबी है, जिसे हर किसी की किस्मत का ताला खुल सकता है।

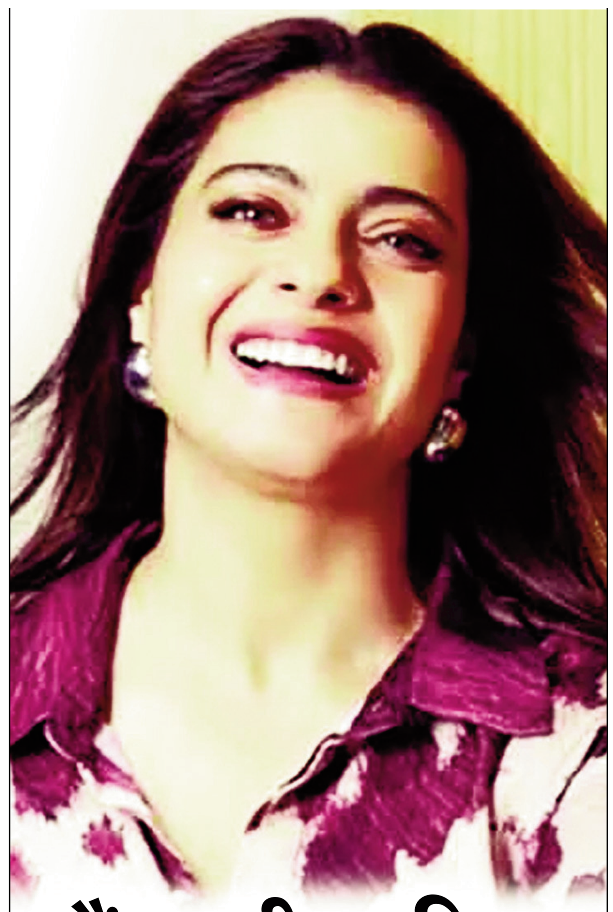

मैं अपनी हर फिल्म की मालिक हूं, फिर चाहें हिट हो या फ्लॉप

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह अपनी हर फिल्म को पूरी तरह से अपनाती हैं। फिर चाहे वह सुपरहिट हो जैसे दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी खुशी कभी गम या फिर ऐसी फिल्में जो ज्यादा नहीं चलीं जैसे गुंडाराज और हलचल। वह जल्द ही सीरीज द ट्रायल के सीजन 2 में नजर आएंगी। अपनी फिल्मों को लेकर काजोल का बयान 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली काजोल ने बताया, मैं अपने करियर में कुछ भी बदलना नहीं चाहूंगी। उन्हें उन फिल्मों पर भी गर्व है, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, मेरी हर फिल्म ने मुझे कुछ सिखाया है। मैंने हर बार अपना 100 प्रतिशत दिया है। मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने कैमरे के सामने कभी बेईमानी नहीं की। काजोल ने अपने 30 साल के करियर के लिए आभार जातते हुए कहा, मैं आज भी प्रासंगिक हूं, यह मेरी किस्मत है। कई प्रतिभाशाली लोग हैं, जो शायद मेरे जितने भाग्यशाली नहीं रहे।

द ट्रायल-2 के बारे में

काजोल जल्द ही जियो हॉटस्टार की सीरीज द ट्रायल के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। द ट्रायल को लेकर काजोल ने बताया कि एक ही किरदार को दोबारा निभाना उनके लिए नया अनुभव था। फिल्म में किरदार एक बार खत्म हो जाता है, लेकिन सीरीज में आप उसे और निखारते हैं। यह बहुत मजेदार है। द ट्रायल का दूसरा सीजन 19 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी, जिसमें काजोल का किरदार नोयोनिका अब कानून की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी है और नई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी। द ट्रायल सीरीज अमेरिकी शो द गुड वाइफ का रूपांतरण है, जिसमें वह एक ऐसी गृहिणी की भूमिका में हैं, जो अपने पति की गिरफ्तारी के बाद वकील बनकर परिवार को संभालती है।

कोई नहीं जानता रामू क्या करेंगे

मुझे पता था वो सही दिशा में लौटेंगे

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जुगनुमा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' को भी काफी सराहना मिल रही है। अब लगभग 27 साल बाद मनोज बाजपेयी निर्देशक राम गोपाल वर्मा के साथ काम कर रहे हैं।

सत्या के बाद एक बार फिर राम गोपाल वर्मा के साथ काम कर रहे हैं। कितने उत्साहित हैं?

मैं उनका एक शेड्यूल पूरा कर चुका हूं। सच कहूं तो वह इंडस्ट्री के सबसे अनप्रेडिक्टेबल इंसान और डायरेक्टर हैं। उनके बारे में जो भी बातें होती हैं, उनमें से ज्यादातर लोग बस अंदाजा ही लगाते रहते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कोई भी यह नहीं बता सकता कि वह अगली बार क्या करने वाले हैं। मुझे हमेशा लगा कि जो लोग उनके बारे में नकारात्मक बातें करते हैं, वे एक दिन चौंक जाएंगे और अपने ही शब्द वापस लेने पड़ेंगे। क्योंकि यह आदमी कहीं जाने वाला नहीं था, बस थोड़े समय के लिए उन्होंने दूसरी दिशा चुन ली थी। मुझे पूरा विश्वास था कि जिस दिन वह फिर से अपनी दिशा में लौटेंगे, जादू रचेंगे।

कहा जाता है कि राम गोपाल वर्मा हमेशा अलग रास्ता चुनते हैं। आपका क्या मानना है?

यह बिल्कुल सच है। वह कभी किसी तय पैटर्न को नहीं मानते। हमेशा कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी भी है और यही वजह है कि उनके साथ काम करना हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है।

जब रामू ने आपको इस फिल्म के लिए अप्रोच किया, तो क्या आपने तुरंत हां कह दी?

मैं तो हमेशा उन्हें हां कहता हूं। चाहे वह मुझे लैम्प पोस्ट ही क्यों न बना दें। मेरे लिए रामू के साथ काम करने का मतलब हमेशा कुछ नया सीखना और जीना होता है। उनके प्रोजेक्ट्स को लेकर मेरे मन में कभी दूसरा विचार नहीं आता।

हमारी इंडस्ट्री बहुत अनिश्चित है। ऐसे में प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स को ना कहना कितना आसान है?

देखिए, जो इंतजार कर सकता है वह कर लेता है। जो नहीं कर सकता, उसके अपने कारण होते हैं। मैं उन्हें जाने देता हूं। लेकिन मैं बहुत लकी रहा हूं। चाहे मेरा बैड टाइम रहा हो या गुड टाइम, डायरेक्टर्स सिर्फ मेरे बारे में सोचकर मेरे पास आए। उन्होंने मुझे बहुत रिस्पेक्ट और स्पेस दिया। यहां तक कि बड़ी-बड़ी फिल्मों में भी मेरे लिए वेट किया गया।

सच्चा फेमिनिज्म वही है, जब औरत बिना डरे खुद के लिए स्टैंड ले सके

अपनी पिछली फिल्म सावी में अपनी भूमिका के लिए सराही जाने वाली दिव्या खोसला एक निर्देशक के रूप में यारियां में खुद को साबित भी कर चुकी हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एक चतुर नार से।

पर्दे पर आपने अब तक कई महिला प्रधान किरदार किए हैं, आपके लिए फेमिनिज़्म क्या है?

मुझे लगता है कि सच्चा फेमिनिज़्म वही है, जब आप बिना डरे निर्भय होकर खुद के लिए स्टैंड ले सकें। मैं मानती हूं कि जब आप बड़े हो रहे होते हैं, 17-18 साल के तब आप आप मासूम होते हैं। मैं जब उस उम्र में थी, तब बहुत घबरा जाती थी। मैंने इंडस्ट्री में बहुत छोटी उम्र में काम कर दिया था, मगर अब मैं वैसी नहीं रही। अब मैं मजबूत हो गई हूं। अब मैं पहले की तरह घबराती नहीं हूं। अपनी जिंदगी की सीख से बताना चाहूंगी कि घबराओ मत, अपना आत्मविश्वास पुख्ता रखो। जिंदगी में शॉर्टकट्स का इस्तेमाल मत करो। हर लड़की को यही कोशिश करनी चाहिए कि दुनिया में ऐसे न बह जाएं कि अपने आप को ही खो दें।

करियर में मुश्किल दौर क्या रहा है?

मेरे लिए मुश्किल दौर यही रहा है कि मुझे खुद को साबित करने के मौके नहीं मिले। अब जैसे इसी फिल्म का उदाहरण ले लीजिए, किसी को भी ऐसा नहीं लग रहा था कि मैं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली एक चालाक लड़की की भूमिका कर सकती हूं। वो मौके आपके पास आना जरूरी होते हैं और वो आपको निर्देशक ही दे सकते हैं। बतौर निर्देशक मेरी पहली फिल्म 2016 में आई थी और उसके बाद बतौर अभिनेत्री 2022-23 में आई, तो ऐसा नहीं है कि मेरे पास ऑफर्स की भरमार लगी रहती है। मैं जो कुछ हूं, अपने बलबूते पर हूं। मैं मानती हूं कि एक औरत को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है, फिर चाहे वो कहीं से भी हो।

आप मल्टी टास्किंग कैसे करती है?

मैं बहुत फोकस करती हूं। शूटिंग से सीधे घर जाती हूं। मेरे ज्यादा दोस्त भी नहीं हैं। मैं पार्टी वगैरह भी नहीं करती। जब मेरी फिल्म आती है, तब उसे प्रमोट करने के लिए निकलती हूं। साल भर में मैं किन्हीं इवेंट्स में भी नजर नहीं आती। महीनों गायब हो जाती हूं और अपने परिवार को वक्त देती हूं। तभी आप अपनी सैनिटी को बचाए रख पाते हैं। वरना आप

अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाओगे। मेरी मॉम मेरा बड़ा सपोर्ट सिस्टम रहीं, मगर आज वे नहीं हैं, तो उन्हें काफी मिस करती हूं। आम तौर पर लड़कियां जज्बाती होती हैं और जल्दी से रो देती हैं। जब तक मेरी मम्मा थीं, मैं झट से रो दिया करती थी, क्योंकि आपको पता होता है कि आपके पास कोई है, जिसके सामने आप रो सकते हो। मगर मम्मा के जाने के बाद अब मैं नहीं रोती .आज उनके जिक्र पर आंसू जरूर आ गए हैं (आंसू पोंछते हुए) मगर उनके जाने के बाद मेरा रोना बहुत कम हो गया है और मैं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हूं।

फिल्म में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण क्या था?

मेरे निर्देशक उमेश शुक्ला सेट पर मुझे बार-बार याद दिलाते थे कि यह लड़की कमीनी है। निर्देशक चाहते थे कि अब तक दर्शकों ने जो दिव्या देखी है, वो उन्हें इस फिल्म एक चतुर नार में देखने न मिले। मेरे लिए डिक्शन तो एक चुनौती थी ही, क्योंकि यह यूपी का किरदार है, इसके अलावा झुग्गी-झोपड़ी वाला लुक भी। मैं कभी झुग्गी-झोपड़ी में रही नहीं हूं, मगर इस किरदार के लिए मैं स्लम्स में जाकर रही। मगर वो दौर बहुत ही चैलेंजिंग था, जब कड़ाके की सर्दी के कारण मुझे 103 बुखार हो गया था। मगर वो कहते हैं न शो मस्ट गो ऑन, तो मैंने बीमारी हालत में भी इंजेक्शन लगा कर शूटिंग की।

उम्मीद करती हूं दर्शकों को फिल्म पसंद आएगी

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस पर उतार-चढ़ाव हमेशा से आते रहे हैं, मगर फिल्म अच्छी हो तो चल जाती है। फिर चाहे वो छोटी फिल्म क्यों न हो या फिर नए चेहरों के साथ ही क्यों न हो? हमारी फिल्म एक चतुर नार टेक्नॉलजी के मिसयूज पर आधारित है और इसमें कॉमिडी और थ्रिल का तड़का भी है, तो उम्मीद करती हूं, दर्शकों को पसंद आएगी।

खुशियां आती है मन के द्वार तो खोलिए....

ज़िंदगी जीना बहुत आसान है लेकिन हम लोग गलतियां करके उसे मुश्किल बना देते हैं। हर कोई जीवन में खुश रहना चाहता है, सकारात्मक होना चाहता है, अधिक क्रिएटिव और प्रोडक्टिव होना चाहता है। वर्तमान जीवन का उपहार है। इस तथ्य को जितना जल्दी समझ जाएं अच्छा होगा। आप जो भी काम करते हैं उसे खुशी और कुशलता से करें। आत्मनिर्भर बनें और अपने आप पर विश्वास रखें। कभी-कभी अपनी एक जैसी दिनचर्या से अलग हटकर कुछ करें। कम से कम साल में एक बार छुट्टियों पर जाने की कोशिश करें।

भरपूर पैसा और समाज में सम्मान पाना सभी का लक्ष्य होता है। लेकिन इस बेहतर जीवन को और उसके आनंद को पाने के लिए हम क्या करते हैं?.. कुछ नहीं।

क्या आप जानते हैं कि अच्छा परिवार, सच्चे दोस्त, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा एक सुखी जीवन के लिए पर्याप्त है, लेकिन हम अपनी पूरी ज़िंदगी लोगों के साथ खुद की तुलना करने में लगा देते हैं। अपने आपको भाग्यशाली मानने की बजाय अतिमहत्वाकांक्षी हो जाते हैं और उस चक्कर में ज़िंदगी का असली स्वाद लेना भूल जाते हैं।

याद रखें ज़िंदगी एक बार मिलती है इसलिए जब भी कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसे प्राप्त करने के लिए इमानदारी से पूरी कोशिश करें और अंत में क्या होगा इसकी चिंता किए बिना प्रयास करें। अपने लक्ष्य को पा लेने के बाद आप संतुष्टि और आनंद का अनुभव करेंगे। कई लोगों को भविष्य के बारे में चिंता करने की आदत-सी होती है।

ऐसा करने से वे वर्तमान का महत्व कम कर देते हैं। ऐसा लगातार करने से वे नकारात्मक विचारों से घिरे रहते हैं और दुखी होते रहते हैं। अगर याद ही करना है तो अतीत की सुखद घटनाओं को याद करें जो आपको खुशी दे। भविष्य तब ही सुनहरा होगा जब आप वर्तमान में कुछ उद्देश्यपूर्ण काम करेंगे। आपके आज के ही कामों से आपका भविष्य सुरक्षित होगा।

ऐसी चीजें आपको खुशी देगी और आपको नई ऊर्जा मिलेगी और ज़िंदगी फिर से जीवंत हो उठेगी। अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अच्छे काम के लिए दान करें। किसी की आलोचना करने से दूर रहें। लोगों में सकारात्मक गुण देखें और उनकी प्रशंसा करें। इसे आदत बनाने का प्रयास करें। यह आपको शांत और शालीन बनाएगा। क्रोध न करें अगर आए तो उस पर नियंत्रण करें। पहले पहल यह असंभव-सा लगेगा लेकिन आप इसे नियंत्रित करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। अपने अंदर से अहंकार को दूर करें और विनम्रता और करुणा पैदा करें, जब आप ऐसा करेंगे तो आप देखेंगे कि आपको गुस्सा नहीं आएगा और आप नकारात्मक भावनाओं से अपने आप दूर होने लगेंगे और यह सब आपको आंतरिक शांति और खुशी प्रदान करेगा। आज के ज़माने में आदमी इससे ज्यादा और क्या चाहता है? जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं। लेकिन जो अपनी समस्याओं और जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ता है उनका सामना अपनी पूरी क्षमता से करता है, और प्रयास करना नहीं छोड़ता है, वे लोग ही असली जीवन जीते हैं।

आपको करना बस इतना है कि अपना जीवन जीने का नज़रिया थोड़ा बदलना है। उसे एक सकारात्मक दृष्टिकोण देना है। तब आप देखेंगे कि एक-एक करके आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जा रहे हैं और आपके जीवन में खुशी, अच्छा स्वास्थ्य, सुखी परिवार और जो भी आपने अपनी ज़िंदगी से चाहा है वो सब आपको मिलने लगेगा।

सुपरमार्केट

शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

शॉपिंग ऐसी गतिविधि है जो कभी शौक तो कभी जरूरत के तौर पर हमारे लिए अहम होती है। जब शॉपिंग जरूरत की चीजों की हो, तो भीड़ के डर से अक्सर यह टलती जाती है। सुपर मार्केट कल्चर ने इसे काफी आसान कर दिया है। हालांकि यहां भी भीड़ से तो दो चार होना ही पड़ता है। ऑनलॉइन शॉपिंग ने सुपरमार्केट से कुछ हद तक भीड़ कम की है, परंतु अभी भी यहां शॉपिंग करना काफी मशक्कत भरा काम है। लेकिन कुछ खास टिप्स आपके इस अनुभव को आसान बना सकते हैं। खास बातें 1. यहां साप्ताह के दिनों में जाने की कोशिश करें, न कि सप्ताहांत में । 2. अपनी लिस्ट तैयार करके जाएं। 3. अगर सप्ताहांत में जा रहे हैं तो किसी फ्रेंड या दोस्त को बिल की लाइन में लगा दें। सप्ताह के उन दिनों में शॉपिंग करें जब सार्वजनिक अवकाश न हो ़ अगर आप कर पाएं, तो यह टिप आपकी काफी सहायता कर सकता है। हां, हम भी मानते हैं कि ऐसा करना मुश्किल है। भले ही आप हाउस वाइफ हों या वर्किंग वुमन। परंतु छुट्टी के दिन शॉपिंग पर जाने से आपकी छुट्टी सुपर मार्केट की भीड़ में बर्बाद हो जाती है। पहले तो सभी शेल्फ के पास भीड़ मिलेगी फिर बिलिंग में अलग लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ेगा।

अपनी सामान की लिस्ट के अनुसार शॉपिंग करें ़ हम सभी घर से कुछ खास सामान को दिमाग में लेकर निकलते हैं। सुपर मार्केट ललचाने वाले सामान से भरा हुआ होता है। ऐसे में पूरी संभावना है कि आप अपना समय और पैसा दोनों बर्बाद कर दें। बेहतर होगा अपनी लिस्ट के अनुसार खरीददारी करें।

सुपरमार्केट शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

ऑफर से बचें ़ आपकी जेब से पैसा निकलवाने का बहुत आसान उपाय है ऑफर। आपने इतनी छूट देखी और खरीद लिया ऐसा सामान जो बाद में न जाने कब काम आए। ऐसे में सस्ती चीजों के लालच से बचें।

किसी को बिलिंग लाइन में खड़ा करें :

सामान खरीदते समय, वक्त का पता नहीं चलता परंतु जैसे ही बिलिंग का समय आता है वैसे ही लाइन में मुश्किल हो जाती है। अगर आप वीकएंड पर सामान खरीद रहीं हैं तो किसी को लाइन में लगा दें ताकि जैसे ही सामान ले लिया जाए वैसे ही बिलिंग हो जाए।

रिश्तों की वो गरमाहट चली गई...

जिंदगी की जद्दोजहद ने इंसान को जितना मसरूफ बना दिया है, उतना ही उसे अकेला भी कर दिया है। हालांकि आधुनिक संचार के साधनों ने दुनिया को एक दायरे में समेट दिया है। मोबाइल, इंटरनेट के जरिए सात समंदर पार किसी भी पल किसी से भी बात की जा सकती है। इसके बावजूद इंसान बहुत अकेला दिखाई देता है। बहुत ही अकेला, क्योंकि आज के दौर में 'अपनापन' जैसे जज्बे कहीं पीछे छूट गए हैं। अब रिश्तों में वह गरमाहट नहीं रही, जो पहले कभी हुआ करती थी।

पहले लोग संयुक्त परिवार में रहा करते थे। पुरुष बाहर कमाने जाया करते थे और महिलाएं मिल-जुलकर घर-परिवार का कामकाज किया करती थीं। परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के लिए आदर-सम्मान और अपनापन हुआ करता था, लेकिन अब संयुक्त परिवार टूटकर एकल हो रहे हैं। महिलाएं भी कमाने के लिए घर से बाहर जा रही हैं। उनके पास बच्चों के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बच्चों का भी ज्यादा वक्त घर से बाहर ही बीतता है। सुबह स्कूल जाना, होम वर्क करना, फिर ट्यूशन के लिए जाना और उसके बाद खेलने जाना। जो वक्त मिलता है, उसमें भी बच्चे मोबाइल या फिर कम्प्यूटर पर गेम खेलते हैं। ऐसे में न माता-पिता के पास बच्चों के लिए वक्त है और न ही बच्चों के पास अपने बड़ों के लिए है। जिंदगी की आपाधापी में रिश्ते कहीं खो गए हैं शायद इसीलिए अब लोग परछाइयों यानी वर्चुअल दुनिया में रिश्ते तलाशने लगे हैं। लेकिन अफसोस! यहां भी वे रिश्तों के नाम पर ठगे जा रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट पर ज्यादातर प्रोफाइल फेक होते हैं या फिर उनमें गलत जानकारी दी गई होती है। झूठ की बुनियाद पर बनाए गए रिश्तों की उम्र बस उस वक्त तक ही होती है, जब तक कि झूठ पर पर्दा पड़ा रहता है। लेकिन जैसे ही सच सामने आता है, वह रिश्ता भी दम तोड़ देता है। अगर किसी इंसान को कोई अच्छा लगता है और वह उससे उम्रभर का रिश्ता रखना चाहता है तो उसे सामने वाले व्यक्ति से झूठ नहीं बोलना चाहिए। जिस दिन उसका झूठ सामने आ जाएगा उस वक्त उसका रिश्ता तो टूट ही जाएगा, साथ ही वह हमेशा के लिए नजरों से भी गिर जाएगा। कहते हैं- 'इंसान पहाड़ से गिरकर तो उठ सकता है, लेकिन नजरों से गिरकर कभी नहीं उठ सकता।'

ऐसा भी देखने में आया है कि कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग खुद को अति सभ्य व्यक्ति बताते हुए महिलाओं से दोस्ती गांठते हैं, फिर प्यार के दावे करते हैं। बाद में पता चलता है कि वे शादीशुदा हैं और कई बच्चों के बाप हैं। दरअसल, ऐसे बाप टाइप लोग हीनभावना के शिकार होते हैं। अपराधी प्रवृत्ति के कारण उनकी न घर में इज्जत होती है और न ही बाहर। उनकी हालत धोबी के कुत्ते जैसी होकर रह जाती है यानी धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। ऐसे में वे सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपना अच्छा-सा प्रोफाइल बनाकर खुद को महान साबित करने की कोशिश करते हैं। वे खुद को अति बुद्धिमान, अमीर और न जाने क्या-क्या बताते हैं, जबकि हकीकत में उनकी कोई औकात नहीं होती। ऐसे लोगों की सबसे बड़ी 'उपलब्धि' यही होती है कि ये अपने मित्रों की सूची में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को शामिल करते हैं। यदि कोई महिला अपने स्टेटस में कुछ भी लिख दे तो फौरन उसे 'लाइक' करेंगे, कमेंट्स करेंगे और उसे चने के झाड़ पर चढ़ा देंगे। ऐसे लोग समय-समय पर महिलाएं बदलते रहते हैं यानी आज इसकी प्रशंसा की जा रही है तो कल किसी और की। लेकिन कहते हैं न कि 'काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।' वक्त-दर-वक्त ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

खाने में बच्चों को क्या दे मां

आजकल घर और ऑफिस के कामों के बीच फंसी ज्यादातर कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों के खान-पान पर खास ध्यान नहीं दे पातीं। यही वजह है कि अब बच्चों के खाने-पीने की आदतों में काफी बदलाव आ रहा है। अब उन्हें घर के खाने, फलों और सब्जियों की बजाए बाहर मिलने वाले पित्जा, बर्गर, पास्ता ज्यादा भाने लगा है।

ऐसे में अपने बच्चों को पौष्टिक आहार देना हर मां की जिम्मेदारी है। जानी-मानी डायटीशियन डॉ. सीमा पुरी का कहना है कि बढ़ते बच्चों को प्रोटीनयुक्त, हाई-कैलरीयुक्त खाना देना उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों का एक्टिविटी लेवल बहुत हाई होता है, इसलिए उन्हें एनर्जी देने के लिए उनके खाने में पांच जरूरी पौष्टिक आहार शामिल करें।

पांच जरूरी आहार

प्रोटीन- अपने बच्चे को मजबूत और स्वस्थ बनाने के लिए उसे प्रोटीनयुक्त खाना जैसे अंडा, मछली, चिकन, मीट और शाकाहार में दूध, दही, रोटी, ब्रेड, दालें सही मात्र में दें।

फाइबर और मिनरल- तेज दिमाग और शरीर के सही विकास के लिए अपने बच्चे को फाइबरयुक्त खाना जैसे हरी सब्जियां और फल जरूर खिलाएं।

काबरेहाइड्रेट- बच्चों को एनर्जी देने के लिए उनके खाने में चावल, आलू और मक्खन को शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम- हडियों की मजबूती के लिए बच्चों को घी, दूध, दही जैसी कैल्शियम युक्त चीजें खिलाएं। फैटी फूड को कहें ना शहूर डायटीशियन शिल्पा ठाकुर का मनाना है कि बच्चे अपने मां-बाप के खान-पान से बहुत प्रभावित होते हैं, इसलिए अपने बच्चों के सामने वही खाएं, जो आप उन्हें खाते हुए देखना चाहते हैं। साथ ही बच्चों को सही पोषण देना उनकी मां के हाथ में होता है। इसलिए हर मां को पता होना चाहिए कि अपने बच्चे को क्या खिलाना है और क्या नहीं। जंक फूड, पेप्सी कोला, ज्यादा नमक का खाना, आलू चिप्स, पित्जा, बर्गर जैसी चीजें कम से कम खाने दें, क्योंकि अगर एक बार बच्चों को इन चीजों की आदत पड़ जाए तो उन्हें घर का खाना पसंद नहीं आता, इसलिए बच्चों में पौष्टिक आहार ही ज्यादा खाने की आदत डालें।

खेल-कूद भी है जरूरी

अक्सर पेरेन्ट्स बच्चों को खेलने-कूदने से रोकते हैं। ऐसे में बच्चे पूरा दिन वीडियो गेम खेलने या टीवी देखने में बिताने लगते हैं। ऐसे बच्चों को न तो भूख लगती है और न ही उनका घर से बाहर जाने का मन करता है। वे आलसी हो जाते हैं। बच्चों के सही विकास के लिए उन्हें सही पोषण देना जरूरी है।